फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 | वर्षः 73 | संख्याः 152 | प्रभात | जयपुर, सोमवार 2 जनवरी, 2023 | डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

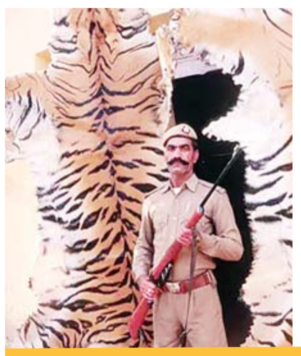

The Arrest Of Wildlife Mafia Brothers

Ladies caught hold of the legs of the forest personnel, making it difficult for them to take Narayan down the stairs.

Stay Warm @ WFH

Styling Summer Sarees In Winter

Stylish ideas on how to wear a saree in winter

वन अधिकारियों ने जावा के एक पवित्र पहाड़ पर जावन हॉक ईगल (गरुड़) का सर्वे करने के लिए स्थानीय शिकारियों को भी साथ लिया। सैन्ट्रल जावा के कारांगसालाम गांव में कम्युनिटी फॉरेस्ट्री एजेंसी के प्रमुख, सिसवोरो ने कहा, चिड़ियों का शिकार करने वाले एक तो इनकी सही लोकेशन जानते हैं, दूसरे उम्मीद है कि इससे शिकारियों में शायद इन पक्षियों के संरक्षण के लिए जागृति पैदा होगी। अगस्त के आरंभ में यह सर्वे शुरु हुआ। जावा के हॉक-ईगल्स (निसीटस बार्टैल्सी) को यहां गरुड़ कहते हैं, क्योंकि ये पक्षी हिंदू और बौद्ध पौराणिक ग्रंथों में वर्णित गरुड़ से मिलते जुलते होते हैं और केवल जावा में पाए जाते हैं। यह इण्डोनेशिया का राष्ट्रीय पक्षी भी है। ग्लोबल वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन अथॉरिटी, आई.यू.सी.एन. द्वारा 2016 के अंतिम दिनों में प्रकाशित आंकलन के अनुसार, उस समय केवल 300-500 वयस्क ईगल्स ही बचे थे। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस पक्षी का ''संकटग्रस्त'' दर्जा, जावा की वनभूमि में आऐ प्राकृतिक एवं मानवजनित परिवर्तनों को दर्शाता है। जिसमें वनों की कटाई एवं ज्वालामुखी फटने जैसे कारण भी हैं। सिसवोरो कहते हैं कि ''कुछ समय पहले तक, ये पक्षी काफी अच्छी संख्या में थे, पर अब ये बहुत कम नजर आते हैं।'' इण्डोनेशिया सरकार ने गाँव स्तर पर सामुदायिक वानिकी कार्यालय (कम्युनिटी फॉरेस्ट्री ऑफिस) बनाए हैं। इनके माध्यम से पक्षियों का शिकार करने वाले लोगों को संरक्षण के प्रयासों में सहयोगी बनाने का निर्णय लिया गया है। ऐसा करके सरकार गरूड़ का शिकार करने वाले लोगों को ही इनका संरक्षक बनाने का प्रयास कर रही है। गरूड़ असल में मध्यम आकार के ईगल हैं और छोटे स्तनपायी जीव, जैसे पक्षी, सांप, छिपकली आदि खाते हैं। हालांकि मई -अगस्त इनका प्रजनन काल है, पर पता चला है कि, ये वर्ष पर्यन्त प्रजनन करते हैं। इन्हें सबसे बड़ा खतरा आवास विनाश से है, जिसका मुख्य कारण खेती और विकास के लिए जंगल की कटाई, जंगल की आग आदि हैं। इसके अलावा अवैध व्यापार भी इनके लिए बड़ा खतरा है। हर साल 30-40 पक्षी बेचने के लिए पकड़े जाते हैं, वैसे वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है। हालांकि इण्डोनेशिया में जावन हॉक ईगल को पकड़ने और बेचने या उन्हें मारने के विरुद्ध कड़े कानून हैं। इण्डोनेशिया में इन्हें, ''नैशनल रेअर प्रैशस एनिमल'' भी घोषित किया गया, पर इससे इन्हें पालतू बनाने का रुझान और बढ़ा। वर्तमान में बर्ड लाइफ इन्टरनैशनल ने इन्हें ''एन्डेन्जर्ड'' करार दिया है।

मकर सक्रांति के बाद मोदी मंत्रिमण्डल में होगा फेरबदल व विस्तार?

इसके अतिरिक्त भाजपा संगठन में भी कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं

- **भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा का अध्यक्षीय कार्यकाल भी इसी महीने खत्म हो रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक भी इसी महीने होने वाली है। इसलिए नड्डा के अध्यक्षीय कार्यकाल के 2024 लोक सभा चुनाव तक बढ़ाने की आधिकारिक घोषणा भी जनवरी में ही होने की संभावना है।**
- **बताया जा रहा है कि, पिछली बार की तरह ही इस बार भी कई दिग्गज मंत्रियों की छुट्टी कर नए और युवा सांसदों को सरकार में शामिल किया जा सकता है।**
- **चर्चा है कि, चुनावी राज्यों कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु को मोदी मंत्रिमण्डल में वरीयता दी जा सकती है।**

नई दिल्ली, 1 जनवरी। नये साल पर मोदी मंत्रिमण्डल और भाजपा संगठन दोनों में फेरबदल के आसार नज़र आ रहे हैं। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का अध्यक्षीय कार्यकाल भी इसी महीने खत्म हो रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक भी इसी महीने होनी है। इसलिए नड्डा के अध्यक्षीय कार्यकाल के 2024 लोकसभा चुनाव तक बढ़ाने की आधिकारिक घोषणा भी जनवरी में ही होने की संभावना है। भाजपा सूत्रों की मानें तो, अगर नड्डा का कार्यकाल बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष बढ़ाया भी जाता है तो भी उनकी टीम में बड़े पैमाने पर बदलाव होना तय है और यह बदलाव पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों से लेकर राज्य के प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों तक भी आना तय है।

वहीं सरकार के मोर्चे पर भी बड़े पैमाने पर बदलाव की तैयारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मकर संक्रांति यानी 14 जनवरी के बाद कभी भी अपने मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल कर सकते हैं। यह फेरबदल बदलाव के साथ ही विस्तार वाला भी होगा।

बताया जा रहा है कि पिछली बार की तरह ही इस बार भी कई दिग्गज मंत्रियों की छुट्टी कर नए और युवा सांसदों को सरकार में शामिल किया जा सकता है। संसद के बजट सत्र की तारीख अभी तय नहीं हुई है लेकिन यह बताया जा रहा है कि इस वर्ष संसद का बजट सत्र 30 या 31 जनवरी 2023 को शुरू हो सकता है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री 15 से 30 जनवरी के बीच ही अपने मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल कर सकते हैं।

कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर के दाम बढ़े

- **कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर एक जनवरी से 25 रू. महंगा हो गया है। दिल्ली में कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर 1768 रु. में मिलेगा।**

नई दिल्ली, 1 जनवरी। नये साल यानी एक जनवरी से कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर के दामों में बढ़ोतरी की गई है। जानकारी के अनुसार कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर 25 रू. महंगा हो गया है।

कॉमर्शियल गैस की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए, कांग्रेस ने आज कहा कि यह लोगों को सरकार का "नए साल का तोहफा" है और "यह सिर्फ शुरुआत है।" कांग्रेस ने हिंदी में ट्वीट किया, "नए साल का पहला तोहफा, व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर अब 25 रुपये महंगा हुआ है। यह तो शुरुआत है।" कॉमर्शियल गैस को अब 19 किलो के रसोई गैस सिलेंडर के लिए 25 रुपये अधिक चुकाने होंगे। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए दरों में कोई इजाफा नहीं हुआ है। वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडरों की दर में वृद्धि से रेस्तरां प्रभावित होंगे। इससे आने वाले दिनों में बाहर खाना या ऑर्डर करना अधिक महंगा हो सकता है। मूल्य वृद्धि के बाद, रसोई गैस के एक वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 1,768 रुपये, मुंबई में 1,721 रुपये, कोलकाता में 1,870 रुपये और चेन्नई में 1,917 रुपये होगी।

युगांडा में सैलिब्रेशन के दौरान भगदड़, 9 लोगों की मौत

- **न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए म्यूजिक कॉन्सर्ट का आयोजन किया गया था, जहां अचानक भगदड़ फैल गई।**

कंपाला, 1 जनवरी (वार्ता)। पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा की राजधानी कंपाला में नववर्ष के आयोजन के दौरान मची भगदड़ में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार नववर्ष के उपलक्ष्य में एक संगीत शो का आयोजन किया गया था। कथित रूप से उपस्थित लोगों के बीच भगदड़ तब मची जब नये साल के आगाज पर आधी रात को आयोजनकर्ताओं ने लोगों को आतिशबाजी देखने के लिए बाहर की ओर निकलने को प्रोत्साहित किया।

पुलिस ने बताया कि आतिशबाजी देखने के बाद वहां भगदड़ मच गयी और पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गणेशधाम से लौट रहे एक ही परिवार के आठ लोगों समेत 10 की मौत

खंडेला के पलसाना मार्ग पर तीन वाहनों में जोरदार टक्कर हो गई

- **टक्कर इतनी तेज थी कि हादसे में नौ लोगों ने तो मौके पर ही दम तोड़ दिया।**
- **सामोद का एक परिवार गणेशधाम से दर्शन कर वापस लौट रहा था। इस पिकअप में परिवार के कुल 20 लोग सवार थे।**
- **पिकअप की सबसे पहले टक्कर बाइक सवार दम्पत्ति से हुई, दुर्घटना में पति-पत्नी दोनों ही जान गंवा बैठे।**

चौमूं/कालाडेरा, 1 जनवरी (निसं)। खंडेला के पलसाना मार्ग पर रविवार को तीन वाहनों की टक्कर से 10 लोगों की मौत हो गई वहीं हादसे में 6 लोग घायल हो गए। गंभीर घायल 3 लोगों को जयपुर रेफर किया गया है। हादसा रविवार को शाम 4:30 बजे खंडेला पलसाना मार्ग पर पर हुआ हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

पुलिस जानकारी के अनुसार माजी साहब की ढाणी के पास पिक-अप और बाइक की टक्कर हो गई। इसी दौरान दोनों वाहन सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराये हादसा इतना भीषण था कि, मौके पर ही 9 लोगों की मौत हो गई व एक घायल महिला ने ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मरने वालों में बाइक सवार पति-पत्नी सुन्दरपुरा दातारामगढ के रहने वाले थे तथा 8 अन्य पिक-अप वाहन में सवार थे। पिक-अप सवार सभी लोग चौमूं उपखण्ड के सामोद के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया, मृतकों में विजय कुमार पुत्र कैलाश चंद मल्होत्रा, अजय कुमार पुत्र कैलाश चंद्र, रेखा कैलाश चंद, आरव उर्फ गोलू मल्होत्रा पुत्र राकेश कुमार, अरविंद पुत्र प्रदीप पिंगोलिया, पूनम उर्फ तन्नू पत्नी संजय, राधा देवी पत्नी विजय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओल्ड एज़ होम में आग, 2 वृद्धों की मौत

- **दिल्ली के ग्रेटर कैलाश नगर में यह घटना हुई, वक्त रहते अन्य लोगों को हिफाज़त से निकाल लिया गया।**

नई दिल्ली, 1 जनवरी (वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी में नववर्ष के पहले दिन रविवार सुबह ग्रेटर कैलाश-2 के केयर होम (वृद्धाश्रम) में आग लगने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी, जबकि छह लोगों को बचा लिया गया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डी.एफ.एस.) के अनुसार मृतकों के नाम कंचन अरोड़ा (86) और कमल (92) हैं। अवतार कौर (86), सरिफा (59), अलीजाबेथ (69), नयन साहा (89) और दो अज्ञात महिलाओं को घटनास्थल से सुरक्षित निकाल लिया गया।

डी.एफ.एस. ने कहा कि दमकल विभाग को सुबह आग लगने की सूचना मिली, इसके तुरंत बाद दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग केयर होम की दूसरी और तीसरी मंजिल पर लगी थी। अग्निशमन कर्मियों को दूसरी मंजिल पर दो शव मिले।

पांच युवाओं की सड़क हादसे में मौत, एक गंभीर घायल

हनुमानगढ़ से सरदारशहर की तरफ जाते वक्त ईंटों से भरे ट्रक की कार से टक्कर हो गई

- **दुर्घटनाग्रस्त कार में सवार छह दोस्तों में से पांच शादीशुदा और एक अविवाहित था।**

हनुमानगढ़, 1 जनवरी (कासं)। साल के आखरी दिन पल्लू (हनुमानगढ़) से पार्टी करके आ रहे बिसरासर गांव के पांच युवाओं की सड़क हादसे में मौत हो गई तथा एक गंभीर रूप से घायल हो गया। रविवार दोपहर बाद गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। छठा गंभीर घायल युवक बीकानेर के पीबीएम चिकित्सालय में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है।

पल्लू तहसील मुख्यालय के बिसरासर गांव के लिए नया साल ना भूलने वाला ऐसा दर्द लेकर आया कि पूरा गांव ही शोक में डूब गया। साल 2022 के आखरी दिन शनिवार देर रात्रि बिसरासर के छह दोस्तों ने पल्लू से पार्टी कर अपने गांव में प्रवेश किया ही था कि उन्हें कोई काम याद आ गया तो तुरंत कार को पल्लू की तरफ घुमाया ही था कि पल्लू से सरदारशहर की तरफ जा रहे ईंटों से भरे ट्रक से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। ट्रक भी मेगा हाईवे पर पलट गया। गांव के बद्री प्रसाद शर्मा ने बताया कि, युवकों की गाड़ी ने बिसरासर से आधा किलोमीटर पहले उन्होंने हमारी गाड़ी को ओवरटेक किया था। जब वह गांव के पास पहुंचे तो वहां ट्रक और कार का एक्सीडेंट हुआ मिला। उन्होंने तथा गांव के बाबूलाल मीणा ने उनको किसी तरह से गाड़ी से बाहर निकाला। जिसमें तीन ने तो मौके पर ही दम तोड़ दिया था। इतने में ही शोर सुनकर आसपास के घरों के लोग आ गए और उनको एम्बुलेंस में पल्लू सीएचसी लेकर गए। जहां पर डॉ. जयप्रकाश जांगिड़ ने दो को प्राथमिक जांच में मृत घोषित कर दिया। एक को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में होने के कारण बीकानेर रैफर कर दिया। पांचों युवकों के शवों को देर रात्रि पल्लू चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया और रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

ग्रामीणों के अनुसार गांव के छह दोस्त दानाराम पुत्र बीरबल राम मीणा, नरेश कुमार पुत्र सुगनाराम मेघवाल, बबलू पुत्र मोहनलाल सिद्ध, नटवर उर्फ राजू पुत्र निराणा राम मेघवाल, मुरली मनोहर पुत्र भंवर लाल शर्मा और अशोक पुत्र रामकुमार आचार्य कार से पल्लू में साल के आखरी दिन की पार्टी कर देर रात्रि गांव लौटे रहे थे। इस दौरान उन्हें कोई काम या सामान याद आने के कारण गाड़ी को वापस पल्लू की तरफ घुमाया था। पल्लू की तरफ से ईंटों से भरे तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई। इनमें से गाड़ी नरेश कुमार पुत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सी.आर.पी.एफ जवान से राइफल छीनी

- **एक आतंकवादी पुलवामा इलाके में सी.आर.पी.एफ जवान की राइफल छीनकर भाग गया।**

श्रीनगर, 1 जनवरी (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में एक संदिग्ध आतंकवादी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) के जवान से राइफल छीन कर फरार हो गया।आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज दोपहर पुलवामा में तैनात सी.आर.पी.एफ. के एक जवान से संदिग्ध आतंकवादी राइफल छीन कर फरार हो गया।

सूत्रों के अनुसार, आतंकवादी ने गश्त के दौरान सी.आर.पी.एफ. के जवान से राइफल छीन ली। इस घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली गई है। संयुक्त सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है और तलाश अभियान शुरू किया गया है।

क्या 2023 वास्तव में 2024 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल है?

इस साल नौ राज्यों व जम्मू-कश्मीर को मिलाकर कुल 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे

- **पूर्वोत्तर राज्यों-नगालैण्ड, त्रिपुरा और मेघालय में सबसे पहले विधानसभा चुनाव होंगे। संभावना है कि, इन राज्यों में फरवरी-मार्च में चुनाव होंगे। इनकी विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च में अलग-अलग तारीखों को खत्म हो रहा है।**
- **मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना की विधानसभाओं के कार्यकाल इस साल दिसंबर और जनवरी 2024 में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त हो जायेंगे।**

नई दिल्ली, 1 जनवरी। देश में इस साल 9 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है। पूर्वोत्तर के राज्यों के अलावा कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भी इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। पूर्वोत्तर राज्यों-नगालैंड, त्रिपुरा और मेघालय में सबसे पहले विधानसभा चुनाव होंगे। संभावना है कि इन राज्यों में फरवरी-मार्च में चुनाव होंगे।

इनकी विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च में अलग-अलग तारीखों को खत्म हो रहा है। कर्नाटक, राजस्थान और मध्यप्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के बीच है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अभी तक कांग्रेस मजबूत नजर आ रही है। वहीं कर्नाटक और मध्यप्रदेश में बीजेपी सत्ता में होने की वजह से मजबूत नजर आ रही है। त्रिपुरा में जहां भाजपा की सरकार है, वहीं नगालैंड में नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी सत्ता में है। नैशनल पीपुल्स पार्टी की मेघालय में सरकार है, जो पूर्वोत्तर की एकमात्र पार्टी है जिसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त है।

निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने दिसंबर में संकेत दिया था कि तीन राज्यों में चुनाव एक साथ होंगे और उसके बाद कर्नाटक में चुनाव होगा। कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 24 मई को समाप्त हो रहा है। भाजपा शासित इस राज्य में चुनाव अप्रैल के अंत या मई की शुरुआत में हो सकता है। वहीं, मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना की विधानसभाओं के कार्यकाल इस साल दिसंबर और जनवरी 2024 में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त होंगे। मिजोरम की 40 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 17 दिसंबर को समाप्त हो रहा है जबकि छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश विधानसभाओं का कार्यकाल क्रमशः तीन जनवरी और छह जनवरी, 2024 को समाप्त हो रहा है।

इसी तरह, राजस्थान और तेलंगाना विधानसभाओं का कार्यकाल क्रमशः 14 जनवरी और 16 जनवरी, 2024 को समाप्त हो रहा है।

ऐसे में इन पांच राज्यों में एक साथ चुनाव होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। नौ राज्यों के विधानसभा चुनावों के अलावा, केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव इस साल होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। नौ दिसंबर को सूत्रों ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर में ठंड का असर कम होने के बाद 2023 की गर्मियों में विधानसभा चुनाव कराया जा सकता है। अनुच्छेद 370 के प्रावधानों के रद्द किए जाने के बाद जम्मू एवं कश्मीर की अंतिम मतदाता सूची पिछले साल 25 नवंबर को जारी होने के साथ चुनाव का रास्ता साफ हो गया था।

दिल्ली एन.सी.आर. में भूकम्प

- **रिक्टर स्केल पर भूकम्प की तीव्रता 3.8 मापी गई है। भूकम्प का केन्द्र हरियाणा के झज्जर इलाके में था।**

नई दिल्ली, 1 जनवरी। नए वर्ष के आगमन के कुछ देर बाद दिल्ली-एन.सी.आर., हरियाणा और आसपास के कई इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गये।

रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.8 मापी गई है।

हालांकि गनीमत रही कि, भूकम्प की तीव्रता कम होने के कारण इससे कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन लोगों में दहशत जैसी स्थिति बन गई और लोग घरों के बाहर निकल आए। भूकंप रात 1 बजकर 19 मिनट पर आया है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक इसका केंद्र हरियाणा के झज्जर में था और इसकी गहराई जमीन से 5 कि.मी. नीचे थी।

विचार बिन्दु

जहाँ नक़ल है वहां खाली दिखावट होगी, जहाँ खाली दिखावट है वहां मूर्खता होगी। –जॉन्सन

पेपर लीक काण्ड: कुछ प्रासंगिक बातें

एक पुराना कथन है जिसका आशय यह है कि ताले तो साहूकारों के लिए होते हैं, चोर तो चोरी करने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लेता है। यह कथन मुझे इन दिनों बहुत याद आ रहा है। कारण है इधर कुछ समय से बार-बार घटित होने वाले पेपर लीक काण्ड। मेरा संबंध शिक्षा की दुनिया से रहा है और परीक्षाओं के तंत्र को मैंने भीतर से देखा है। उसकी जटिलताओं से, कमियों से, चुनौतियों से मैं बहुत अच्छी तरह से परिचित हूं। और यही वजह है कि हाल में हुए पेपर लीक काण्ड के बारे में जब मैं लोगों के, और विशेषतः नेताओं के बहुत ग़ैर ज़िम्मेदारी भरे बयान पढ़ता हूं तो जी बहुत दुखता है। बेशक प्रतिपक्ष का काम सत्ता पक्ष की कमियों को उजागर करना है और अगर वह यह न करेगा तो अपने कर्तव्य निर्वहन में कोताही बरतेगा। लेकिन यह भी देखना होगा कि ऐसा करते हुए वह अपनी मर्यादा, सीमाओं और औचित्य का उल्लंघन न कर जाए। इधर जब मैं प्रतिपक्ष के कुछ नेताओं के बयान पढ़ता हूं तो मुझे लगता है कि पेपर लीक की पूरी प्रक्रिया की स्क्रिप्ट उनके पास है। वे सब कुछ जानते हैं। और जब यह लगता है तो मुझे हंसी भी आती है और क्षोभ भी होता है। राज्य की पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। यह सारा काण्ड इतना सरल भी नहीं है कि आप तुरंत किसी नतीज़े पर पहुंच जाएं। जिन लोगों ने इस वारदात को अंजाम दिया है उन्होंने पूरी तैयारी के साथ यह कुकर्म किया है। उनकी कार्य पद्धित दो और दो चार जैसी सरल नहीं है। क्या हम जांच एजेंसियों से यह उम्मीद कर सकते हैं कि वे पलक झपकते ही अपराधियों को दबोच लेगी? लेकिन हमारे कई प्रतिपक्षी अपने बयानों से यही आभास दे रहे हैं जैसे उन्हें सब कुछ पता है। मुझे चिंता यह होती है कि उनकी इस तरह की बयानबाजी पुलिस की जांच प्रक्रिया में तो बाधा पहुंचाती ही है, भोले और पूरी प्रक्रिया से नावाक़िफ़ नागरिकों को भी उन लोगों के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रस्त करती है जो दोषी नहीं हैं।

परीक्षा प्रक्रिया से अपने सुदीर्घ परिचय के आधार पर मैं बहुत दृढ़ता पूर्वक यह कह सकता हूं कि परीक्षा करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां अपने अनुभवों के आधार पर निरंतर अपनी कार्यप्रणाली को सुधारती व उन्नत करती रहती हैं। गोपनीयता का तकाज़ा है कि इस बात को विस्तार से और खोलकर न कहा जाए, लेकिन यह एक तथ्य है कि आज परीक्षा आयोजित करना बहुत जटिल और उलझन तथा विशेषज्ञता भरा काम हो गया है। किसी भी परीक्षा में कम से कम दो तंत्र होते हैं। एक वह जो प्रश्न पत्र बनवाता और उन्हें मुद्रित करवा कर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाता है, और दूसरा तंत्र परीक्षा केंद्रों का होता है। कई बार बीच में एक तंत्र और आ जाता है जहां प्रश्न पत्र बनवाने और छपवाने वाले तंत्र से प्राप्त प्रश्न पत्र सुरक्षित रखे जाते हैं और फिर उन्हें परीक्षा केंद्रों तक भेजा जाता है। यह तंत्र सामान्यतः ज़िला प्रशासन का होता है, जैसे कोषागार। यहीं यह बात भी ध्यान देने की है कि कुछ बरस पहले तक जहां सामान्यतः योग्यता तय करने वाली परीक्षाओं के पर्चे आउट हुआ करते थे, आजकल सामान्यतः उन पर असामाजिक तत्वों की निगाह जाती ही नहीं है। बीए, एमए के पर्चे आउट करने में अब किसी की रुचि नहीं रह गई है। इसका कारण भी बहुत साफ़ है। परीक्षा में प्राप्त अंक आपको रोज़गार मिल जाने की गारंटी नहीं देते हैं। लगभग हर रोज़गार के लिए, सरकारी नौकरी के लिए अलग से परीक्षा होती है। कई बार एक से अधिक परीक्षाएं भी होती हैं। पेपर आउट करवाने वालों का ध्यान इन्हीं परीक्षाओं पर रहता है।

परीक्षा के पर्चे लीक हो जाना ग़लत है। दुर्भाग्यपूर्ण है और कहीं न कहीं यह उन लोगों की नाकामयाबी का भी परिचायक है जिन के कंधों पर यह बड़ा और बहुत ज़िम्मेदारी का काम करवाने का दायित्व है। लेकिन इसी के साथ यह भी समझना ज़रूरी है कि परीक्षा का काम एक बहुत बड़ी टीम करती है और उस टीम में कमज़ोर कड़ी कहीं भी हो सकती है।

यह एक सर्व ज्ञात तथ्य है कि पिछले कुछ बरसों में सरकारी नौकरियों की संख्या में, बावज़ूद नेताओं की बड़ी-बड़ी घोषणाओं के, कमी हुई है। अगर कमी नहीं भी हुई है तो वे उस अनुपात में नहीं बढ़ी हैं जिस अनुपात में शिक्षितों की संख्या बढ़ी है। हमारे देश में सरकारी नौकरी के प्रति ग़ज़ब का आकर्षण है। इसके अनेक कारण हैं, और उन्हें सब जानते हैं इसलिए उनकी चर्चा अनावश्यक होगी। जो लोग मेहनती और प्रतिभाशाली हैं वे भले ही निजी क्षेत्र को आकर्षक पाएं, औसत प्रतिभा और योग्यता वालों को अपने जीवन की चरम उपलब्धि सरकारी नौकरी पा जाना ही लगती है। यही वजह है कि बहुत छोटी नौकरी के लिए भी बहुत अधिक योग्यता वाले अनगिनत उम्मीदवार पंक्तिबद्ध खड़े नज़र आते हैं। कुल मिलाकर एक अनार सौ बीमार वाली स्थितियां बनती हैं। और इन्हीं स्थितियों का फ़ायदा उठाते हैं कुछ असामाजिक तत्व। वे अपने कौशल (इसे और क्या कहें) का दुरुपयोग कर प्रश्न पत्र चुराते हैं और उन्हें बहुत ऊंचे दामों पर बेच कर मालामाल होते हैं। यह बात भी कम आश्चर्य पैदा नहीं करती है कि हमारे ही समाज में बहुत मोटी रकम देकर ग़लत तरीकोंसे परीक्षा की वैतरणी पार करने के इच्छुक भी खूब हैं। मुझे तो यह बात आश्चर्य चकित करती है कि जो लोग दस लाख रुपये जैसी मोटी रकम देकर प्रश्न पत्र खरीद सकते हैं वे इतने पैसों में तो कोई रोज़गार भी शुरू कर सकते थे जहां उन्हें उस नौकरी से तो ज़्यादा ही आय हो जाती। नौकरियों के भी झंझट कम नहीं होते हैं। आपको घर से दूर भी जाना पड़ता है, अदसरों की भी सुननी पड़ती है, और न जाने कितने संकट होते हैं। निजी व्यवसाय में यह सब नहीं होता। आप जहां रहते हैं वहीं अपना व्यवसाय कर सकते हैं। आपका कोई मालिक नहीं होता है। आप खुद अपने स्वामी होते हैं। असल में इतने पैसे खर्च करके अनैतिक तरीकों से नौकरी पाने की कोशिश करने वालों की बड़ी संख्या हमारे समाज की मानसिक बनावट में आ गई विकृति की भी सूचक है। समाज में एक वर्ग ऐसा तैयार होता जा रहा है जिसके लिए सही ग़लत की बात बेमानी है। उसके लिए महत्वपूर्ण यही है कि जैसे भी हो उसका काम निकल जाए। यह जो जैसे भी हो की प्रवृत्ति है, इसे अनदेखा करके हम अपने ही भविष्य को बिगाड़ रहे हैं। अब ऐसे लोगों को देख उनकी लालसाएं भी जागती हैं जो इनमें अपने लिए अमीरी के सपने देखते हैं। इधर पर्चे लीक करवाने वालों के वैभव पूर्ण जीवन की जो ख़बरें आ रही हैं वे चौंकाने वाली नहीं हैं। हम अपने चारों तरफ देखते हैं कि लोगों को इस बात से कोई मतलब नहीं रह गया है कि आपने पैसा कैसे कमाया है! वे केवल और केवल आपकी अमीरी देखते और उसे सराहते हैं। ऐसा लगता है जैसे हमने सही और ग़लत के बीच भेद करना बंद कर दिया है। आखिर ग़लत तरह से पैसे कमाकर अमीर बन जाने वाले और वैभवपूर्ण जीवन जीने वाले लोग हमारे ही समाज में रहते हैं। हमारी ही कॉलोनियों में रहते हैं। किसी का ध्यान इस बात पर क्यों नहीं जाता है कि उनके वैभव के स्त्रोत क्या हैं! इतना ही नहीं, उनका दुराचरण उजागर हो जाने के बाद भी उनका सामाजिक बहिष्कार शायद ही होता हो।

परीक्षा के पर्चे लीक हो जाना ग़लत है। दुर्भाग्यपूर्ण है और कहीं न कहीं यह उन लोगोंकी नाकामयाबी का भी परिचायक है जिन के कंधों पर यह बड़ा और बहुत ज़िम्मेदारी का काम करवाने का दायित्व है। लेकिन इसी के साथ यह भी समझना ज़रूरी है कि परीक्षा का काम एक बहुत बड़ी टीम करती है और उस टीम में कमज़ोर कड़ी कहीं भी हो सकती है। उस कड़ी को पहचाना और दण्डित किया जाए, यह उचित होगा लेकिन परीक्षा तंत्र से जुड़े हरेक को इस का दोषी बताया जाए, यह बहुत ग़लत होगा। इधर जिस तरह की बयानबाजियां हो रही हैं वे इसी ग़लती का परिचय देती हैं। यहीं यह भी कि दोषी को दण्ड देने की हमारी पूरी प्रक्रिया बहुत धीमी और फिसलन भरी है। यह बात सारे ही अपराधों के मामले में सत्य है। ऐसे में यह उम्मीद करना कि किसी एक अपराध में बहुत त्वरा से न्याय हो जाएगा, अव्यावहारिक होगा।

असल में परीक्षा के पर्चों कायह मामला पूरे परिवेश के संदर्भ में देखा और समझा जाना चाहिए। कोई भी घटना शून्य में घटित नहीं होती है। जब सारे समाज में बिगाड़ का माहौल हो तो उससे कोई भी पक्ष अछूता नहीं रह सकता। मेरे इस कथन से यह न समझा जाए कि मैं इस बुराई का पक्ष ले रहा हूं। फिर कहूंगा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और दोषियों को जल्दी से जल्दी पकड़ा जाना और उन्हें ऐसा दंड दिया जाना ज़रूरी है जो औरों के लिए भी सबक साबित हो। इसी के साथ यह भी ज़रूरी है कि अब तक हुई चूकों से सबक लिया जाए और इस बात के गम्भीर प्रयास किए जाएं कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो। लेकिन इसी के साथ इस बात पर भी विमर्श ज़ारी रहना चाहिए कि कैसे सरकारी नौकरियों के प्रति इस दुर्निवार आकर्षण पर काबू पाया जाए! समस्या की असल जड़ तो वहीं है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

आज का ज्ञान, कल का विज्ञान, परसों का विकृतज्ञान।

इसे चरितार्थ करती कहानी है दूरबीन विधि से घुटने के उपचार की।

बुढ़ापे की निशानी जोड़ो का दर्द – ओस्टियोआर्थराइटिस। सबसे अधिक घुटने परेशान करते हैं। चलना-फिरना, उठना-बैठना मुश्किल होता जाता है। जोड़ो की चिकनाई खत्म हो जाती है। हाथी दाँत से चिकने जोड़ों के कार्टिलेज घिस कर खुरदरे हो जाते हैं। दोनों हड्डियों के बीच स्थित चन्द्राकार मेनिस्कस भी घिस कर क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। हड्डियों के सिरों पर नुकीले ओस्टियोफाइट्स उभर आते हैं। उनमें से कुछ क्षय हो कर बालू कण और कंकर से जोड़ में आ गिरते हैं और पीड़ादायक घर्षण पैदा करते हैं। जोड़ में चिकनाई बनाने वाली साइनोवियल मेम्ब्रेन में सूजन आ जाती है। यह था ज्ञान जो जोड़ के एक्स-रे, सूक्ष्मदर्शी परीक्षण व रासायनिक विश्लेषण से अर्जित किया गया।

उम्र आधारित अस्थिक्षरण (डिजेनेरेशन) रोग, इसे रोका तो नहीं जा सका, हाँ, आदि काल से वैज्ञानिकों ने इसके उपचार की अनेकानेक विधियाँ अवश्य विकसित कीं। बीसवीं सदी की ऐसी ही उन्नत, दूरबीन आधारित तकनीक, ओस्टियो आर्थराइटिस के उपचार की विधि विकसित हुई – आर्थोस्कोपिक शल्य क्रिया। इस क्रिया में सर्जन घुटने के आवरण में छेद करता है, रोशनी युक्त दूरबीन व अन्य सूक्ष्म औजारों को छेदों से अन्दर डालता है, जोड़ का भीतर से विस्तृत परीक्षण करता है, खुरदरे हिस्सों को समतल करता है, टूटे हुए टुकड़ों को बाहर निकालता है और फिर 3000 मि.ली. तरल से जोड़ को धोकर साफ करता है। यह था चिकित्सा विज्ञान। जिनको दवाओं से आराम नहीं मिला वे यह शल्य क्रिया करवाते थे। 1990 के दशक में प्रति वर्ष अमेरिका में 6,50,000 वृद्धों में यह आपरेशन किया जाता था। प्रति रोगी एक आपरेशन का खर्चा था 55,000 डालर यानी लगभग 30 लाख रूपये। देश में प्रति वर्ष मात्र इस इलाज पर

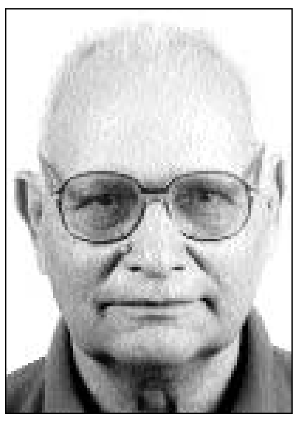

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

अरबों का व्यय।

इस दूरबीन विधि से लाभ क्यों होता है, जोड़ की सफाई से होता है? जोड़ की धुलाई से होता है? या ऐसे ही हो जाता है (प्लेसीबो एफेक्ट), इसका विधिवत वैज्ञानिक आकलन नहीं किया गया था। शल्य क्रिया में ऐसा करना आसान नहीं होता। दवाओं में ऐसा आकलन करना अनिवार्य है ओर सरल भी – बिना बताए रोगियों के एक समूह को असली दवा और दूसरे समूह को वैसी ही फर्जी (प्लेसीबो) दवा दे कर। स्वेच्छा से करवाई ब्लांइण्ड ट्रायल। लेकिन फर्जी शल्य क्रिया मुश्किल प्रावधान है। ह्यूस्टन वेटरन्स मेडिकल सेंटर के डॉ. जे बी मोस्ले और उनके साथियों ने यह अनुसंधान किया। 1995 से 1998 तक उन्होंने ओस्टियो आर्थराइटिस के 180 रोगियों को स्वेच्छा से इस प्रयोग में भाग लेने को प्रेरित किया। बता दिया गया था कि उन्हे तीन समूह में रेन्डम (बेतरतीब) विधि से बाँटा जाएगा।

कौन रोगी किस समूह में जायगा उसे नहीं मालूम होगा। एक समूह में सर्जन द्वारा दूरबीन विधि से जोड़ के अंदर की सफाई (डिब्राइडमेंट), दूसरे में तरल से धुलाई (लेवाज) और तीसरे में केवल जोड़ में छेद किए जाएँगे [illegible] किसी भी समूह के रोगी को न बताया जाएगा, न मालूम होगा कि उसके जोड़ में क्या किया गया है। आपरेशन के बाद सभी का समय-समय पर विधिवत परीक्षण होगा और मान्य मानदंडों के अनुरूप आकलन। आकलनकर्ता चिकित्सक को भी यह नहीं मालूम होगा कि रोगी किस समूह का है। 180 में से 164 रोगी दो साल के पूरे काल में आकलन के लिए उपलब्ध रहे।

आकलन के विस्तृत सांख्यिक (स्टेस्टिकल) तुलनात्मक विश्लेषण पर ज्ञात हुआ कि तीनों समूह में दर्द निवारण व चलने में लाभ एक जैसा था। प्लेसीबो की तुलना में शल्य क्रिया से कोई लाभ नहीं था। अर्थात् रोगी जो लाभ महसूस करते थे वह प्लेसीबो एफेक्ट था, ओस्टियो आर्थराइटिस की दूरबीन शल्य क्रिया विधि असरहीन, निरर्थक साबित हुई। कल का विज्ञान विकृत ज्ञान साबित हुआ।

–डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

नववर्ष पर रोशनी से जगमगाया मेहंदीपुर बालाजी आस्था धाम

मेहंदीपुर बालाजी, (निसं)। आस्था धाम मेहंदीपुर बालाजी में नववर्ष को लेकर शुक्रवार से ही मंदिर की सजावट का दौर शुरू हो गया। मंदिर के गर्भ गृह सहित पूरे मंदिर को रंगीन जगमगाती रोशनी वे लाइटों से सजाया गया। शनिवार से ही मेहंदीपुर बालाजी में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। इस बार नव वर्ष में मेहंदीपुर

■ मेहंदीपुर बालाजी में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही

बालाजी में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। दौसा जिला व करौली जिला दोनों तरफ लंबी-लंबी कतारें लग गई।

वहीं नववर्ष के मौके पर मेहंदीपुर बालाजी मंदिर महंत नरेश पुरी महाराज ने स्वयंभू बालाजी महाराज की प्रतिमा का पंचामृत से स्नान करवा कर सोने का चोला चढ़ाया ।वही मनमोहक श्रृंगार किया और महाराज श्री के सानिध्य में विशेष पूजा अर्चना की गई ।इस दौरान मंदिर में छप्पन भोग की झांकी सजाई गई और महा आरती का आयोजन हुआ।

आस्था धाम मेहंदीपुर बालाजी में महंत ने विशेष पूजा-अर्चना कर आरती की।

सुबह सबसे पहले मंदिर में पूजा-अर्चना की गई और उसके बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन के लिए मंदिर के पट खोल दिए गए। जिसम श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध तरीके से बालाजी महाराज के दर्शन किए। बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नरेश पुरी महाराज ने बालाजी आने वाले सभी श्रद्धालुओं को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी और उन्होंने बालाजी महाराज के चरणों में प्रार्थना की सभी के घर परिवार में सुख चैन रहे। वहीं उन्होंने देश में अमन चैन की दुआ मांगी और बालाजी महाराज से कोरोना मुक्ति की भी बालाजी महाराज से प्रार्थना की महाराज श्री द्वारा बालाजी आने वाले भक्त किसी भी तरीके की दर्शन के दौरान समस्या ना हो इसके लिए भी मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी बार-बार व्यवस्थाओं को देखते हुए नजर आये। वहीं महाराज श्री भी स्वयं व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे।

चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात रहे। मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में श्रद्धालुओं की आवक को देखते हुए टोडाभीम पुलिस उपाधीक्षक फूलचंद मीणा थाना अधिकारी शैलेंद्र सिंह सहित पुलिस के जवान व अतिरिक्त जाब्ता मौके पर मौजूद रहा और कतार में लगने वाले श्रद्धालुओं को व्यवस्थित कतार में लगाने में सहयोग करते रहे। वहीं मेहंदीपुर बालाजी थाना के थाना अधिकारी अजीत बड़सरा वह वृत मानपुर पुलिस उपाधीक्षक दीपक मीणा सहित पुलिस का भारी जाब्ता दौसा की तरफ भी तैनात रहा। वहीं अधिक भीड़ के चलते थाना अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने टोडाभीम की तरफ से आने वाले सभी वाहनों को अंदर आने से रोक दिया गया। जिससे कि श्रद्धालुओं को वाहनों से किसी भी तरीके की कोई परेशानी ना हो।

रिकार्ड पर्यटकों के आने से 'घना' गुलजार

भरतपुर में केवलादेव राष्ट्रीय पार्क घना रिकार्ड पर्यटकों के आने से गुलजार है।

भरतपुर, (निसं)। विश्व विख्यात केवलादेव राष्ट्रीय पार्क घना में रिकार्ड पर्यटकों के आने से घना गुलजार है। शीतकालीन अवकाश से ही केवलादेव घना में भारी संख्या में देशी विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंच रहे हैं। हालत यह है कि घने के अंदर सैलानियों को घुमाने के लिए लगे रजिस्टर्ड रिक्शा चालक भी कम पड़ रहे हैं। जिससे केवलादेव राष्ट्रीय पार्क में सैलानियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बाहर से रिक्शा चालकों को बुलाना पड रहा है।

कोरोना के चलते पिछले दो वर्ष सरकार की बंदिशों एवं स्वास्थ्य के प्रति सावधानी के चलते केवलादेव

■ पर्यटक घना में पक्षियों को निहार हो रहे आनंदित

राष्ट्रीय पार्क में बहुत कम संख्या में ही सैलानी घूमने आए थे। लेकिन इस बार कोरोना का प्रभाव ना के बराबर है। केवलादेव राष्ट्रीय पार्क में समन्दर पार दूर-दूर से पक्षी प्रवास के लिए आते हैं। सर्दी का मौसम इन पक्षियों के लिए अच्छा माना जाता है। वर्तमान में केवलादेव नेशनल पार्क में हजारों की संख्या में लगभग 300 प्रकार के देशी-विदेशी पक्षी डेरा डाले हुए हैं। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में इन दिनों चाइना कूट, सबलर, इंडियन सारस, ओपन बिल स्टोर्क, स्पून बिल, परपल हेरन समेत कई देशी विदेशी पक्षियों को देखने के लिए पर्यटक आ रहे हैं। घना पक्षी विहार की झीलों में पर्याप्त पानी होने से पक्षियों को भी सुकून मिल रहा है, और उन्हें पानी में से भोजन के रूप में मछली, वनस्पति मिल रही है। पूर्वी राजस्थान में केवलादेव राष्ट्रीय पार्क प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। माना जाता है कि जो पर्यटक आगरा का ताजमहल देखने के लिए आते हैं। अमूमन वे पर्यटक केवलादेव राष्ट्रीय पार्क में भी घूमने आते हैं।

नववर्ष पर मंदिरों में श्रद्धालुओं का रहा तांता

करौली के कैला देवी के मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी।

करौली, (निसं)। नव वर्ष के अवसर पर लोगों ने एक दूसरे को विभिन्न माध्यमों से बधाइयां दी तो वहीं मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार को प्रातः से ही लोग नहा-धोकर देव दर्शन कर दिन की शुरुआत करते देखे गए।

इस दौरान जन-जन के आराध्य देव भगवान मदन मोहन जी महाराज के मंदिर, गोविंद देव जी मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों के अलावा उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठ तीर्थ स्थल आस्था धाम कैलादेवी में विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने माता की चौखट पर मत्था टेक कर नई साल में अमन चैन और खुशहाली की मनौती मांगी। इस

■ श्रद्धालुओं ने मत्था टेक कर नई साल में अमन चैन और खुशहाली की मनौती मांगी

दौरान यहां जिला पुलिस प्रशासन भी चौकन्ना नजर आया।

करौली के मदन मोहन जी महाराज के मंदिर में प्रातः मंगला आरती से ही श्रद्धालुओं का दर्शनों के लिए तांता लग गया और दोपहर में लोगों ने छप्पन भोग की झांकी के दर्शन लाभ लिए। यह सिलसिला रात्रि शयन आरती पट मंगल तक चलता रहा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 2 जनवरी, 2023

पौष मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2079, भरणी नक्षत्र दिन 2:24 तक, साध्य योग मंगलवार प्रातः 6:52 तक, वणिज करण प्रातः 7:48 तक, चन्द्रमा रात्रि 8:52 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-मकर, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 2:24 तक है। भद्रा प्रातः 7:48 से रात्रि 8:24 तक है। आज पुत्रदा एकादशी व्रत और मन्वादि है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:38 तक, शुभ 9:55 से 11:13 तक, चर 1:48 से 3:06 तक, लाभ-अमृत 3:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:41

मेष

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आपश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
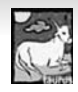
आज मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

तुला

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृश्चिक

व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
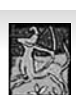
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

भगवान के दर्शनों के साथ लोगों ने शुरू किया नववर्ष

नववर्ष-2023 की अलसुबह राजधानी जयपुर के आराध्यदेव गोविंददेवजी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। लोगों ने भगवान से आशीर्वाद लेकर अपने घर-परिवार की सुख-शांति की कामना की। उधर खोले के हनुमान मंदिर में भी दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। यहां भगवान को पौषबड़ा प्रसादी का भोग लगाने के बाद करीब 70 हजार भक्तों में भी प्रसादी वितरित की गई।

तीन जिलों में 11 नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

- सर्वाधिक 9 मामले जयपुर में पाए गए हैं।
- सोमवार को एक्टिव केस बढ़कर 79 हो गये है

जयपुर। प्रदेश में रविवार को तीन जिलों में 11 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच किसी भी मरीज के रिकवर नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 79 हो गए हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से कोई मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में रविवार को जयपुर में 9 तथा दौसा और उदयपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इससे पहले राज्य में शनिवार को 15 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में आज सबसे ज्यादा 5 नए संक्रमित बस्सी में मिले हैं। इसके अलावा जमवारामगढ़ और झोटवाड़ा में 1-1 नया मरीज सामने आया है। वहीं 2 संक्रमितों का पता गलत मिलने पर उन्हें ट्रेस नहीं किया जा सका है। प्रदेश में सोमवार को कोई संक्रमित ठीक नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 79 हो गए हैं। राजधानी जयपुर में भी कोई मरीज रिकवर नहीं होने से 63 एक्टिव हो गए हैं। प्रदेश में रविवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है।

पेट्रोलियम क्षेत्र में करीब 6200 करोड़ का नया निवेश : डॉ.अग्रवाल

- 'कुल 22838 करोड़ रु. के निवेश कार्य जारी'
- 'नए निवेश से एक्सप्लोरेशन, तेल उत्पादन , रोजगार व राजस्व की नई राह खुली'

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइन्स एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया है कि राज्य में पेट्रोलियम क्षेत्र में करीब 6200 करोड़ का नया निवेश किया जा चुका हैं। प्रदेश में चार निवेशकों द्वारा 22838 करोड़ के निवेश कार्य जारी है।

एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि विभागीय प्रयासों से इंवेस्ट राजस्थान के तहत पेट्रोलियम क्षेत्र में केयर्न वेदांता द्वारा 20 हजार करोड़ रु., ऑयल इण्डिया द्वारा 663 करोड़ रु., ओएनजीसी द्वारा 1050 करोड़ रु. और फोकस एनर्जी द्वारा 1125 करोड़ रु. के नए निवेश के प्रस्तावों पर करार किया गया था। उन्होंने बताया कि चारों ही निवेशक कंपनियों के निवेश को धरातल पर लाना शुरु कर दिया हैं और 6 हजार 200 करोड़ रु. के निवेश कार्य किये जा चुके हैं और चरणवद्ध तरीके से निवेश कार्य प्रगति पर है।

एसीएस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश पर जोर दिया जिसके क्रम में विभाग द्वारा इंवेस्ट राजस्थान के दौरान नए निवेश लाने के साथ ही उन्हें धरातल पर भी लाने के लिए निरंतर समन्वय व मोनेटरिंग का परिणाम रहा कि चारों निवेशकों ने तत्काल कार्य आरंभ कर दिया।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि पेट्रोलियम क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश केयर्न वेदांता द्वारा किया जा रहा है। 20 हजार के निवेश करार के विरुद्ध अब तक बाड़मेर और जालौर जिले में पीएमएल और पीईएल ब्लॉक में एक्सप्लोरेशन और अन्य विकास कार्य किये जा रहे हैं। इसमें से 5671 करोड़ रुपए के कार्य किये जा चुके हैं। इसी तरह से फोकस एनर्जी द्वारा 1125 करोड़ रु. के निवेश कार्यों के विरुद्ध 113 करोड़ रु. के निवेश कार्य जैसलमेर ब्लॉक में किए जा रहे हैं।

एसीएस डॉ. अग्रवाल ने बताया कि ओएनजीसी द्वारा प्रदेश में 1050 करोड़ रु. के निवेश कार्य किए जा रहे हैं जिसमें से 212 करोड़ रु. से अधिक निवेश कार्य बीकानेर व जैसलमेर की पीएमएल व पीईएल में एक्सप्लोरेशन और उत्पादन कार्य किया गया है। इसी तरह से ऑयल इण्डिया द्वारा 663 करोड़ के निवेश लक्ष्य के विरुद्ध जैसलमेर में 144 करोड़ से अधिक के कार्य किए जा चुके हैं।

जनजाति क्षेत्र में बनेंगे अत्याधुनिक छात्रावास

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार प्रदेश के जनजाति क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विभिन्न योजनाओं के लिए 14.80 करोड़ रुपए के अतिरिक्त वित्तीय प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। इससे क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, कक्षा कक्षों का निर्माण कराने सहित खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

गहलोत की इस स्वीकृति से उदयपुर के चित्रकूट नगर में 7 मंजिला छात्रावास (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विद मॉडर्न फैसेलिटिज) तैयार होगा। इसमें 120 छात्राओं के लिए रहने की सुविधा होगी। यहां दो मंजिला बेसमेंट बनेंगे, जिनमें बास्केटबॉल, वॉलीबॉल एरिना, जिम की सुविधा मिलेगी। भूतल पर स्वागत कक्ष, प्रतीक्षा कक्ष और दो कमरे तैयार होंगे।

कांग्रेस के शासनकाल में जंगलराज बना राजस्थान : रामचरण बोहरा

सांसद रामचरण बोहरा ने रविवार को आदर्श नगर विधानसभा में जनाक्रोश महासभा को संबोधित किया।

जयपुर (का.सं.)। जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा ने आदर्श नगर विधानसभा में विशाल जनाक्रोश महासभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान में पिछले 4 सालों में कांग्रेस राज में बेरोजगारी, बलात्कार, भ्रष्टाचार,पेट्रोल-डीजल और बिजली की कीमतों में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई।

सांसद बोहरा ने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस के कुशासन ,भ्रष्टाचार व जंगलराज से परेशान है। कांग्रेस सरकार पेपर लीक सरकार बन गयी है। ये सरकार पेपर लीक करने वाले आरोपियों को राजनैतिक संरक्षण प्रदान कर रही है सरकार की विफलता के चलते पेपर लीक हो रहे हैं। अब तक 4 सालों में 16 बार पेपर लीक हो चुके हैं। यह सरकार झूठे वादे करके सत्ता में आई है किसानो के कर्जा माफी के 10 दिन अभी तक पूरे नहीं हुए हैं किसान आज भी पिछले 4 सालों से कर्जा माफी का इंतजार कर रहे हैं। देश में पेट्रोल डीजल के सबसे ज्यादा दाम राजस्थान में है और सबसे महंगी बिजली भी राजस्थान में है। आज राजस्थान में कई प्रकार के माफिया पनप गए हैं चाहे वह बजरी माफिया हो भूमाफिया हो या नकल माफिया हो। आज राजस्थान नकल माफियाओं का अड्डा बन गया है। राजस्थान सरकार का लक्ष्य पिछले 4 सालों में सिर्फ कुर्सी बचाने पर रहा है जिन 90 विधायकों ने इस्तीफे दिए थे अब वह इस्तीफे वापस ले रहे हैं जो कि अलोकतांत्रिक है।

जन आक्रोश सभा में सांसद जसकौर मीणा, पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, जयपुर जिला उपाध्यक्ष केदार शर्मा, बृज किशोर उपाध्याय सोमकांत शर्मा एवं रवि नैयर उपस्थित रहे।

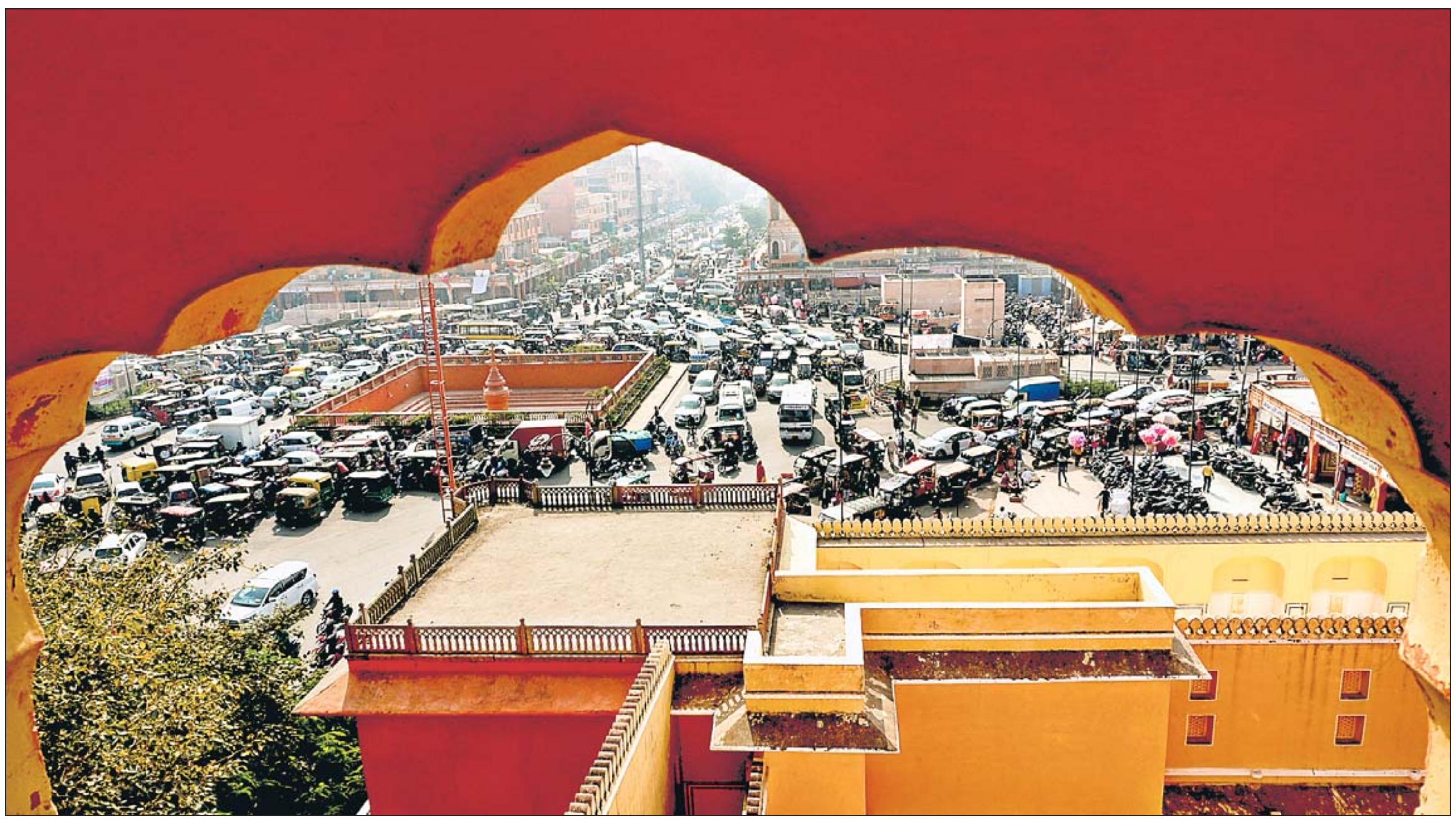

राजधानी जयपुर में नववर्ष पर खरीददारी व पर्यटन स्थल घूमने के लिए लोग सड़कों पर निकले। रविवार की छुट्टी के दिन परकोटे की सड़कों पर जगह-जगह भारी ट्रेफिक जाम लग गया। यूं तो सड़कों पर वाहनों की कतार व रैला हर किसी को परेशान करने और चुभने वाला होता है, लेकिन जब बड़ी चौपड़ का ट्रेफिक जाम का नजारा हवामहल की खिड़की से लिया गया तो ऐसा लगा जैसे किसी ने इसे हैरिटेज फोटो में कैद किया हो। फोटो-राष्ट्रदूत

नए वर्ष का शुभारंभ नए संकल्प के साथ हो : सुनील सागर

जयपुर, (का.सं.)। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघी सांगानेर में नववर्ष-2023 के शुभारंभ पर परम पूज्य आचार्य 108 सुनील सागरजी महाराज ने रविवार को हुई धर्म सभा में उपस्थित जन समूह को नए साल का मंगलमय आशीर्वाद देते हुये अपने मांगलिक प्रवचनों में कहा कि नए वर्ष को नए उत्साह, नए संकल्पों के साथ शुरू कीजिये। हमें नई आस्था, नई उपलब्धियों के साथ हमें उगते हुये सूरज को निहारते हुये नववर्ष में प्रवेष करना चाहिए, जो उगते हुए सूरज को देखता है वही उचांइयों को छूता है। हमें अपने जीवन को सदसंकल्पों से जोड़कर धर्म की धारा में बह जाना है और धर्म आपको डूबने नहीं देगा बल्कि आपके जीवन को पार लगा देगा। हमें आज के दिन स्वचिन्तन भी करना चाहिए कि बीते सालों में हमने अपनी आत्मा का कितना विकास किया। आदमी पैसा कमाना तो चाहता है लेकिन मेहनत नही करना चाहता, जीवन में सुख शान्ति तो चाहता है लेकिन साधनों को बढावा दे रहा है, ज्ञान तो चाहता है लेकिन गुरू की संगत और शास्त्राभ्यास नही चाहता तो बताओं इनसे तो सुख शान्ति कैसे मिल सकती है। हमें कि धन-धर्म-ज्ञान चाहिये तो सच्ची मेहनत, गुरू का आशीर्वाद और स्वाध्याय पर जोर देना होगा। तभी हमारी आत्मा का कल्याण संभव हैं। मानद मंत्री सुरश कासलीवाल ने बताया कि आज देवाधिदेव आदिनाथ भगवान के प्रथम अभिषेक का सौभाग्य समाजश्रेष्ठी सतीष-नीलिमा,नमन,लवी गोधा समाचार जगत परिवार को प्राप्त हुआ। धर्मसभा में आदिनाथ भगवान के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, आचार्य संघ को शास्त्र भेंट,पादप्रक्षालन का समाजश्रेष्ठी राजीव-सीमा जैन गाजियाबाद वाले परिवार को प्राप्त हुआ। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जयपुर अध्यक्ष संजय जैन भी मौजूद रहे।

खोया पाया

लक्ष्मण डूंगरी कच्ची गृह-निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड की योजना गणेश नगर-जी प्लॉट नं.10, गणेश नगर-जी नांगल जैसा बोहरा जयपुर के मूलपट्टा, रशीद एवं साइट प्लान गुम हो गए। सूचित- कपिल देव, 9636182211

NAME CHANGE

I Manish Belani S/o Dayal Das Belani residing at 1782, Biscuit Factory Compound Outside Jorawar Singh Gate, Amer Road, Jaipur 302002 (Raj.). Do hereby solemnly affirm and state that I have changed my name from Manish Kumar to Manish Belani In future I will be known and called by my changed name.

तापड़िया® AN ISO-9001 CO.

लीजिए "तापड़िया" के औजार और अनुभव कीजिए हाथों में शक्ति

प्रत्येक व्यक्ति को हैण्ड टूल्स की आवश्यकता होती हैं।

TAPARIA

"तापड़िया" औजार चलें जीवन भर

औजार मानव के हाथ का विस्तार हैं।

नई दिल्ली फ़ोन : 011 - 4358 3341 | ई-मेल : kymsapagencies@gmail.com

CIN : L99999MH1965PLC013392 | देखो www.tapariatools.com पर

TJM/TTL/23/HIN

नववर्ष पर गुलाबी नगरी में निकलेगी भगवान श्री कृष्ण बलराम की शोभा यात्रा

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान के खुबसूरत शहर जयपुर में नववर्ष पर श्रीकृष्ण बलराम की भव्य शोभा यात्रा निकली जाएगी। मंदिर प्रबन्धन द्वारा एक भव्य एवं सुन्दर झांकी सजाई जाएगी, जिसे भक्तो द्वारा रस्सी से खींच कर आगे बढ़ाया जायेगा। झांकी श्री कृष्ण बलराम एवं गौर निताई विराजमान रहेंगे, एवं हरे कृष्ण मूवमेंट के संस्थापकाचार्य श्रील प्रभुपाद का विग्रह भी विराजमान रहेंगे।

हरे कृष्ण मूवमेंट राजस्थान के अध्यक्ष अमितासन दास ने बताया कि यह कार्यक्रम 2 जनवरी सोमवार को शाम 4 बजे से जयपुर के चौड़ा रास्ता पर स्थित राधा दामोदर मंदिर से प्रारम्भ होगा। इस आयोजन को लेकर समाजजनों और भक्तों द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अध्यक्ष अमितासन दास ने सभी भक्तों से अनुरोध किया कि वे इस यात्रा में भगवान को पत्र एवं पुष्प अर्पित करते हुए एवं हरिनाम संकीर्तन में शामिल हो करके भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

शोभा यात्रा का शुभारम्भ 2 जनवरी, शाम 4 बजे हरिनाम संकीर्तन के साथ जयपुर के चौड़ा रास्ता पर स्थित राधा दामोदर मंदिर से होगा। यात्रा बापू बाजार, जौहरी बाजार से होते हुए त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़ होते हुए रूप चतुर्भुज मंदिर पर समाप्त होगी। यहां पर महाआरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा।

शोभा यात्रा का शुभारंभ झांकी के आगे नारियल फोड़कर एवं धार्मिक अनुष्ठान के साथ भगवान की पूजा से होगा। रस्सियों से झांकी को खींचकर शोभा यात्रा शुरू की जाएगी। शोभा यात्रा में अनेको कीर्तन समूह करतल एवं मृदंगा के साथ भगवान के हरीनाम संकीर्तन का करेंगे। इस यात्रा के मार्ग में कई स्थानों पर अनेकों संस्था एवं संगठनों द्वारा झांकी का स्वागत एवं भक्तों के लिए प्रसाद एवं जलपान की व्यवस्था की जाएगी।

भगवान की झांकी के आगे राजस्थानी ऊंट ,घोड़े आगे चलेंगे तथा शहर का प्रसिद्ध बैंड भी शामिल होंगे एवं मंदिर प्रबन्धन द्वारा बनाये गये झांकी को भव्य रूप से फूलों से सजाया जाएगा। झांकी के आगे सुंदर रंगोली बनायीं जाएगी। शोभा यात्रा के दोरान प्रसाद का वितरण पूरी यात्रा में होगा।

वीरता एवं शौर्य की धरती मेवाड़ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां और केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने मिशन-2023 को लेकर हल्दीघाटी रक्ततलाई, वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप को नमन कर जन आक्रोश सभा का शंखनाद किया। स्थानीय लोगों ने प्रतीक स्वरूप उन्हें भाला भेंट किया। इस मौके पर राजसमंद सांसद दीयाकुमारी मौजूद थीं।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भारतीय handicrafts हस्तशिल्प continuing tradition

JYOTI SHIKSHAN SANSTHAN

NAGAUR (RAJASTHAN)

Organised

New Year

हस्तशिल्प मेला

GANDHI SHILP BAZAR

DATE : 30 DEC. TO 8 JAN. 2023

TIME : 12:00 PM TO 10:00 PM

Venue : Urban Haat, Opp. Jal Mahal, Jaipur

Cultural Activities

Entry FREE

Food Junction

Many Handicrafts Item

Sunday Open

Supported by :

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

Ministry of Textiles, Govt of India, New Delhi

सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर प्लांट की दो और इकाइयां शुरू

बिजली कटौती की मार झेल रहे प्रदेश को कुछ राहत मिलने की उम्मीद जगी

सूरतगढ़, (निसं)। बिजली कटौती की मार झेल रहे प्रदेश को कुछ राहत मिलने की उम्मीद जगी है। इसका कारण है सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर प्लांट की एक क्रिटिकल और एक सबक्रिटिकल इकाई के फिर से शुरू हो जाना माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार थर्मल पावर प्लांट की बंद पड़ी दो और इकाइयों ने विद्युत उत्पादन शुरू कर दिया है।

परियोजना अधिकारियों के मुताबिक सब क्रिटिकल पावर प्लांट की बंद पड़ी 250 मेगावाट की पहली और क्रिटिकल पावर प्लांट की 660 मेगावाट की सातवीं इकाई को फिर से शुरू कर दिया गया है। करीब 6 माह से बंद पहली इकाई के जनरेटर में अर्थ फाल्ट के चलते इसमें समस्या चल रही थी। वहीं तकनीकी खामी के चलते 1 सप्ताह से सुपर क्रिटिकल पावर प्लांट की सातवीं इकाई भी बंद थी। इन दोनों इकाइयों के शुरू हो जाने से सूरतगढ़ थर्मल से करीब 810 मेगावाट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन मिल सकेगा।

सूत्रों के मुताबिक विगत दिनों जयपुर से पहुंचे उत्पादन निगम के सीएमडी आरके शर्मा ने थर्मल पावर प्लांट का निरीक्षण कर बंद पड़ी इकाइयों के बारे में अधिकारियों से जानकारी लेते हुए इन्हें 31 दिसंबर से पूर्व शुरू करवाने का टास्क दिया था। जिसके बाद सब क्रिटिकल और क्रिटिकल पावर प्लांट के मुख्य अभियंताओं ने इस पर लगातार काम करते हुए इन इकाइयों को सिंक्रोनाइज कर इन्हें आज लाइट अप करवा दिया। जानकारी के

- **810 मेगावाट अतिरिक्त बिजली का हो सकेगा उत्पादन**

अनुसार वर्तमान में रबी सीजन के चलते प्रदेश में जिला मुख्यालय और नगरपालिका क्षेत्रों में बिजली कटौती की जा रही है। जिससे प्रदेश की जनता को राहत मिलने की उम्मीद है।

थर्मल के मुख्य अभियंता एसपी बंसल ने बताया कि इन दो इकाइयों के शुरू होने से पहले थर्मल में 660 एमडब्ल्यु की एक सुपरक्रिटिकल और 250 मेगावाट की तीन सबक्रिटिकल इकाइयों से कुल 1410 मेगावाट विद्‌युत का उत्पादन लिया जा रहा था। परंतु अब एक सुपरक्रिटिकल से 660 मेगावाट तथा सब क्रिटिकल की 250 मेगावाट की इकाई से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन की सब-क्रिटिकल और सुपर क्रिटिकल इकाइयों को मिलाकर फुल लोड पर चलाया जाए तो कुल 2820 मेगावाट विधुत उत्पादन की क्षमता है। जबकि वर्तमान में दो सुपर क्रिटिकल और चार सब-क्रिटिकल इकाइयों से उत्पादन लिया जा रहा है। शेष रही दो इकाइयां भी जल्द शुरू किए जाने के अधिकारियों ने संकेत दिए। वहीं सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में हो रहे उत्पादन से शहरी क्षेत्रों में तकरीबन बिजली की कटौती ना के बराबर है। आने वाले एक पखवाड़े में राजस्थान की कोल आधारित अन्य इकाइयां भी शुरू होने से बिजली संकट से पूरी तरह छुटकारा मिलने की उम्मीद हैं।

इस संबंध में उत्पादन निगम के सीएमडी आर के शर्मा का कहना है कि उन्होंने विगत दिनों थर्मल का दौरा कर अधिकारियों को 31 दिसंबर तक इकाइयां शुरू करने का टास्क दिया था। जिस पर टेक्निकल टीम ने काम शुरू कर दो इकाइयों को चला दिया जबकि शेष बची दो अन्य इकाइयां भी जल्द ही चलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सीएमडी के मुताबिक राजस्थान में कोल आधारित 90 प्रतिशत इकाइयां विद्युत का उत्पादन कर रही है।

खाटूश्यामजी में सुगम दर्शन व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने अतिक्रमण हटाये

संपूर्ण कानपुर धर्मशाला को तोड़ने की हुई कार्रवाई

खाटूश्यामजी में प्रशासन ने जेसीबी की सहायत से अतिक्रमण हटाये।

खाटूश्यामजी, (निसं)। कस्बे में बाबा श्याम के सुगम दर्शन व्यवस्था को लेकर प्रशासन का आज फिर एक बार पीला पंजा चला। मंदिर प्रवेश द्वार के साथ-साथ मंदिर निकासी के लिए कस्बे में स्थित सौ वर्षों से भी अधिक पुरानी धर्मशाला पर पीला पंजा चला तहस-नहस किया गया। अब निकासी व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए प्रशासन की निगरानी में जेसीबी चलाकर संपूर्ण धर्मशाला को घंटों में तहस नहस कर दिया।

गौरतलब है कि सुगम दर्शन व्यवस्था को लेकर 13 नवंबर की रात्रि से ही बाबा श्याम के पट बंद है। प्रशासन श्री श्याम मंदिर कमेटी व नगर पालिका दर्शन व्यवस्था में सुधार करते हुए पहले श्याम सखा धर्मशाला, मांगेराम धर्मशाला से होते हुए रास्ते को 40 फुट चिन्हित कर अतिक्रमण को हटाया। अब निकासी व्यवस्था में सुधार करते हुए कानपुर धर्मशाला को तोड़ा गया।जिसमें से अब 40 फुट का रास्ता बनाया जाएगा।

कार्रवाई के दौरान उपखंड

- **धर्मशाला में स्थित 11 दुकानदारों की रोजी-रोटी छीनी**
- **धर्मशाला के बाहर के दुकानदारों को नहीं दिया समय**

अधिकारी प्रतिभा वर्मा, तहसीलदार विपुल चौधरी, रींगस डीवाईएसपी विजय सिंह, थानाधिकारी सुभाष चंद्र यादव, अधिशासी अधिकारी विशाल यादव के नेतृत्व में रींगस थानाधिकारी हिम्मत सिंह, श्रीमाधोपुर थानाधिकारी प्रकाश सिंह सहित पुलिस थाने का जाब्ता भी तैनात किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार कस्बे की सबसे प्राचीन धर्मशाला कानपुर का 1917 में निर्माण कार्य शुरू हुआ था और 1921 में धर्मशाला बनकर तैयार हुई थी प्रशासन द्वारा रविवार को सुबह 10:30 बजे धर्मशाला तोड़ने की कार्रवाई शुरू की और 2:30 बजे तक मात्र 4 घंटे में ही पूरी कर धर्मशाला को तहस नहस कर दिया।

कानपुर धर्मशाला के बाहर करीब आधा दर्जन से भी ज्यादा दुकानें बनी हुई थी उन्हें मात्र एक घंटे का समय दिया गया कि अपनी-अपनी दुकानें खाली कर ले लेकिन मात्र एक घंटे में जो सामान निकला उसे बाहर निकाल लिया गया लेकिन ज्यादातर सामान दुकानों के अंदर ही रह गया दुकान के शटर सहित अन्य सामान का नुकसान हो गया।

प्रशासन की इस कार्रवाई में कानपुर धर्मशाला में स्थित 11 दुकानदारों की दुकान को तोड दिया गया। प्रशासन ने अलसुबह आकर दुकान खाली करने का निर्देश दिया। दुकानदार सोचते विचारते इतने में तो प्रशासन ने तोडने की कार्रवाई कर दी। प्रशासन द्वारा एक तरफ जेसीबी चलती रही तो दूसरी तरफ दुकानदार दुकान खाली करते नजर आए लेकिन फिर भी बहुत सा सामान दुकान के अंदर ही रह गया।

पंजाब के बजाय अब राजस्थान के रास्ते नशा व हथियार भेज रहा है पाकिस्तान

बीकानेर, (कासं)। पाकिस्तान से हेरोइन और हथियार अब ड्रोन के माध्यम से राजस्थान से सटी सीमा पर फैंके जा रहे हैं, जहां से भारत के कई शहरों तक पहुंचाया जा रहा है। इस तरह के इनपुट मिलने के बाद बीएसएफ ने न सिर्फ सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है, गांवों से गुजर रहे हर वाहन की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में पुलिस भी सहयोग कर रही है लेकिन हथियारबंद बीएसएफ के जवान ही मुस्तैदी से इस काम को अंजाम दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार अब तक पाकिस्तान पंजाब की सीमा से हथियार और नशे की सामग्री भारत में भेजता था लेकिन अब ये काम राजस्थान की सीमा पर शिफ्ट हो गया है। पंजाब में सीमा पर फ्लड लाइट्स लगने और सख्ती बढ़ने के कारण पाकिस्तानी तस्करों ने राजस्थान के रेतीले धोरों को ज्यादा सहज मानते हुए यहां से डिलीवरी शुरू की है। पिछले एक साल में करोड़ों रुपए की हेरोइन बरामद कर चुके बीएसएफ को फिर से इस तरह के इनपुट मिले हैं। इसके बाद से बीएसएफ ने सीमा पर गश्त बढ़ा दी है। कोहरे के कारण भी तस्करी की

- **इनपुट मिलने के बाद बीएसएफ ने सीमा पर चौकसी बढ़ाई**

आशंका अधिक है। ऐसे में बीएसएफ ने नाइट विजन इंस्ट्रूमेंट्स के साथ गश्त बढ़ा दी है। पाकिस्तान में बैठे तस्कर भारतीय सीमा में हथियार और नशे की सामग्री अब ड्रोन के माध्यम से भेज रहे हैं। भारत में बैठे दलालों को पहले से बता दिया जाता है कि कहां पर ये सामग्री फैंकी जाएगी। रात के अंधेरे में वहीं से ड्रोन पाक सीमा से उड़ते हुए भारतीय सीमा में पहुंच जाता है। यहां सामान फैंकने के बाद ड्रोन वापस पाकिस्तानी सीमा में पहुंच जाता है। कुछ ही मिनट में भारतीय दलाल यहां पहुंचकर सामान उठा लेता है।

पाकिस्तान से आने वाला नशे का अधिकांश सामान राजस्थान से पंजाब जाता है। भारतीय दलाल ये सामान उठाने के बाद स्थानीय नंबर की गाड़ी से दूर ले जाता है। जहां से पंजाब के दलाल को पकड़ा दिया जाता है। पाकिस्तान से राजस्थान की सीमा में अधिकांश नशा सामग्री पंजाब के लिए ही आती है। कुछ हिस्सा देश के अन्य राज्यों में भी जाता है। बीकानेर में बीएसएफ खाजूवाला, सतराणा व सांचू क्षेत्र में विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है और क्षेत्र से गुजरने वाले वाहनों की भी तलाशी ली जा रही है। खेतों और अन्य जगहों पर भी सीमा सुरक्षा बल के जवान सर्च कर रहे हैं।

बीएसएफ की 114वीं यूनिट के कमाडेंट महेंद्र सिंह के अनुसार इस अभियान में स्थानीय नागरिकों को भी शामिल किया गया है ताकि आमजन भी संदिग्ध व अवांछित गतिविधियों होने पर तुरंत सूचना दे सके। बीएसएफ ने पहली बार स्ट्रीट डॉग्स को भी ट्रेनिंग दी है। ये डॉग्स किसी भी संदिग्ध चीज सामने आने पर बीएसएफ के जवानों को इशारा करते हैं। फिलहाल इन डॉग्स को भी खास ट्रेनिंग दी जा रही है। बीकानेर व श्रीगंगानगर में स्ट्रीट डॉग्स को ट्रेनिंग दी जा रही है। सीमा सुरक्षा बल के डीआईजी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि सीमा पर सीसुब के तैनात जवान मुस्तैद रहते हैं। इसलिए पाक के नापाक इरादों को हमारे सीमा प्रहरी कामयाब नहीं होने दे रहे है। लेकिन सीमा सुरक्षा बल का प्रयास है कि आमजन जागरूक हो और इसी के तहत सीमा सुरक्षा बल ने यह अभियान शुरू किया।

दो कारों में भिड़ंत, दो की मौत

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं शहर के एनएच 52 पर हाड़ौता बाइपास कट पर रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। भीषण सड़क हादसे में 2 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई वहीं आधा दर्जन लोग घायल हो गये। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

- **चौमूं के हाडौता बाइपास कट पर हुआ हादसा**

दुर्घटना की सूचना पर चौमूं थाना पुलिस पहुंची और मृतकों के शवों को चौमूं सीएससी की मोर्चरी में रखवाया। वहीं हादसे के कारण हाइवे पर जाम लग गया। जाम को चौमूं थाना पुलिस ने खुलवाया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक राधेश्याम, विजय कुमावत, निवासी निर्मल विहार दादी का फाटक थाना करधनी जयपुर के रहने वाले थे। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अवाना ने नववर्ष की बधाई दी

हलैना, (निस)। देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष एव नदवई विधायक जोगिंदर सिंह अवाना का भरतपुर से नदबई जाते समय जयपुर नेशनल हाईवे के गांव पर कांग्रेस कार्यकर्ता एवं उनके समर्थकों ने भव्य स्वागत किया।

देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष जोगिंदर अवाना का डीपीएम समूह के चेयरमैन संतोष चौधरी ने अभिनंदन कर 51 मीटर लंबा साफा, पुष्प माला पहना कर अभिनंदन किया और स्मृति चिन्ह भेंट किए साथ ही डीपीएम समूह के चेयरमैन संतोष चौधरी ने उन्हे जन्म दिवस की बधाइयां दी और नव वर्ष की आमजन को बधाइयां दी। अवाना ने स्वयं के जन्मदिवस के साथ-साथ नव वर्ष की आमजन को बधाइयां दी। इस अवसर पर देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र का विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता निर्वाचन क्षेत्र विकास करना तथा जातिवाद से हट कर 36 कौम व सभी धर्मों की बात को प्राथमिकता देना है। जो में कहता हूं वह करके ही हटता हूं। इस अवसर पर देवनारायण के सदस्य राजेश, वरिष्ठ पत्रकार देवाशीस, ईशब, करदम, चंचल, दीवली के पूर्व सरपंच फत्ते सिंह आदि ने अवाना का अभिनंदन किया।

जोहड़ पायतान की भूमि पर कब्जा करने का प्रयास

सादुलपुर, (निसं)। नगरपालिका क्षेत्र राजगढ़ के वार्ड 16 में स्थित पिलानी रोड पर स्थित आदर्श विद्या मंदिर के राजगढ़ के पीछे जोहड पायतान की भूमि पर कब्जा करने के प्रयास का मामला सामने आया है।

वहीं इस भूमि पर कब्जा करने प्रयास पर रोक लगाने की मांग को लेकर वार्ड पार्षदों के नेतृत्व में मौहल्लेवासियों ने नगरपालिका अध्यक्ष राजगढ एवं अधिशाषी अधिकारी को शिकायत कर कार्यवाही करने की मांग की है। मौहल्लेवासियों का कहना है कि पूर्व में भी उक्त भूमि पर सन 2022 में भी कब्जा करने का प्रयास किया गया था, लेकिन मौहल्लेवासियों की सूचना पर नगरपालिका राजगढ़ (चूरू) के सैनेटरी इन्सपेक्टर सुनील कुमार व क्षेत्रिय जमादार प्यारेलाल के नेतृत्व में नगरपालिका राजगढ़ की टीम के द्वारा उक्त भूमि पर किये गये अवैध कब्जे को पूर्व में तोड़ दिया गया था तथा वहां पर यह भूमि राजस्थान सरकार की भूमि है, का बोर्ड लगा दिया गया था।

वार्ड पार्षद 15 रोशनी, वार्ड पार्षद 16 सविता, वार्ड पार्षद 17 अफरोज बानो सहित राजेन्द्र

- **पूर्व में तोड़ी गई दीवार का फिर से निर्माण करने व लगाये गये बोर्ड को उखाड़ने का आरोप**

बिजारणिया, शंकर सिंह, हिमांशु, विनोद कुमार, नवरत्न, सुरजाराम, सीताराम कैलाश व मुकेश के अलावा दजर्नो मौहल्लेवासियों एक हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन पालिका अध्यक्ष एवं ईओ के नाम सौंपा है। तथा ज्ञापन में बताया गया है कि पूर्व में तोड़े गये अवैध कब्जों के बावजूद अब लगभग 9 माह बाद पुनः इस जोहड़ पायतान की भूमि पर असामाजिक तत्वों के द्वारा अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।

आरोप है कि वर्तमान में उक्त जोहड पायतान की भूमि पर अवैध कब्जाधारियों के द्वारा पुनः दीवार बना ली गई है तथा नगरपालिका द्वारा पूर्व में लगाया गया बोर्ड भी उखाड कर वहाँ से उठा लिया गया है।

चौमूं/कालाडेरा। चौमूं उपखण्ड के ग्राम सामोद पर्वत की पहाड़ियों में 2 किलोमीटर परिक्षेत्र में आग लग गई। पहाड़ियों में लगी आग को बुझाने में अग्निशमन, वन विभाग के कर्मचारियों के साथ-साथ ग्रामीणों ने सहयोग दिया। चौमूं अग्निशमन अधिकारी अर्जुन गुर्जर ने बताया कि सामोद पर्वत पर स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर से होते हुए सामोद पहाड़ियों पर लगभग 2 किलोमीटर परिक्षेत्र में आग लगी है। आग लगने से पेड़ पौधों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं देर रात तक आग बुझाने के प्रयास जारी है।

रंजिश में हुई मारपीट में एक की मौत, एक घायल

गंगापुर सिटी, (निसं)। समीपवर्ती मोतीपुरा गांव में रविवार को शाम 4 बजे करीब लेनदेन के मामले को लेकर दो पक्षों में चल रही रंजिश में जमकर लाठियां चली जिसमें एक की मौत व एक घायल हो गया।

सालोदा निवासी राधे गुर्जर व मोतीपुरा निवासी ब्रहमसिंह उर्फ लुक्का नशे के कारोबार में लिप्त बताए जाते हैं और दोनों ही पक्ष एक दूसरे की तरफ पैसा बाकी निकाल रहे है। इसी लेनदेन को लेकर दोनों में रंजिश हो गई। राधे गुर्जर अपने साथियों के साथ आज मोतीपुरा पहुंचा। ग्रामीणों ने बताया कि वहां उसने हवाई फायर किए जिससे गांव में दहशत का माहौल हो गया। वहीं ब्रहम सिंह उर्फ लुक्का ने अपने साथियों के साथ उन पर लाठी डण्डों से हमला कर दिया। इस लाठी भाटा जंग में अन्य लोग तो भाग गए परन्तु राधे व उसका एक साथी वहां फंस गए, जिसमें दोनो गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने दोनों घायलों को राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया । जहां पर चिकित्सकों ने राधे गुर्जर को मृत घोषित कर दिया, वहीं एक घायल का उपचार जारी है।

पुलिस ने अभी किसी भी पक्ष की ओर से मामला दर्ज नहीं किया है। ग्रामीणो ने आरोप लगाया कि दोनों पक्ष नशीले पदार्थों की सप्लाई करते थे। इसी के लेनदेन को लेकर दोनो में रंजिश हो गई। पुलिस ने घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए। वहीं पुलिस ने ग्रामीणो से भी मामले की जानकारी ली है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस घटना स्थल पर ही मोजूद थी और सम्पूर्ण मामले की तह में जाने लिए बारिकी से छानबीन कर रही है।

पेट्रोल पंप पर डकैती डालने की योजना बनाते पांच गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान पेट्रोल पंप पर डकैती डालने की योजना बनाने के मामले में पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुसलिस अधीक्षक मुकेश सांखला, पुलिस उप अधीक्षक सुधा पालावत के सुपरविजन में चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान सलूम्बर से देवगांव रोड़ पर कलुथडा जाने वाले रास्ते पर खेत में बने खंडहर मकान में हथियार लेकर बैठे शातिर बदमाशों द्वारा पास स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर डकैती डालने की योजना बनाने की सूचना मिली।

इस पर सलूम्बर थानाधिकारी लीलाधर मालवीय के नेतृत्व में गठित दल ने शनिवार रात में मुखबीर की सूचना के आधार पर मौके पर पहुंच कर घेरा डाल कर मालपुर सलूम्बर निवासी प्रकाश पुत्र धनराज उर्फ धनिया, राठोडों का गुडा गींगला निवासी नानालाल उर्फ भैरा पुत्र नाथू, जैलावत फला गांवडापाल सलूम्बर निवासी रतिया उर्फ रतनलाल पुत्र भगवाना, सरवणी सलूम्बर निवासी लक्ष्मण उर्फ लसिया पुत्र मोता, जैलावत फला गावडापाल निवासी भेरूलाल उर्फ भेरा पुत्र खेमराज उर्फ खेमा को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से तलवार,लठ्ठ, सरिये, लाल मिर्च पाउडर जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। प्रारंभिक पूछताछ में

- **खंडहर मकान में हथियार लेकर बैठे बदमाशों द्वारा डकैती डालने की योजना बनाने की सूचना मिली थी**
- **तलवार,लठ्ठ, सरिये, लाल मिर्च पाउडर जब्त कर प्रकरण दर्ज किया**

आरोपियों ने खोडाव, जयसमन्द, गातौड, डाल गावों में पिछले दो महिनों में मवेशी चुराने की एक दर्जन से अधिक वारदातें करना स्वीकार किया।

आरोपियों ने 3 दिसंबर 2022 को खोडाव गांव में वृद्ध दंपत्ति के यहां से 7 भैंसे व बछडे चुरा ले जाने की वारदात स्वीकार की। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। आरोपी रतिया उर्फ रतनलाल के खिलाफ वर्ष 2022 में मंदिरों व घरों में नकबजनी करने के पांच मामले दर्ज हुए। आरोपी सलूम्बर जेल में बंदी बदमाश हुरजा मीणा गैंग का सक्रिय सदस्य है।नानालाल उर्फ भेरा के खिलाफ वर्ष 2017 से 2021 तक लूट व नकबजनी के दो प्रकरण तथा एक प्रकरण मवेशी चोरी का दर्ज है।भैरूलाल उर्फ भेरा व लक्ष्मण उर्फ लसिया के खिलाफ पूर्व में अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

चालक को बंधक बनाकर गाड़ी सहित नगदी लूटी

नदबई, (निसं)। हथियारबंद बदमाश टैक्सी चालक को बंधक बनाकर गाडी सहित नगदी व मोबाइल लूट की घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। चालक की सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस को सफलता नही मिल सकी। पुलिस सूत्रों की मानें तो दौसा महुआ सलेमपुर थाना क्षेत्र निवासी पीड़ित चालक लक्ष्मन सैनी पुत्र राधाकिशन सैनी जयपुर में निजी टैक्सी चलाता।

देर रात जयपुर एयरपोर्ट पर तीन अज्ञात बदमाशों ने अलवर मालाखेड़ा के समीप एक गांव में जाने के लिए टैक्सी बुक की। टैक्सी चालक तीनों बदमाशों को लेकर एयरपोर्ट से रवाना हो गया। मालाखेड़ा के समीप दो अन्य बदमाश भी गाडी में बैठ गए। इसी दौरान रास्ते में बदमाशों ने हथियार दिखाते हुए चालक को बंधक बनाकर गाडी में पटक लिया। हथियारबंद बदमाश गाडी व चालक को अलवर, लक्ष्मनगढ्र, कठूमर व खेडली होते हुए नदबई क्षेत्र के गांव सैडोली पहुंच गए। बाद में चालक को पटककर गाडी सहित गाडी में रखे दो मोबाइल व नगदी लूटकर फरार हो गए।

पीडित चालक ने पुलिस कंट्रोलरूम को सूचना दी। पुलिस ने नाकाबंदी कर बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास किया। लेकिन, सफलता नही मिल सकी। बाद में पीडित ने पुलिस में मामला दर्ज कराया।

गहलोत सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार एवं अपराध का ग्राफ बढ़ा : शेखावत

सायला उपखंड मुख्यालय पर कांग्रेस सरकार के विरोध में जनआक्रोश महासभा का आयोजन

सायला, (निसं)। सायला उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित खेल मैदान में रविवार को राज्य की कांग्रेस सरकार के विरोध में भाजपा द्वारा जालोर विधानसभा क्षेत्र की जनआक्रोश महासभा का केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्य वक्ता गजेन्द्रसिंह शेखावत के मुख्य आतिथ्य में आयोजन हुआ। कार्यक्रम का सर्वप्रथम अतिथियों के हाथों भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामाप्रसाद मुखर्जी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया गया। इसके बाद भाजपा पदाधिकारियों द्वारा केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत का 21 किलोग्राम की माला पहनाकर, पीर शांतिनाथ महाराज की तस्वीर एवं तलवार भेंटकर स्वागत किया गया।

इस मौके केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की इस सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार एवं अपराध का ग्राफ बढा हैं। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री गहलोत पर जनता के साथ वादाखिलाफी करने के आरोप लगाए और कहा कि सत्ता में आने से पहले कांग्रेस ने बेरोजगारों को नौकरी और भत्ता देने की बात कही। इसी प्रकार

जनआक्रोश महासभा के दौरान केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत का स्वागत किया।

किसानों को 10 दिन में ऋण माफी का छलावा दिया। कांग्रेस ने राजस्थान की जनता को धोखा देकर सत्ता प्राप्त की। प्रदेश की जनता में राज्य सरकार के खिलाफ जो आक्रोश है भाजपा ने उस आक्रोश को आवाज देकर एक ज्वालामुखी में परिवर्तित करके कांग्रेस के कुशासन को धमाके के साथ उखाडने के लिए यह जनआक्रोश यात्राएं प्रारंभ की। भाजपा ने प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों में लगातार 10 दिनों तक 1 लाख किलोमीटर जन आक्रोश रैली निकालकर 1 करोड से ज्यादा लोगों से संपर्क किया और उनके आक्रोश को समझने की कोशिश की।

साथ ही राजस्थान में भाजपा की सरकार के प्रचंड बहुमत से बनने का दावा किया। जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि मैंने विपक्ष का विधायक होने के बावजूद क्षेत्र में जहां बडे पॉवर ट्रांसफॉर्मर की आवश्यकता थी उन जीएसएस पर पॉवर ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध करवाए। वही कांग्रेस सरकार ने दीनदयाल उपाध्याय विधुत कनेक्शन योजना को रोक दिया जिससे क्षेत्र के 2500 किसान विधुत कनेक्शन से वंचित रह गए। जिसे केन्द्र सरकार से पुनः शुरू करवाने की मांग की। साथ ही बताया कि कांग्रेस राज में रात्रि में विधुत आपूर्ति से काश्तकारों को परेशानी हो रही है। वहीं वोल्टेज कम मिल रहे है और जले हुए ट्रांसफॉर्मर भी समय पर नही मिल रहे है। जनआक्रोश सभा को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। इस दौरान एबीवीपी ने पेपर लीक प्रकरण की जांच की मांग और किसानों ने जवाई बांध का पानी छोडने, माही परियोजना का लाभ जिले के किसानों को दिलवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

पेपर माफियाओं के साथ मिलीभगत का आरोप:- केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने राज्य सरकार पर पेपर माफियाओं के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की सह पर ही प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे है। भाजपा के सत्ता में आने पर युवाओं के साथ जो धोखा हुआ है उसकी सीबीआई जांच करवाएंगे और जिसने पीछे के दरवाजे से नौकरी हासिल की है उनको दरवाजे के पीछे भेजेंगे। साथ ही बताया कि राज्य में अपराधी बेलगाम है और इस माफिया राज से मुक्ति के लिए अपने वोट की चोट से इस सरकार को विदा करने के लिए जनता तैयार है। साथ ही पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रषंसा की।

नववर्ष पर जयपुर पुलिस ने काटे 4 हजार 447 चालान

शराब पीकर गाड़ी चलाते सिर्फ 17 लोग पकड़े गए

जयपुर (कासं)। नववर्ष-2023 के स्वागत का जश्न राजधानी जयपुर में लोगों ने उत्साह से साथ मनाया। रात 12 बजे पार्टी से लौट रहे लोग हैप्पी न्यू ईयर चिल्लाते हुए नजर आए। कई लोगों ने दूध पीकर नया साल मनाया तो कई लोगों ने घर पर पकौड़ी व गाजर का हलवा खाकर आनन्द लिया। जयपुर पुलिस ने नए साल पर शराब पीकर गाड़ी दौड़ाने वालों पर सख्ती बरती। एक ही दिन में 4447 लोगों के चालान काटे गए। नए साल पर हुड़दंग-उत्पात मचाने वाले लोगों पर नजर रखने के लिए भी इस बार पुलिस का अलग जाप्ता तैनात रहा। ट्रैफिक और थाना पुलिस ने शहर में जगह-जगह चैकिंग प्वाइंट बनाए थे।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) कैलाश विश्नोई ने बताया कि नए साल के जश्न में शराब पीकर आने वालों पर खास नजर रखी। यही कारण रहा कि पुलिस ने सुबह से

नववर्ष की पूर्व संध्या पर यातायात पुलिसकर्मियों ने देर रात तक शहर में गुजरने वाले वाहनों की चैकिंग की।

लेकर रात तक एक ही दिन में 4 हजार 447 कार्रवाई की। इसमें 17 शराबी वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए उनके चालान काटे। नाकाबंदी पॉइंट पर दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों पर पुलिस की सख्ती दिखी। नाकाबंदी में खड़े पुलिसकर्मी चौपहिया वाहनों को रोककर तलाशी लेते हुए दिखाई दिए। नए साल के जश्न में कोई खलल न हो, इसके लिए लिए पुलिस अधिकारी भी गश्त व्यवस्था संभालते हुए नजर आए। पुलिस कमिश्नरेट की ओर से शहर में कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात किया गया था। जाप्ते में

- **हुड़दंग और उत्पात मचाने वाले लोगों पर नजर रखने के लिए रातभर सर्दी में मुस्तैदी से ड्यूटी करते नजर आए पुलिसकर्मी**

सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस निरीक्षक, उप निरीक्षक एवं सहायक उप निरीक्षक, हैड कांस्टेबल, कांस्टेबल महिला कांस्टेबल, होमगार्ड और आरएसी कंपनी को तैनात किया गया था।

पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने सख्त हिदायत दी थी कि अगर कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थल पर खुले में शराब पीता हुआ दिखाई दे तो उसे तत्काल गिरफ्तार किया जाए। हांडकंपाती हुई सर्दी में भी पुलिसकर्मी ड्यूटी पर मुस्तैदी से खड़े दिखाई दिए।

डिवाइडर से बाइक टकराने पर युवक की दर्दनाक मौत

जयपुर (कासं)। सोडाला थाना इलाके में शनिवार देर रात एलिवेटेड रोड पर डिवाइडर से बाइक टकराने से युवक की मौत हो गई।

पुलिस ने शव को एसएमएस अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है जहां रविवार सुबह उसका पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के हवाले कर दिया गया है। इस मामले की जांच पड़ताल सड़क दुर्घटना थाना पुलिस दक्षिण कर रही है।

पुलिस ने बताया कि मृतक राहुल सैनी खजाने वालो का रास्ता जयपुर का रहने वाला था और वह एक कार कंपनी के शोरूम में काम करता था। जो शनिवार देर रात 11 बजे अजमेर रोड से एलिवेटेड रोड पर होकर जा रहा था।

इस दौरान सोडाला के पास घुमाव के दौरान उसकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में राहुल की मौत हो गई। हालांकि अभी तक यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि बाइक डिवाइडर से टकराई या किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। दुर्घटना थाना साउथ पुलिस दोनों पहलुओं पर जांच कर रही हैं।

हिस्ट्रीशीटर समेत तीन बदमाश हथियार लेकर घूमते गिरफ्तार

वैशाली नगर पुलिस और डीएसटी टीम ने हिस्ट्रीशीटर और उसके दो साथियों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया।

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर पुलिस और डीएसटी टीम ने हिस्ट्रीशीटर और उसके दो साथियों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से एक देशी कट्टा व दो कारतूस जब्त किए हैं।

डीसीपी वंदिता राणा ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर अकरम मिर्जा (28) निवासी हसनपुरा जयपुर, कुन्दन उर्फ कुणाल सिंह (22) निवासी धानका बस्ती हसनपुरा और दिलीप उर्फ चुनु कुमावत (21) निवासी लालपुरा कॉलोनी वनस्थली मार्ग जालुपुरा को खिरनी फाटक से गिरफ्तार कर इनके पास से एक देसी कट्टा और दो जिन्दा कारतुस बरामद किया है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने आपस में मिलकर किलर गुट बना रखा है। जिसका मुख्य सरगना मुजम्मिल निवासी हसनपुरा जयपुर है। जिनकी साजिद उर्फ धावा जो पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर का हार्डकोर अपराधी है, जिससे रंजिश चल रही है। जिसके चलते गुट बनाकर अपने गुट का नाम वर्चस्व में लाने के लिए आपस में मारपीट करते है। फिलहाल आरोपियों से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

एसीपी वैशाली नगर आलोक सैनी ने बताया कि इस संबंध में परिवादी उमर ने 26 दिसम्बर को मामला दर्ज करवाया था कि वह अपने दोस्त मोहम्मद शाहिद के साथ सिरसी रोड एसी आर अस्पताल के पास पहुंचे । तभी अचानक एलम, मुजम्मिल, फूरकान, अकरम, शहजाद उर्फ डूडी, नेमा, राहुल नन्दा सहित इनके साथी हाथों में तलवार और लोहे के पाइप लेकर बाइकों पर आए और जान से मारने के लिए हमला कर पटक हवाई फायर कर भाग गए।

मोहम्मद शाहिद के मारपीट में गंभीर चोट आने से ट्रामा सेंटर एसएमएस अस्पताल जयपुर में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई। इसी दौरान विरोधी गुट के सरगना दानिश भौट, रहिस व्यापारी, मौसिन, इमरान डेंटल, नौशाद कालिया सहित अन्य लोगों ने 29 दिसंबर के जवाहर नगर थाना इलाके के राजा पार्क में एक और वारदात को अंजाम देते हुए घात लगाकर इस घटना में घायल हार्डकोर शाहिद के सहयोगी फुरकान पर जान लेवा हमला कर पैर तोड दिये। इस पर जवाहर नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर दूसरे गुट के सरगनाओ की तलाश कर रही है।

सड़क पर पलटे टैंकर से रातभर रिसता रहा पेट्रोल, लोगों ने दहशत के बीच रात गुजारी

जमवारामगढ़ रोड पर शनिवार देर रात अनियंत्रित टैंकर सड़क के दूसरी तरफ आ रही पिकअप के बोनट पर गिरा था, हादसे के बाद चालक फरार हुआ

जयपुर (कासं)। जयसिंहपुरा थाना इलाके में स्थित जमवारामगढ़ रोड पर शनिवार रात पेट्रोल से भरा टैंकर पलट गया। जानकारी में सामने आया कि अनियंत्रित टैंकर दूसरी साइड में जाकर एक पिकअप के बोनट पर जा गिरा। जिससे टैंकर से पेट्रोल के रिसाव होने लगा। पेट्रोल के रिसाव होने से लोगों में दहशत फैल गई। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से करीब ढाई किलोमीटर दूर दोनों तरफ से ट्रैफिक को बंद कर दिया। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड(एचपीसीएल) के इंजीनियर्स को बुलाकर टैंकर को खाली करवाया गया। रविवार तड़के रोड से टैंकर और पिकअप को हटाकर बाधित ट्रैफिक को दुबारा चालू किया गया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर) धर्मेन्द्र सागर ने बताया कि जयसिंहपुरा थाना इलाके में स्थित जमवारामगढ़ रोड नाई की थड़ी के पास शनिवार रात पेट्रोल से भरा टैंकर पलटी खा गया। अचानक

- **पुलिस ने ढ़ाई किलोमीटर दूर ट्रेफिक रोक लिया था, रातभर एचपीसीएल के इंजीनियर्स व सिविल डिफेंस टीम ने पेट्रोल दूसरे टैंकर में खाली किया**
- **दरअसल विद्युत ट्रांसफार्मर के नजदीक टैंकर पलटा था, यह तो गनीमत रही कि बिजली के तारों से चिंगारी नहीं निकली, अन्यथा बड़ा हादसा हो जाता**

अनियंत्रित टैंकर रोड के दूसरी साइड जा रही पिकअप के बोनट पर जा गिरा। हादसे के बाद ड्राइवर मौके पर टैंकर छोड़कर फरार हो गया। दुर्घटना के कारण टैंकर से पेट्रोल का रिसाव होने लगा। पेट्रोल के रिसाव का पता चलने पर लोगों में दहशत फैल गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत सिविल डिफेंस टीम को भी बुलाया। किसी प्रकार की अनहोनी से बचने के लिए घटनास्थल से करीब ढाई किलोमीटर दूर दोनों तरफ का ट्रैफिक बंद कर दिया। ट्रैफिक को डायवर्ट कर दूसरे रास्तों से निकाला गया। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन के इंजीनियर्स को बुलाकर रिसाव को रोकने का प्रयास किया गया। देर रात टैंकर से पैट्रोल का रिसाव होता रहा। पेट्रोल को दूसरे टैंकर में खाली करवाया गया। टैंकर बिजली के ट्रांसफार्मर के पास पलटा। गनीमत रही कि बिजली के तारों में चिंगारी नहीं निकली थी। चिंगारी से रिसाव हो रहे पेट्रोल में आग लग सकती थी। फरार हुए चालक के मिलने के बाद ही पता चलेगा कि टैंकर कैसे पलटा। रविवार तड़के रोड से टैंकर और पिकअप को क्रेन की मदद से हटवाया गया है। जिसके बाद दुबारा ट्रैफिक को सुचारू करवाया।

नए साल पर गिरिजाघरों में हुई विशेष आराधना

जयपुर (कासं)। नववर्ष-2023 के पहले दिन रविवार को राजधानी के गिरिजाघरों में समाजजनों ने विशेष आराधना की।

इस मौके पर चांदपोल, मानसरोवर, मालवीयनगर सहित अन्य गिरिजाघरों में विशेष प्रार्थना समाजजनों ने की। चांदपोल स्थित सेंट एंड्रयूज चर्च में पादरी दीपक बेरिस्टो और रंजन बेहरा की मौजूदगी में प्रार्थना हुई।

विशेष प्रार्थना सभा में बाइबल पाठ का वाचन किया। छोटे बच्चों के नामकरण संस्कार भी हुए। बेरिस्टो ने प्रभु यीशु संदेशों को बताया। यह साल खुशियों से भरा रहे इसके लिए समाज की खुशहाली और देश की शांति, समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

छोटे बच्चों के माता-पिता ने बच्चों के नामकरण करवाए। समाजजनों को प्रभु यीशु के बताए मार्ग पर चलने का आव्हान किया। घाटगेट, मानसरोवर, झोटवाड़ा, मालवीय नगर, सी-स्कीम, विद्याधरनगर सहित अन्य जगहों पर विशेष आराधना हुई। इस दौरान समाजजनों ने एक दूसरे को नए साल की बधाई भी दी।

तापड़िया टूल्स ने लांच किए ज्वैलरी निर्माण के औजार

जयपुर, (का.सं.)। हैंड टूल्स निर्माता कंपनी "तापड़िया टूल्स" ने अपनी मायको ज्वैलरी प्लायर्स रेंज बाजार में पेश की है, जो कि विशेष स्टील से बनाई गई है। यह अधिक टिकाऊ और मजबूत होने के साथ-साथ जंग प्रतिबंधित और दीर्घकाल तक चलने वाले औजार हैं। इन औजारों (टूल्स) को विशेष रूप से आभूषण डिजायनरों और श्रमिकों के लिए बनाया गया है। आवश्यकता अनुसार विभिन्न प्रकार के आभूषण बनाने में काम आने वाले औजार जैसे कि फ्लैट नोज, राऊंड नोज और लॉग नोज उपकरण उपलब्ध है। कंपनी का दावा है कि तापड़िया मायको ज्वैलरी प्लायर्स अच्छी, वैल्यू-फॉर-मनी खरीदारी है जो न केवल ज्वैलरी वर्कर्स बल्कि, अन्य कामगारों के लिए भी उपयोगी है। ज्ञात रहे कि तापड़िया टूल्स आई.एस.ओ 9001-2015 प्रमाणित कंपनी है, जो हैंड टूल्स सैगेंट में मार्केट लीडर है। कंपनी की प्राथमिकता उच्च गुणवत्ता वाले अद्वितीय और विशेष हाथ उपकरण बनाने की होती है।

राम-भरत मिलाप के प्रसंग सुनाए

जयपुर (कासं)। राम सेवा संस्थान की ओर से खातीपुरा पुलिया स्थित शिव तेजाजी मंदिर में राम कथा में कथावाचक आचार्य पवन भारद्वाज ने राम भरत मिलाप प्रसंग सुनाए। राम रतन देवाचार्य ने श्रद्धालुओं को आशीर्वचन दिया। रमेश कुमावत, महेश शर्मा, संदीप शर्मा, अशोक सैनी, महेश सैनी और मुकेश प्रजापत मौजूद रहे।

गलता तीर्थ में पौष बड़ा प्रसादी

गलता तीर्थ में रविवार को महंत स्वामी अवधेशाचार्य के सान्निध्य में पौष बड़ा महोत्सव हुआ। इससे पहले नए साल के पहले दिन गलता स्नान के लिए यहां पहुंचे। भक्तों ने पंगत में बैठ कर पौष बड़ा प्रसादी पाई। स्वामी राघवेन्द्र ने बताया कि ठाकुरजी को पौष बड़ा, गाजर का हलवा, पूड़ी-सब्जी आदि का भोग लगाया। भगवान का मनमोहक श्रृंगार कर आरती की गई। भजन संध्या में कलाकारों ने भजनों से भगवान को रिझाया।

कुल्हाड़ी मारकर श्वान की हत्या, मामला दर्ज

जयपुर (कासं)। करधनी इलाके में सड़क पर घूम रहे श्वान (कुत्ते) को कुल्हाड़ी मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोपी युवक पहले भी तीन कुत्तों को मारने की कोशिश कर चुका है। करधनी थाने में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत केस दर्ज करवाया गया है।

पुलिस ने बताया कि बालाजी विहार विस्तार गोविन्दपुरा निवासी वेटनरी डॉक्टर मनीष पारीक (32) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि उनके घर के पीछे खेत में बंसीलाल कुमावत (45) परिवार के साथ रहता है। 29 दिसम्बर की शाम करीब 6 बजे घर के बाहर स्ट्रीट डॉग घूम रहा था। कुत्ते को घूमते देखकर बंसीलाल दौड़ते हुए आया और कुत्ते पर कुल्हाड़ी फेंक कर मारी। कुत्ते के सिर में कुल्हाड़ी लगने से वह रोड पर गिर पड़ा। आरोपी बंसीलाल घायल कुत्ते के पास से कुल्हाड़ी लेकर वहां से चला गया। पडौसियों ने कॉल कर डॉ. मनीष को कुत्ते पर जानलेवा हमले के बारे में बताया। पता चलने पर मनीष तुरंत घर पहुंचा और घर के बाहर रोड पर पड़े घायल कुत्ते को तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान कुत्ते की मौत हो गई। 31 दिसम्बर को करधनी थाने में कुत्ते को मारने वाले आरोपी बंसीलाल कुमावत के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पीड़ित मनीष ने बताया कि इससे पहले भी आरोपी बंसीलाल कुमावत तीन कुत्तों को मारने की कोशिश कर चुका है। उस संबंध में 27 मई को करधनी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। गत 25 मई की शाम करीब 8:15 बजे बंसीलाल कुमावत, उसका बेटा और दोनों बेटियों के साथ लाठी-कुल्हाड़ी लेकर घूम रहा था। उनके घर के बाहर पेड़-पौधों में सो रहे 3 कुत्तों को जान से मारने के लिए हमला कर दिया। लाठी-कुल्हाड़ी से कुत्तों पर वार किया, लेकिन कुत्ते वहां से भाग निकले।

सार-समाचार

55 रक्तदाताओं व चिकित्सकों का सम्मान

जयपुर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की ओर से गंगापोल में आयोजित शिविर में सीएम के ओएसडी फारूक आफरीदी ने रक्तदाताओं व डॉक्टर्स को सम्मानित किया।

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की ओर से गंगापोल में चिकित्सा, नशा मुक्ति और ब्लड डोनेशन कैंप, मोतियाबिंद, मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। ब्लड डोनेशन कैंप में 55 यूनिट रक्त दान हुआ। शिविर में 50 नशा करने वाले पीड़ितों को निशुल्क दवाइयां दी गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के ओएसडी फारूक आफरीदी मुख्य अतिथि ने शिविर की सफलता के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का शुभ कामना संदेश पढ़ा। राज लक्ष्मी महिला बैंक,जयपुर के सीईओ इकबाल खान ने अध्यक्षता की। मोहम्मद शाकिर, हाजी लाल मोहम्मद, कमल भार्गव विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहा। नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेख खलील , जयपुर के जिला अध्यक्ष मोहम्मद यामीन रंगरेज , जयपुर हेरिटेज अध्यक्ष बाबू अंसारी ने निशुल्क नशा मुक्ति केंद्र खुलवाने, नशीले पदार्थों पर 5 ग्राम एनडीपीएस एक्ट में संशोधन और एक कमेटी बनाकर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन दिया। सदस्यों ने आशा की कि सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति से लिया फैसला राजस्थान को नशा मुक्त बनाने की दिशा में सफल कदम सिद्ध होगा। ऑपरेशन क्लीन स्वीप के जरिए जयपुर में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस प्रशासन और कई सामाजिक संगठनों के जरिए इसको पूरे राजस्थान में चलाया जाए और इसमें जो एनडीपीएस एक्ट की धारा 5 ग्राम पर सीमित है इसको कानून में संशोधन कर कम करा जाए ताकि अपराधियों को आसानी से जेल भेजा जा सके और इसमें गांजा, चरस, शराब जैसे नशे से पीड़ित लोगों के लिए राजस्थान के प्रत्येक जिले में निशुल्क नशा मुक्ति केंद्र बनाकर हर विधानसभा व प्रत्येक थाना क्षेत्र में पॉइंट बनाकर नशे से पीड़ित लोगों को 7 से 15 दिन कम से कम प्रशासन की देखरेख में उनका इलाज करवाया जाए। डॉक्टर, आईपीएस अधिकारी एवं समाज सेवकों की एक कमेटी बनाकर राजस्थान के प्रत्येक जिले में काम किया जाए क्योंकि नशा सारी अपराध की जड़ है। नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की टीम के सदस्य हवामहल अध्यक्ष इसरार अहमद आदर्श नगर अध्यक्ष रईस खान अजीज खान फरीद पठान खान रियाज अहमद ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग दिया।

चकवाड़ा बने तीसरी बार अध्यक्ष

जयपुर, (का.सं.)। दाधीच समाज सेवा समिति जयपुर महानगर के चुनाव होटल गुमान हेरिटेज पैलेस जयपुर में संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी एडवोकेट पवन शर्मा राजस्थान हाईकोर्ट बार सदस्य ने विधान के अनुसार चुनाव करवाए। समाज के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सदस्यों ने विष्णु दत्त शर्मा (दाधीच) को तीसरी बार समाज का निर्विरोध अध्यक्ष चुना। कार्यकारणी में ज्योति बसु उपाध्यक्ष, अशोक दाधीच महासचिव, जितेंद्र दाधीच कोषाध्यक्ष, जय प्रकाश शर्मा सह सचिव, मुकेश शर्मा ,चंद्र मोहन दाधीच, राधेश्याम शर्मा,अजय शर्मा,पंकज आसोपा व शशि प्रकाश शर्मा को सदस्य निर्वाचित किया गया। पं. बाल किशन शर्मा युवा अध्यक्ष, चित्रा दाधीच को महिला अध्यक्ष व गरिमा दाधीच को महामंत्री मनोनित किया गया।

बाबा श्याम के जयकारे गूंजे

जयपुर । म्हारे घरा पधारों श्याम संस्था की ओर से मानसरोवर अग्रवाल फॉर्म सेक्टर-119 स्थित पार्क में श्याम भजन संध्या हुई। इस दौरान बाबा श्याम का अनुपम श्रृंगार, अखंड ज्योत छप्पन भोग झांकी सजाई गई। कलाकार पुरुषोत्तम बृजवासी, हेमलता खंडेलवाल, दिनेश संगम ने बाबा श्याम का गुणगान किया आरती के बाद सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया।

ध्यान से मिली शांति की अनुभूति

जयपुर । परमहंस योगानंद के आविर्भाव दिवस के तहत नववर्ष के पहले सप्ताह में कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। रविवार को टोंक रोड स्थित हिम्मत नगर स्थित योगदा सत्संग ध्यान केंद्र में विशेष ध्यान सत्र हुआ। सोमवार को एक स्कूल में मेडिटेशन शिविर होगा। पांच जनवरी को परमहंस योगानंद के जन्मदिवस पर योगदा सत्संग ध्यान केंद्र में सुबह एवं शाम को ध्यान सत्र एवं कीर्तन होगा।

मानवता की भलाई के लिए 21 बेटियां हुई समर्पित

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि. राजापार्क सब जोन की ओर से समर्पण समारोह संपन्न

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । नए साल में रविार को 21 बेटियों ने त्याग, तपस्या और निस्वार्थ सेवा से सृष्टि में परिवर्तन की दिशा में कदम रखा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय राजापार्क जयपुर सब जोन की ओर से 21 कन्याओं का समर्पण समारोह जवाहरसर्किल स्थित एक गार्डन में संपन्न हुआ। ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी पूनम, जयपुर सबजोन इंचार्ज ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी निर्मला दीदी के सान्निध्य में हुए लौकिक समारोह में बहनों ने पूर्णतया अपना जीवन समाज के लिए समर्पण किया। खासबात है कि यह बेटियां अब पूरी तरह से ब्रह्कुमारीज संस्थान में रहकर आध्यात्म के पथ पर अग्रसर रहकर अन्यजनों के लिए जीवन मार्गदर्शिका बनेगी। सभी बेटियां ग्रेजुएशन से लेकर नौकरी भी कर चुकी है। इस मौके पर मुख्य अतिथि रामचरण बोहरा, अर्चना शर्मा मौजूद रही।

बोहरा ने कहा कि यह बेटियां शक्ति स्वरूपा है, जिनकी जिम्मेदारी स्वयं परमात्मा ने ली है। दिल्ली शक्तिनगर सब जोन प्रभारी, रशिया निदेशक बीके राजयोगिनी चक्रधारी दीदी, फूल दीदी, शील दीदी सहित अन्य देशभर की प्रभारी मौजूद रही। चक्रधारी दीदी ने कहा कि केवल परामत्मा का परिचय जानना ही नहीं, उसके प्रति अर्पित होना भी परमात्मा के कार्य में सहयोगी बनना है, जो इन बहनों ने किया। सभी बहनें कई साल की अवधि से सब जोन के विभिन्न केंद्रों में रहकर आध्यात्म से जुड़ी रही। बीके पूनम नेकहा कि यह समारोह एक तरह से अलौकिक विवाह की तरह है। बहनें अपना जीवन भगवान शिव को अर्पित कर मानवता को बुराइयों और कुरीतियों से दूर ले जाना हे। इस मौके पर रंगारंग आध्यात्मिक कार्यक्रम हुए।

भूख हड़ताल पर बैठेंगे सैकड़ों लोग

जयपुर (कासं)। पृथ्वीराज नगर और आस-पास के क्षेत्र की मांगों को लेकर 8 जनवरी को एक दिवसीय सामूहिक भूख हड़ताल का आयोजन जगदम्बा पार्क, जगदम्बा कॉलोनी में किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर रविवार को जयपुर संयुक्त विकास महासमिति की बैठक जगदम्बा पार्क में हुई।

महासमिति अध्यक्ष ललित सिंह सांचौरा ने बताया की जगदंबा सर्कल पर एक दिन की सांकेतिक भूख हड़ताल की जाएगी। यह भूख हड़ताल नगरीय विकास विभाग और जेडीए की मनमानी के खिलाफ होगी। दोनों महकमों के फैसलों की वजह से यहां लोगों को पट्टे नहीं मिल पा रहे हैं। बिना जेडीए के पट्टे के बिजली कनेक्शन नहीं मिलता है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। बैठक में अनिल माथुर, ओम प्रकाश जाखड़, दीपक चौधरी, गजेंद्र सिंह पचलंगी, नानू राम कुमावत, अरविंद कौशिक आदि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यदि विद्युत मंत्रालय की वर्ष 2020 की गाइडलाइन लागू नहीं कर रही।

केंद्र सरकार की गाइडलाइन को लागू कर दे तो 20 हजार लोगों को पट्टे मिल सकेंगे।

किशोर सागर तलाव पर कुटुर इंस्टीट्यूट का फैशन शो संपन्न

जयपुर । कुटुर इंस्टीट्यूट ऑफ फ़ैशन टेक्नोलोजी की ओर से नव वर्ष के उपलक्ष्य में किशोर सागर तलाव की पाल पर फ़ैशन शो का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के डिज़ाइनर द्वारा तैयार कलेक्शन को प्रस्तुत किया गया। कलेक्शन की थीम फ़ैशन रेसोल्यूशन 2023 थी। संस्था की डाइरेक्टर पुजा राजवंशी ने बताया की आज के कार्यक्रम का उद्देश्य मनोरंजन के साथ साथ आने वाली बीमारियों खास तौर पर करोना से बचाव और उसके प्रति सावधान रहने के लिए लोगों को जागरूक करना था। नव वर्ष को देखते हुए संस्था के विद्यार्थी टीना, निकुंज, ईशिता, खुशी, अलिशा, सानया, रेहान, नुरेन, रानु, प्रियंका और रोशनी द्वारा कोरोना थीम पर ड्रेस डिज़ाइन किए और स्लोगंस के द्वारा करोना बीमारी के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया।

World Introvert Day

For those who have ever wondered what it is like being an introvert, or those who know one and want to celebrate them, this is the day! Or perhaps this is the day for people who are introverts themselves and struggle for people to understand them at all. Well, there is a full day dedicated to introversion: it's World Introvert Day! Recharge through some alone time and self-care, learn about the psychology of introversion or show appreciation for your inward-focused friends.

#J'ADORE

Styling Summer Sarees In Winter

When we update our winter wardrobe, we pack our summer sarees and put them in the trunk for months. Not anymore! Here, we share with you how you can style your summer sarees in winter.

Whether it's office wear or parties, a saree is one of those garments that can suit every scenario. While wearing a saree regularly is doable in the summer, one doesn't really think of them as a comfortable outfit option in the winter. And pairing a saree with a frumpy sweater may feel comfortable but this doesn't really cut it, style wise. But we figured out how to make the saree a truly all-season outfit. Check out these practical, stylish ideas on how to wear a saree in winter. Here is a quick guide that will give you some fantastic ideas.

Traditional Overcoat

If you have a traditional overcoat in your closet, then you can also wear it over your saree. To add that wow factor to the look, you can put on a statement belt. The same look can also be created with any trench coat or a long sweater.

Velvet Shawl

Now, if you feel that your saree is too pretty to be worn in any other way, then you can simply team it up with with a velvet shawl. A velvet shawl can make any look elegant.

Boho Jacket

You can also add a boho twist to your look by wearing a traditional jacket with thread work over it. A white cotton saree with a boho jacket and oxidised silver jewellery can make you a star at any event.

Sweater

Ditching the usual blouse, you can also team up your saree with your favourite sweater. Now, you can either pick a sweater in the same hue or can also opt for contrasting colour. A black saree with gold work works well with a white sweater.

Formal Blazer

To create the perfect formal look this season, team up your favourite cotton saree with a formal blazer. To amp up the look, you can match your accessories with your blazer. While picking the coat for the outfit, make sure that you pick contrasting colours.

Now the stage was set. The court proceedings took few minutes and first came out the inspector, giving hint of completion of the proceedings. Now Narayan along with his accomplice including two women came out. The AFD, following him hinted the alert staff to be ready for action as soon as he catches Narayan. And before Narayan could take the stairs they caught him.

The Arrest Of Wildlife Mafia Brothers (...2)

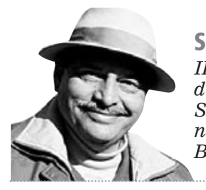

Sunayan Sharma
IFS (Retd.), Ex field director project tiger Sariska & keoladeo national park, Bharatpur

#ANNIHILATION OF TIGERS

I took out my camera and clicked several times through the wind screen just to collect evidence as I could neither afford to get out of the gypsy fearing disturbance to the tiger nor had any protection for my camera from the ever growing drizzle. The rain was certainly disturbing the tiger but it showed no intention of moving away to the comfort of the thick wood; either it was hungry or did not wish to leave the prey, fearing this will be disturbed by us the intruders.

I decided to wait little more for it to gives us way or we would have to turn back to the Bana chowki. Perhaps the witty animal decided to take a chance with us and after conveying its displeasure emitting meek growl baring its teeth towards us; it leisurely moved in to the bushes on to its right, giving clear passage to us. Availing the opportunity we immediately rushed onwards down the track. Though it was merely six in the evening yet this part of the ghata being shaded by the western hill and clouds had become quite dark and Ranjit had to switch on headlight of the gypsy while crossing the chital carcass. I keenly tried to look for the tiger but it was no where in sight, but for sure it had not gone far away, rather watching us closely and must have returned back to its kill. This got confirmed next morning by the patrolling staff of Kalighati chowki.

The light drizzling had turned into a proper downpour by the time we reached the Kalighati rest house. Just an hour's rains propelled by the westerly winds had brought down temperature considerably. The little fire lit in the verandah by the staff looked pretty soothing and pleasant.

The Range Officer Tehla had reached Kalighati to share the result of the raids he had conducted today on the outfits of the Bawarias-the traditional hunter-gatherers, in search of some of the wanted poachers. Though nothing suspicious was found in the raid but through a reliable source he brought the news that Narayan is putting up in old Delhi these days, though not active in running the network.

The Jigsaw Puzzle

I was desperate to arrest him, but all our efforts so far had gone in vain. To our great luck the very next day brought a new ray of hope when a CBI Inspector visited my office to collect some information in connection with one of the tiger poaching cases, he was investigating. Taking the opportunity I sought his help in arresting Narayan. He shared that our earlier efforts to arrest him from his Delhi base failed because our plan got leaked every time prior to our raids; and advised us not to share our plan with anybody including concerned police officials at Delhi.

The advice seemed justified as it was in line with my earlier experience with Delhi police in another such matter. After a while checking his diary he informed that Narayan shall be available next month in Tees Hazari Court, Delhi in another case filed by his office. He promised to be present in the court on that particular date but shall not be in position to help in any way other than pointing at Narayan for identification sake. We decided to avail this God sent opportunity but it was a matter of another State and we could not take any assistance from the local police; this fact was worrying me especially because of strong chance of disruption in execution of arrest of the hardened criminal like Narayan, enjoying shelter from police and several other powerful people- part of the smuggling network.

Seized leopard skins several.

Sansar Chand, Most Infamous Poacher -Smuggler.

Narayan The Infamous Poacher-Smuugler Arrested From Delhi Court.

I was in such a fix. Neither could I afford losing this opportunity of arresting Narayan nor could I overlook the advice of the CBI Inspector and such tough operation could not be possible without police assistance. Under the condition I decided to approach the Superintendent of Police Alwar, a very upright and smart officer.

He showed his keenness to assist us genuinely in the operation but showed his helplessness in sending his force with us outside his jurisdiction especially out of state without state level permission. Instead he genuinely offered to procure police assistance from Delhi police by talking to his batch mate posted at Delhi. I was hesitant and he could not understand my hesitation. And I had to share the advice of the CBI Inspector. It was shocking to him and he did not believe it. He tried to convince me that Delhi police assistance shall prove fruitful in executing this arrest but the CBI Inspector's advice and my earlier experience with Delhi police, deterred me from taking this assistance.

Giving thanks to the officer for his generosity I came back to Sariska empty handed.

I tried hard to solve this jigsaw puzzle for several days but of no avail. The court date was approaching fast; it was very frustrating. And then the eternal mantra echoed in my mind,' Himmate Marda Madad-e-khuda'. And I decided to execute the arrest by our own staff. I discussed at length with my Assistant Field Director (AFD) and some other trusted personnel.

We chalked out a plan with minute details and accordingly a day earlier than the court date, two teams were dispatched to execute this mission under the command of the Assistant Field Director, a smart young man. One team including the AFD was sent in plain clothes where the other one in uniform.

Reintroduced Tigers Roaming Freely.

Tiger Skins Seized From Poachers.

I had arranged their secret stay at a place in outer area of Delhi, from where they reached the Tees Hajari court the next day, as per advice from the CBI Inspector, who was constantly in our touch. The team comprising six uniformed personnel was made to sit on the ground floor, concealing both vehicles.

Perplexed Situation

The other party comprising five personnel including the AFD was deputed on the 3rd floor, to stand scattered, outside the court room. None of them had seen Narayan earlier and to some extent it was beneficial as well, in hiding their identity from Narayan.

Entry of the CBI inspector alerted our personnel clad in civil clothes, but cleverly he ignored their presence while entering the court room. After few minutes the AFD with one personnel entered the court room, becoming part of the audience. Narayan had already reached there. The inspector gave indication of his eye to the AFD, conforming identity of Narayan. The other personnel came out of the court room and alerted the remaining staff, secretly. Now the stage was set. The court proceedings took few minutes and first came out the inspector, giving hint of completion of the proceedings. Now Narayan along with his accomplice including two women came out. The AFD, following him hinted the alert staff to be ready for action as soon as he catches Narayan. And before Narayan could take the stairs they caught him.

As per the strategy the other team was kept on alert and they had to reach the 3rd floor as soon as asked for but everything happened so fast that neither the AFD, nor any other personnel got opportunity to phone the party, instead they all got involved in handling Narayan and his accomplice, they too got perplexed by this sudden action.

The ladies caught hold of the legs of the forest personnel, making it difficult for them to take Narayan down the stairs. They made huge hue and cry, to further complicate the situation. The area and the stairs were full of people especially the lawyers. The scene so created gave impression of abduction of some innocent by some gangster, as the forest personnel were in plain clothes.

And it was not advisable to disclose their identity before anybody including Narayan and his accomplice, lest it complicates the situation. Amid this tussle the boys succeeded in dragging Narayan down the three stories through the busy staircase with the ladies, all time being dragged with him. It was this ruckus and hullabaloo that attracted attention of our uniformed staff, kept in abeyance on the ground floor with two vehicles, ready to move position. And two of them moved towards the staircase to assist the AFD.

> The arrest of the two brothers, the kingpins of one of the most infamous wildlife mafias, their gang too got fragmented. Consequently poaching of big cats and other endangered species got reduced to a considerable level in entire Northern and Central India. Its credit is attributable to arrest of Narayan to a great extent.

The Reintroduced Tigers could Mate & Breed safely After Arrests Of Notorious Poachers.

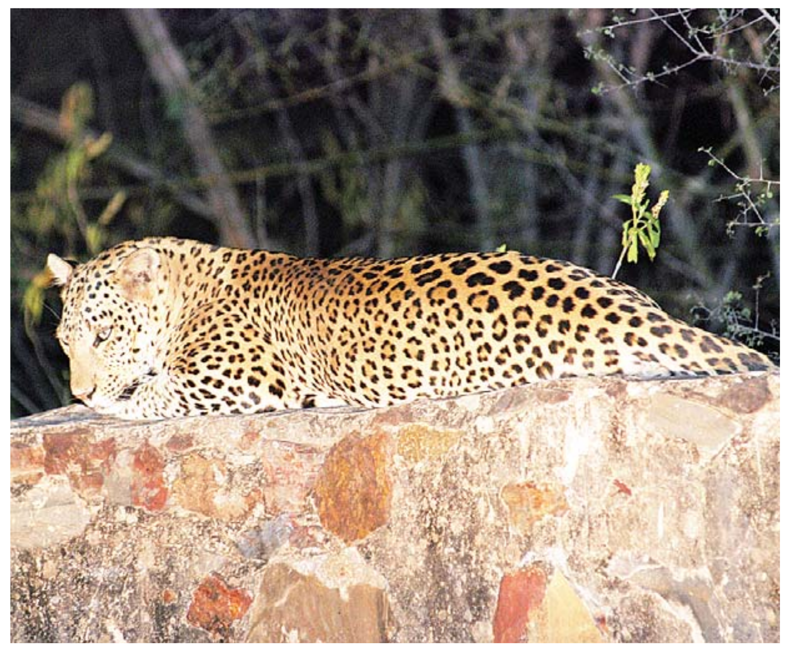

Now seeing the uniformed staff Narayan and his accomplice doubled their uproar but the boys under leadership of the AFD did a commendable work by pushing Narayan in to one of the vehicles and started back to Sariska at fastest possible pace. At last AFD gave me the good news of the operation's success.

Immense Courage & Wits

As per the original plan they had to take old highway through Gurgao, Sohna, Firozpur Jhirka but changing the plan at the last minute I asked them to enter Rajasthan from Behrod side, to avoid any possible interference by miscreants and Delhi police. And only after our contingent entered Rajasthan border, I informed the concerned police station of Delhi about Narayan's arrest. Obviously the SHO (Station House Officer) was not happy and complained about not taking them in confidence. I told him it was an emergency case and operation was done by a senior officer under my overall supervision. I also shared the details of the case in which Narayan was arrested. The officer did not seem happy but I could do no more for his satisfaction.

Since Narayan was wanted in more than one cases of tiger poaching in the Sariska forests during 2002-04, he was taken in to our custody from the court for a little longer time and field investigations were done as per information revealed by him. Since he was involved in several other cases pertaining to other wildlife reserves spread over pan India, we informed the National Wildlife Crime Control Bureau, Delhi; headed by an IG Police level officer, who too interrogated Narayan, personally at Sariska. I also intimated the Chief Wildlife Warden Uttarakhand, who also hurriedly reached Sariska to interrogate Narayan.

The Alwar media gave this news a huge publicity, serving our purpose of creating a sense of fear in the hearts of the possible poachers and other miscreants.

After completion of our investigations Narayan was sent to judicial custody where he stayed for several years pending trials. His brother Sansar Chand was also arrested by the Jaipur police in one wildlife case. We procured him too from the Jaipur jail and after thorough investigations by us and the National Crime Control Bureau, he was sent back to jail to await the court decisions. After sometime under suspicious circumstances he died in the jail.

The arrest of the two brothers, the kingpins of one of the most infamous wildlife mafias, their gang too got fragmented. Consequently poaching of big cats and other endangered species got reduced to a considerable level in entire Northern and Central India. Its credit is attributable to arrest of Narayan to a great extent. And from the core of my heart I feel indebted to the officers and staff personnel of Sariska who showed immense courage and wits in making the Delhi Court operation a great success.

Concluded

writetoarbit@rashtradoot.com

#LIFE-HACKS

Stay Warm @ WFH

Keeping your fingers and toes warm is the key.

If you're working from home all or part of the time, the chances are that your home working space is getting chillier as winter sets in. So what can we do to stay warm?

In a cold room, the skin's cold receptors are the first to be stimulated and cause the skin's blood vessels to constrict, redirecting warm blood beneath the insulating fat layer we have just beneath the skin. Because hands and feet require blood flow to keep them warm and functional and have little fat coverage, they cool quickly. So, in a cold room, the first parts of us to feel the cold are the extremities: our fingers and toes.

If cooling continues, the superficial nerves, muscles and joints (especially of the arms) can become impaired, meaning that dexterity, speed of movement and sensitivity to touch suffer. This can make tasks like typing and texting harder, slower and more prone to error. Work efficiency can be further impaired by the distraction of feeling cold.

The Solutions

Our first task is to keep our extremities warm by keeping blood flowing to them, and the best way of doing this is by maintaining (or raising) our core body temperature.

There's no need to heat a whole house or room. You're much better off heating yourself up, and it starts with making sure you're wearing appropriate clothing.

Clothes such as woollen jumpers and leggings trap millions of tiny pockets of air which provide insulation. Thermals are great, but multiple layers of ordinary clothing can work just as well. If sitting, a blanket or duvet over the legs and waist can help. Add a hot water bottle underneath, or use a wearable electric blanket if you want.

Because the temperature of the hands and feet dominates the overall perception of thermal discomfort, focusing on these areas is key. Think insulating socks, slippers and fingerless gloves. Placing your hands in your armpits when not typing can help, too. If you want to splash out, heated gloves and slippers could also be an option.

As mountaineers say, "if you want warm hands wear a hat". Scalp blood vessels don't constrict as much in the cold, meaning that heat can be lost through the head. So it's worth having a hat available on your desk. Heat can also be lost as it rises from underneath clothing and escapes at the neck. So wearing a scarf, buff or polo neck helps, too.

You also might like to try exercising. Around three-quarters of the energy used for exercise comes out as heat, so just stepping up and down the bottom step of a staircase can generate 100 watts of heating and start to raise your body temperature in a few minutes. A short period of exercise now and again can make a big difference to your thermal comfort and is good for your general health, too.

Other tips:

- Keeping hydrated is important for ensuring blood flow to the extremities. You don't need to drink loads, but drink if you are feeling thirsty. Warm drinks are definitely comforting and make you feel "warmer" but don't, in fact, affect your core temperature much, or for long.
- You need to eat enough calories to burn for heat generation. Most of us eat more than enough, though, and "extra" isn't generally needed unless you are ill or malnourished for other reasons.

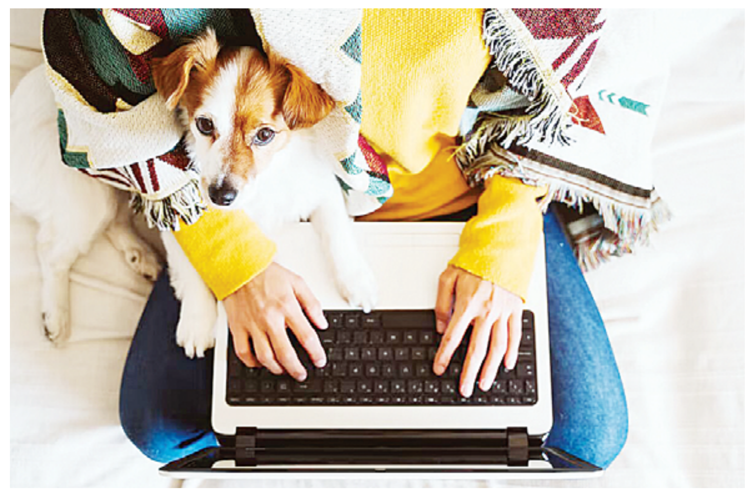

THE WALL

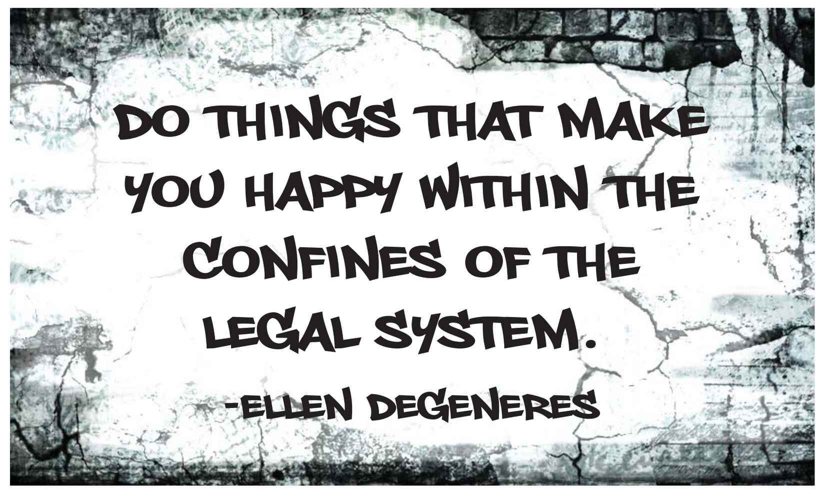

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

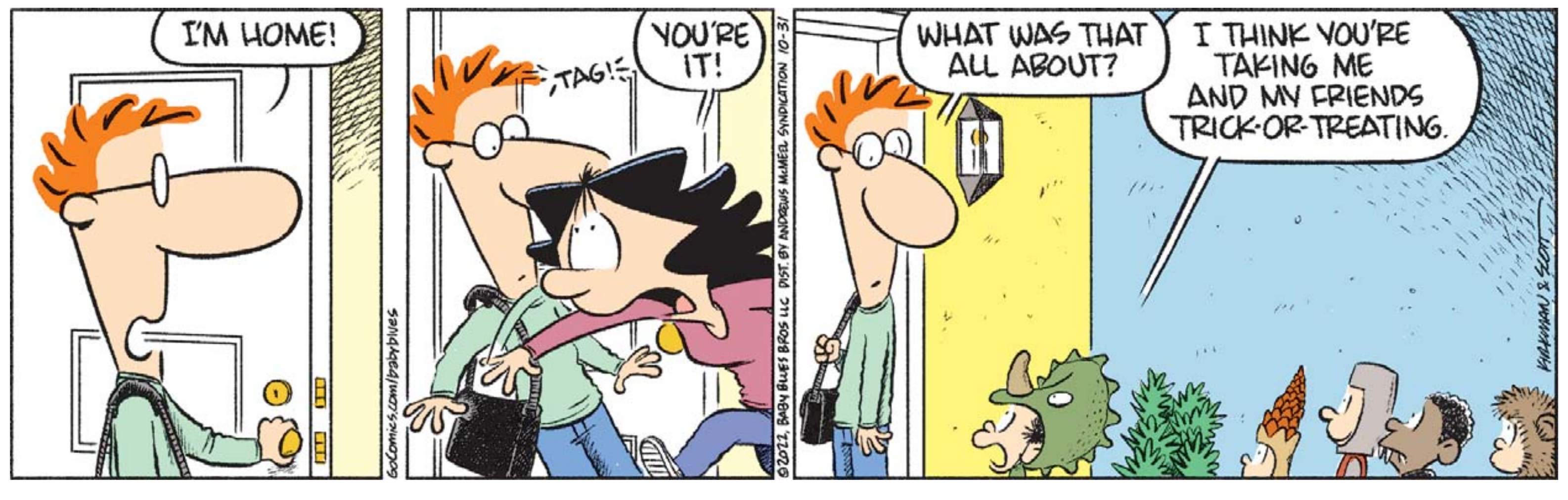

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

2 क्विंटल 29 किलो डोडा-पोस्त चूरा के साथ दो जने गिरफ्तार

जप्त किये गये डोडा-पोस्त चूरा की अनुमानित कीमत सात लाख रुपये बताई

सरदारशहर, (निसं)। शनिवार रात्रि को एक ओर जहां शहरवासी नववर्ष के जश्न में डूबे हुए थे, वहीं पुलिस हमेशा की तरह सड़कों पर घूम रही थी, नववर्ष को मध्य नजर रखते हुए पुलिस द्वारा विशेष टीमें बनाकर शहर व हाईवे पर निगरानी की जा रही थी।

सरदारशहर पुलिस हाईवे पर रात्रि को नाकाबंदी किये हुए खड़ी थी, इसी बीच सरदारशहर पुलिस को रविवार अलसुबह बड़ी सफलता मिली है। सरदारशहर पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से 2 क्विंटल 29 किलो डोडा पोस्त चूरा व 1 कार को जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी सतपाल विश्नोई ने रविवार शाम 6 बजे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि चूरू पुलिस अधीक्षक दिगत आनंद के निर्देशन पर रविवार अल सुबह करीब 3:30 बजे थाना अधिकारी सतपाल विश्नोई, एएसआई जयसिंह व टीम ने रतनगढ़ रोड पर गणगौर होटल के पास नाकाबंदी की।

पुलिस ने कार सवार दो जनों को गिरफ्तार कर 2 क्विंटल 29 किलो डोडा पोस्त का चूरा जप्त किया।

नाकाबंदी के दौरान रविवार अल सुबह 5:30 बजे रतनगढ़ की तरफ से एक टोयोटा कार आई, जिसे चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया तो कार चालक वहां से कार सहित भाग गया, लेकिन रोड खराब होने के कारण 50 मीटर की दूरी पर कार रुक गई।

कार में 2 लोग सवार थे जिनको भागने का कारण पूछा तो जवाब नहीं दे पाए, फिर पुलिस ने दोनों को तसल्ली देकर पूछा तो उन्होंने कार में डोडा पोस्त का चूरा होना बताया। कार की तलाशी ली तो कार में रखे 10 प्लास्टिक के कट्टों में डोडा पोस्त चूरा भरा हुआ मिला। जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार सवार फिरोजपुर पंजाब निवासी जसदीप सिंह पुत्र चमकौर सिंह और सुखदीप सिंह पुत्र जगसिंह को गिरफ्तार कर 2 क्विंटल 29 किलो डोडा पोस्ट का चूरा और एक कार को जप्त किया है।

थानाधिकारी ने बताया कि मामले में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वही आरोपियों से पूछताछ में यह पता किया जाएगा कि यह डोडा पोस्त का चूरा कहां से ला रहे थे और कहां पर ले जा रहे थे। वहीं थाना अधिकारी सतपाल विश्नोई के अनुसार जप्त डोडा पोस्ट चूरा की कीमत 7 लाख रुपये है।

राजू ठेहट हत्याकांड: शूटर्स तक हथियार पहुंचाने वाला गिरफ्तार

- हत्या के लिए शूटर्स को रुपए और हथियार बीकानेर से पहुंचाए, यहीं से पांच गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। सीकर में राजू ठेहट की हत्या मामले में बीकानेर से एक और गिरफ्तारी की गई है। अब तक बीकानेर से पांच युवकों को सीकर पुलिस के हवाले किया जा चुका है। हत्याकांड में उपयोग में लिए गए हथियारों की सप्लाई और शूटर्स को रुपए पहुंचाने के तार सीधे तौर पर बीकानेर से जुड़े हुए हैं। अब तक बीकानेर से शूटर्स को रुपए उपलब्ध करवाने के प्रमाण मिले थे लेकिन अब हथियार देने के मामले में गिरफ्तारी हो गई है।

बीकानेर के जिस आरोपी को बीकानेर पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया है, उस पर हथियार पहुंचाने का आरोप है। पंचमुखा हनुमान मंदिर के पास रहने वाले आरोपी धनराज गहलोत पुत्र सत्यनारायण गहलोत को सीकर पुलिस के हवाले कर दिया है। एएसपी अमित कुमार ने बताया कि आरोपी धनराज गहलोत ने शूटरों को हथियार उपलब्ध करवाए थे। उन्होंने बताया कि अब आरोपी से सीकर पुलिस गहनता से पूछताछ करेगी। किस तरह के हथियार बीकानेर से उपलब्ध कराए गए और इस हत्या में काम आए हथियार कब और कितने में दिए, ये भी जांच का विषय है। सीकर पुलिस ने अब तक राजू ठेहट मामले में मनीष उर्फ बच्चिया, विक्रम गुर्जर, जतिन वर्मा उर्फ जॉनी पहलवान, सतीश कुमार उर्फ पहलवान, सकील खान, गणेश ओझा, राकेश ओझा, मुकेश उर्फ बल्लू, सरजीत सिंह, गुलझारी उर्फ जीएल, उमेश गहलोत, नेमीचंद गुर्जर को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस हत्याकांड में दो बालकों को भी पकड़ा है। इनमें एक नाबालिग बीकानेर से निरुद्ध किया गया। हत्या के बाद जिस व्यक्ति के मोबाइल से रोहित गोदारा की पोस्ट लगाई गई थी, उसे भी पुलिस दबोच चुकी है। बताया जा रहा है कि सीकर में कोचिंग स्टूडेंट्स बनकर रह रहे शूटर्स को हथियार बीकानेर से पहुंचाए गए थे। बीकानेर शहर से अब तक उमेश गहलोत और धनराज गहलोत को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों की भूमिका हथियार पहुंचाने में हो सकती है। फिलहाल पुलिस ये नहीं बता रही है कि इन लोगों के पास हथियार कहां से आए और कब ये हथियार सीकर पहुंचे।

पूर्व में गिरफ्तार युवकों से सख्ती से पूछताछ के बाद आगे से आगे गिरफ्तारी हो रही है। बीकानेर पुलिस को सीकर से ही नाम और पते बताए जा रहे हैं और गिरफ्तारी के बाद सीकर पुलिस के हवाले किए जा रहे हैं। बीकानेर से अब तक एक नाबालिग के अलावा बिग्गा से गणेश ओझा, राकेश ओझा को गिरफ्तार किया गया। वहीं शहर से धनराज गहलोत व उमेश गहलोत को पकड़ा गया है। राजस्थान के कुख्यात गैंगस्टर राजू ठेहट की सीकर में 3 दिसंबर की सुबह हत्या कर दी गई थी। कोचिंग की ड्रेस में पहुंचे बदमाशों ने घर के बाहर खड़े ठेहट पर फायरिंग की। ठेहट को 3 से ज्यादा गोली लगी थी। हत्या में शामिल चार शूटर्स सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। राजस्थान पुलिस के मुताबिक, दो बदमाशों को हरियाणा के बॉर्डर के पास डाबला से पकड़ा गया है, जबकि तीन की गिरफ्तारी झुंझुनूं के पौंख गांव से हुई।

राजू ठेहट की हत्या के बाद रोहित गोदारा के नाम से की गई थी पोस्ट। इस पोस्ट को करने वाले दो युवकों को पुलिस बीकानेर से गिरफ्तार कर चुकी है। दरअसल, राजू ठेहट की हत्या के मामले में गैंगस्टर रोहित गोदारा का नाम सामने आया था। उसके नाम से एक फेसबुक पोस्ट भी की गई थी। इस पोस्ट में राजू ठेहट की हत्या की जिम्मेदारी ली गई थी। रोहित बीकानेर के लूणकरणसर का ही रहने वाला है। बीकानेर पुलिस पिछले दिनों रोहित के नाम से सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर चुकी है। बताया जाता है कि रोहित फिलहाल कनाडा में है। रोहित गोदारा फिलहाल लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है।

पट्टेशुदा जमीन हड़पने का मामला दर्ज

- पीड़ित ने मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगायी
- एडीजे कोर्ट के अपर लोक अभियोजक के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया

सुजानगढ़, (कासं)। एडीजे कोर्ट के अपर लोक अभियोजक करणीदान चारण के खिलाफ कोतवाली थाने में पट्टेशुदा जमीन को हड़पने का मामला दर्ज हुआ है।

पीड़ित हरिप्रसाद सारडा पुत्र जानकीलाल सारडा निवासी सुजानगढ़ हाल साल्ट लेक सिटी कोलकत्ता ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि गत 31 दिसम्बर को वह अपनी नया बाजार में स्थित पट्टे शुदा भूमि में निर्माण कार्य करवाने के लिए अपनी भूमि में पट्टिया, पत्थर, बजरी, ईंटें व मलबा डाल रहा था।

मेरी भूमि में चार मिस्त्री व 6 मजदूर कार्य कर रहे थे। इसी दौरान सुबह साढे सात बजे के करीब मेरा पड़ौसी करणीदान चारण व उसकी पत्नी सहित सात-आठ अन्य व्यक्तियों ने गाली गलौच करते हुए मारपीट करने लग गये व मजदूरों के ऊपर पत्थर बरसाने लग गये।

हरिप्रसाद सारडा ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि सरकारी अधिवक्ता करणीदान ने उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए पुलिस को फोन करके उन्हें शांतिभंग में गिरफ्तार करवाकर जमीन में लगी पट्टियां तोड़ दी व बजरी व ईंट चोरी करके ले गये।

साथ ही सारडा ने आरोप लगाया कि उनकी पट्टा शुदा जमीन पर अवैध रूप से सी.सी.टी.वी कैमरे लगाकर फर्जी संस्था बनाकर कूटरचित दस्तावेजों के जरिये जमीन हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने चारण के खिलाफ धारा 143, 323, 504, 379 में मामला दर्ज कर जांच सहायक उप निरीक्षक तेजाराम को जांच सौंप दी है।

सारडा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से अपर लोक अभियोजक करणीदान चारण पर दर्ज मुकदमों की जांच करवाने की मांग करते हुए सरकारी अधिवक्ता के पद से हटाने की मांग की है। साथ ही पुलिस से सुरक्षा व न्याय की गुहार लगायी है।

दीवार ढहने से मजदूर की मौत, लोगों ने रास्ता रोका

आबूरोड, (निसं)। आबूरोड सदर थाना क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड में रविवार को एक निर्माणाधीन मकान में काम करते समय एक श्रमिक की मौत हो गई। घटना के बाद सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी रखवाया।

जानकारी के अनुसार हाउसिंग बोर्ड मानपुर में निर्माणाधीन मकान पर कार्य करते समय शिवाजी नगर निवासी लालाराम की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के शव को अस्पताल लाया गया और परिजनों को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर आबू रोड सदर थाना पुलिस भी अस्पताल पहुंची। इस दौरान मृतक के शव को मोर्चरी ले जाने से नाराज परिजनों ने आबूरोड - मांउट आबू रास्ता जाम कर दिया। जिसके बाद मौके पर जाम की स्थिति पैदा हो गई। वहीं पुलिस और समाज के लोगों के बीच समझाइश का दौर जारी रहा। करीब तीस मिनट बाद लोगों और पुलिस के बीच समझाइस हुई और मार्ग को सुचारू रूप से शुरू करवा दिया गया। इस दौरान आबूरोड सदर थाना अधिकारी प्रवीण आचार्य मय जाब्ते के साथ तैनात रहे।

शाही रेलगाड़ी 'पैलेस ऑन व्हील' अजमेर पहुंची

शाही ठाठ-बाठ से मेहमान नवाज़ी पर देसी-विदेशी मेहमान भाव विभोर हुए

अजमेर, (कासं)। राजस्थान पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील न्यू ईयर टूर पर अजमेर पहुंची। आरटीडीसी द्वारा आयोजित स्वागतम 2023 कार्यक्रम में पैलेस ऑन व्हील के यात्रियों को निगम अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री धर्मेंद्र राठौड ने राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा पहनाकर व माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। शाही ठाठ-बाठ से मेहमाननवाज़ी पर देसी विदेशी मेहमान भाव विभोर हुए।

निगम अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री राठौड ने बताया कि 8 अक्टूबर 2022 को राजसी ठाट बाट से पैलेस ऑन व्हील का शुभारंभ किया गया था, अभी तक 300 से अधिक देशी विदेशी पर्यटक पैलेस ऑन व्हील में यात्रा कर शाही मेहमान नवाजी का लुफ्त उठा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि पैलेस ऑन व्हील के न्यू ईयर ट्यूर में भारत सहित 7 देशों के 53 पर्यटक यात्रा कर रहे हैं जिसमें अमेरिका के 16 भारत के 14 कनाडा के 12 इजराइल के 6 बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया के दो-दो एवं ब्रिटेन का एक पर्यटक शामिल है एवं निगम अध्यक्ष राठौड़ ने पैलेस ऑन व्हील्स में यात्रा कर पर्यटकों से फीडबैक भी लिया। निगम अध्यक्ष राठौड़ ने एक साल के कार्यकाल की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि एक साल में आरटीडीसी की माली हालत को सुधार कर पर्यटन के क्षेत्र में कई नवाचार किए हैं जिससे राज्य में पर्यटन को नई दशा और दिशा मिली है। उन्होंने बताया कि आरटीडीसी के कर्मचारियों को सातवां वेतन आयोग, आरजीएसएस स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ, सेवानिवृत्ति परिलाभो एवं बकाया वेतन का भुगतान किया गया है ।

यात्रियों का राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा पहनाकर व माल्यार्पण कर अभिनंदन किया।

राठौड़ ने बताया कि निगम द्वारा होटल सरोवर पुष्कर, केसल झूमर बावड़ी रणथंभोर, सिलीसेढ सरिस्का, होटल गोकुल नाथद्वारा, होटल गंणगौर जयपुर, होटल कजरी उदयपुर, होटल शिखर माउंट आबू, होटल खादिम अजमेर, होटल टाइगर डेन सरिस्का, होटल फॉरेस्ट भरतपुर के जीर्णोद्धार, नवीनीकरण एवं सुंदरीकरण के 13.18 करोड के निर्माण कार्य चल रहे हैं, इससे आरटीडीसी की होटलें नए लुक में नजर आएगी एवं निजी क्षेत्र की होटलों से परस्पर प्रतिस्पर्धा कर सकेगी।

इस अवसर पर वंशावली आयोग के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री राम सिंह राव अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री पवन गोदारा अजमेर डेयरी के सदर रामचंद्र चौधरी पूर्व विधायक डॉ श्रीगोपाल बाहेती पूर्व जिला प्रमुख रामस्वरूप चौधरी अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव शिव कुमार बंसल, नोरत गुर्जर, अजय कृष्ण तैंगोर विजय नागौरा पार्षद कपिल सारस्वत हेमंत जोधा सर्वेश पारीक गुल मोहम्मद मुन्नयर कायमखानी द्रौपदी कोली भरत जाटव यादव सैयद फैसल सोनल मौर्य देशराज मेहरा एडवोकेट सम्राट कोटडा लक्ष्मी बुंदेल दीपेश्वरी टाक अजमेर व्यापारिक महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र बंसल जय शंकर चौधरी देश राज मेहरा उमेश शर्मा चेतन पंवार महेंद्र जोधा आरिफ खान महेश ओझा सहित बड़ी संख्या में कांठोसियों एवं जनप्रतिनिधियों ने देसी विदेशी मेहमानों का बैण्ड बाजे के साथ अभिनंदन किया।

स्मैक के नशे की लत ने बनाया चोर

- पुलिस ने लूट के तीन व चोरी के एक आरोपी को पकड़ा

पाली, (निसं)। शौक पूरा करने के लिए मोबाइल लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों और चोरी के मोबाइल खरीदने के एक आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

डॉ. गगनदीप सिंगला ने बताया कि 29 दिसम्बर की शाम को पाली के बांगड़ हॉस्पिटल परिसर में जीएनएम ट्रेनिंग सेंटर के पास मोबाइल पर बात कर रही। स्टूडेंट भावना का मोबाइल बाइक पर आए तीन बदमाश लूटकर ले गए थे। इसी तरह 25 दिसम्बर की शाम को हाऊसिंग बोर्ड निवासी नीरज मंडिया रोड से घर की तरफ आ रहे थे। गांधी टेक्स्टाइल के पीछे उन्हें अकेला देख बाइक सवार युवक उनका मोबाइल लूटकर ले गए थे। पुलिस ने लगातार मोबाइल लूट की वारदातों को देख कोतवाली थाने की विशेष टीम गठित की जिन्होंने कैमरे के फुटेज की मदद से मामले में पाली के पुराना बस स्टैंड चारणियों का बास निवासी 22 साल के गौरव चारणिया पुत्र किशनलाल चारणिया, इन्द्रा कॉलोनी निवासी 27 साल के भवानी पुत्र नंदूसिंह रावणा राजपूत, सूरजपोल जटियों का बास निवासी 21 साल का हरीश नवल पुत्र अशोक कुमार नवल सहित चोरी के मोबाइल खरीदने के आरोपी पाली के निहारियों का मोहल्ला निवासी 20 साल के मोहम्मद अली पुत्र रफीक निहारिया को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने वारदात के दौरान जो बाइक उपयोग में ली वह भी चोरी की निकली जिसे जब्त किया गया। आरोपियों ने यह बाइक ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र से चुराई थी।

सर्दी ने ठिठुराया

छबड़ा (निसं)। कस्बे में इन दिनों शीतलहर चलने से सर्दी बढ़ गई है। वहीं अब घना कोहरा भी छाने लगा है। रविवार को 2023 के प्रथम दिन भी क्षेत्र में सुबह लगभग दस बजे तक घना कोहरा छाया रहा। जिससे वाहन चालकों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों सर्दी अपना प्रकोप दिखा रही है। तेज सर्दी से बेचने के लिए लोग गर्म कपड़ों का व सहारा का लेते नजर आ रहे है।

भाजपा ने भीड़ लाने के लिए ताकत झौंकी

जोधपुर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जन आक्रोश अभियान के तहत 2 जनवरी को जोधपुर शहर में विशाल सभा का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह नगर जोधपुर में भाजपा आक्रोश रैली के जरिए कार्यकर्ताओं में जोश फूंकने की कोशिश में है। 2 जनवरी को कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर आक्रोश सभा होगी। जिसमें केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और स्थानीय सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत और केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह मुख्य वक्ता होंगे।

सभा में ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर चिपकाए गए हैं, साथ ही आमजन को पत्रक और पीले चावल भी बांटे जा गए हैं। कांग्रेस सरकार के पिछले चार साल के कार्यकाल में प्रदेश की बिगड़ी हुई व्यवस्थाओं का आरोप लगाते हुए भाजपा पिछले 20 दिन से जनाक्रोश अभियान चला रही है। हर विधानसभा क्षेत्र में जन आक्रोश रथ यात्रा निकाली गई। अब सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर जनाक्रोश महासभा का शंखनाद कर रही है। भाजपा जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र जोशी के नेतृत्व में जिला पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं से सम्पर्क करने के साथ-साथ आमजन को पीले चावल देकर सभा में आने का निमंत्रण दिया गया।

घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

- रेत से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार महिला गम्भीर घायल हुई थी
- परिजनों शव को थाने के पास रखकर कस्बे से निकल रहे स्टेट हाईवे रोड को जाम कर दिया और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की

मांगरोल (निसं)। मांगरोल थाना क्षेत्र के गांव मौरडी में रेत से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली ने पीछे से चलते मोटर साइकिल के टक्कर मार दी जिसके कारण महिला गम्भीर घायल हो गई।

घायल अवस्था में परिजन स्वास्थ्य केन्द्र मांगरोल लाये जहां से डॉक्टरों ने उपचार कर गम्भीर घायल महिला को कोटा रैफर किया गया जहां उपचार के दौरान 31 दिसंबर शनिवार को महिला की मृत्यु हो गई। पीएम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजन शव लेकर मांगरोल पहुंचे जहां पर सैकड़ो युवा कार्यकर्ताओं ने महिला का शव थाने के पास रखकर कस्बे से निकल रहे स्टेट हाईवे रोड को जाम कर दिया। मृतक परिवार एवं युवा बुजुर्ग कार्यकर्ता पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे है, साथ ही ट्रैक्टर ट्राली व चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने मांग पर अडे हुए है।

महिला का एक्सीडेंट 27 दिसम्बर 2022 को गांव मौरडी में हुआ था। मृतक महिला कौशल बाई बैरवा (25) जिसके दो बालिका है एक तो एक महीने की दूसरी तीन वर्ष की। मृतक के परिवार वालों ने बताया कि उसके जेठ के साथ रामगढ़ माताजी के दर्शन करने मोटरसाइकिल बैठकर जा रही थी ट्रैक्टर वाले ने पीछे से ट्रैक्टर वाले ने टक्कर मार दी है जिससे महिला की इलाज के दौरान हुई पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए स्टेट हाईवे पर शव रखकर न्याय दिलाने में मृतक परिवार के एवं गांव वासी साथ में अंता पंचायत समिति के प्रधान प्रखर कौशल भाजपा देहात मंडल अध्यक्ष दिलीप मीणा और मांगरोल पंचायत समिति के डायरेक्टर रघुवीर गुर्जर बैठे।

लेकिन स्थानीय प्रशासन का एसडीएम अधिकारी ना तहसीलदार पुलिस प्रशासन के अंता उप अधीक्षक भी नहीं पहुंचे के गांव वासियों ने प्रमोद भाया के मुर्दाबाद के नारे लगाए पांच से रात की 7:30 बजे तक स्टेट हाईवे पर सुभाष सर्किल पर शव रखकर न्याय दिलाने के लिए बैठे रहे लेकिन कांग्रेस का एक भी नेता ने आकर आश्वासन नहीं दिया अभी तक समाचार लिखने तक अभी मामला जारी है।

हादसे में आरएसी के जवान की मौत

बीकानेर, (कासं)। लूणकरनसर राष्ट्रीय राजमार्ग-62 पर मलकीसर बस स्टैण्ड के समीप टैंकर व कार की आमने-सामने हुई जबरदस्त भिड़ंत में कार में सवार बीकानेर आरएसी की 10 वीं बटालियन में कार्यरत एक जवान की मौत हो गई।

हादसा संभवत: टैंकर के ओवरटेक से होना बताया जा रहा है। भाडेरां टोल प्लाजा एम्बुलेंस के ईएमटी रामलाल गोदारा ने बताया कि बीकानेर आरएसी की 10 वीं बटालियन में कार्यरत कांस्टेबल बीकानेर के करणीनगर निवासी महावीर सिंह (49) पुत्र मनोहर सिंह अपनी कार से महाजन की तरफ से बीकानेर की ओर आ रहे थे। इस दौरान राजमार्ग-62 पर शाम करीब 5.30 बजे मलकीसर बस स्टैण्ड से आगे एक टैंकर ने ओवरटेक करते समय कार को टक्कर मार दी।

हादसे में कार में सवार कांस्टेबल महावीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही एम्बुलेंस से लूणकरनसर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती करवाया गया।

जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। टक्कर से कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। लूणकरनसर थानाधिकारी चन्द्रजीत सिंह भाटी ने बताया कि मृतक पुलिस मोटर ड्राईविंग स्कूल में प्रतिनियुक्ति पर बताया जा रहा था।

सालासर बालाजी में भक्तों ने नववर्ष का जश्न हर्षोल्लास के साथ मनाया

रविवार शाम तक दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या एक लाख तक पहुंच गई

- रात के 12 बजते ही देश के कोने-कोने से आए भक्तों ने बालाजी को हैपी न्यू ईयर कहते हुए आतिशबाजी की

सुजानगढ़, (कासं)। नववर्ष 2023 का जश्न सालासर बालाजी नगरी में भक्तों ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। रात के 12 बजते ही सालासर की गलियों में देश के कोने-कोने से आए भक्तों ने बालाजी को हैपी न्यू ईयर कहते हुए आतिशबाजी की।

इससे पहले सालासर की गली-गली में हनुमान चालीसा की चौपाइयों के साथ भक्तों ने भजनों का समा बांधा। सालासर के लक्ष्मणगढ़ बाईपास पर स्थित अयोध्या भवन में बालाजी का दरबार सजाया गया। यहां पर श्रीबालाजी संघ चंडीगढ़ के सेवादारों ने बालाजी की ज्योत जलाई। इसके बाद प्रसिद्ध भजन गायकार कन्हैया मित्तल ने अपने भजनों से उपस्थित श्रोताओं को एक धागे में पिरो दिया। मित्तल ने 'बालाजी आछा लाग स...', 'जो राम को लाए हैं हम उनको लायेंगे...', भक्तों को नाचने पर मजबूर कर दिया। जय पुजारी के सानिध्य में हुई भजन संध्या में भंवरलाल पुजारी, रविशंकर पुजारी, मनोहर पुजारी, अंकित पुजारी, निलेश पुजारी सहित पुजारी परिवार के सदस्य मंच पर मौजूद रहे।

रात 1 बजे से लगी कतार में शाम तक भक्तों की रही रेलमपेल: नववर्ष 2023 के स्वागत में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली व अन्य प्रदेशों से आए भक्तों ने मंदिर के सामने हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद 1 बजे पट खुलते ही मेला ग्राउंड में यात्रियों की भीड़ लग गई। हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष यशोदानंदन पुजारी ने बताया कि रात भर में 50 हजार से ज्यादा भक्तों ने सालासर बालाजी के दर्शन किए। रविवार शाम तक दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या एक लाख तक पहुंच गई। सालासर आए भक्तों की सेवा में जगह - जगह भंडारे भी लगाए गए। अंजनी माता मंदिर रोड, सालासर बालाजी मंदिर के पास दूध, चाय, खाने के लिए संघों द्वारा भंडारे लगाए गए।

सालासर में नववर्ष की पूर्व संध्या पर आयोजित भजन संध्या में भीड़ उमड़ पड़ी।

सालासर बालाजी मंदिर प्रवेश द्वार के बाहर सेल्फी लेने वाले यात्रियों की भीड़ दिखी। सालासर आए भक्तों ने सेल्फी व रील्स बनाकर सोशल साइट पर अपलोड किए।

100 पुलिसकर्मियों ने संभाली भक्तों की सुरक्षा की कमान: नववर्ष पर सालासर में आए भक्तों की सुरक्षा में 100 पुलिस कर्मियों का जाप्ता मंदिर व सालासर में चप्पे - चप्पे पर तैनात रहा। थानाधिकारी संदीप विश्नोई रात भर पुलिस कर्मियों के दल के साथ गश्त कर यात्रियों को दर्शन करवा रहे थे। सालासर बालाजी मंदिर में निजी गार्डों ने दर्शन करवाने में सहयोग किया।

संक्षिप्त

अयोध्या हनुमानगढ़ी के संतों का स्वागत

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के महाराज ज्ञान दास महाराज की बगीची में महाराज श्री श्री 1008 ज्ञानदास के नेतृत्व में अयोध्या हनुमानगढी से संतों के आगमन पर पुष्पवर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया। यहां धर्म सभा में मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य को सदैव अच्छे कार्य करने चाहिए। दीन की सेवा करनी चाहिए। कभी किसी प्राणी को नहीं सताना चाहिए। कुछ समय साधु संतों की सेवा में लगाना चाहिए। प्रभु को कदापि नही भूलना चाहिए। साधु संतों की संगति मे रहकर ही मनुष्य का कल्याण संभव है। इस मौके पर अयोध्या हनुमानगढी से पधारे संतों ने आभार व्यक्त करते हुए विश्व में फैल रही कोरोना महामारी की रोकथाम और जनकल्याण के लिए भगवान से प्रार्थना की और भक्तजनो को आशीर्वाद प्रदान किया।

भजन संगीत का आयोजन किया

निवाई, (निसं)। गांव झिलाय के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर भजन संगीत नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें दुर्गेश कुमार व उनकी टीम ने सभी महिलाए, पुरुष, बालक-बालिकाओं को भजनों की भक्ति पर जमकर भक्ति नृत्य किया। ज्यौ ही नव वर्ष का प्रारंभ होने लगा तो नव वर्ष का मंगलमय आनंदकारी शुभकारी की भावना के साथ जिनेन्द्र भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में समाज के प्रत्येक परिवार से प्रत्येक सदस्य मंदिर में उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रतिदिन होने वाली सामूहिक आरती के बाद सामूहिक भक्तामर स्त्रोत का एक पाठ एवं प्रतिदिन करने वाले 16 महिला व बालक बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कमलेश मित्तल, रमेश जैन, जितेंद्र कंसल, प्रहलाद मित्तल, संजय मित्तल, पंकज बोहरा, प्रसन्न बोहरा सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

पीएम मोदी की मां को श्रद्धांजलि

पावटा, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन के निधन की खबर से पूरे देश में शोक का माहौल है। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में पूर्व विधायक डॉ. फूलचन्द भिंडा सहित भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने हीराबेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पूर्व प्रदेश महामंत्री कुलदीप धनकड ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की माता हीराबेन के निधन से गहरा दुख पहुंचा है। हीराबेन उदारता, सादगी, परिश्रम और जीवन के उच्च मूल्यों की प्रतिमान थीं । उनका त्यागपूर्ण तपस्वी जीवन हमेशा याद रहेगा। वही पावटा प्रधान पूजा चौधरी, प्रतिनिधि जगन चौधरी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कैलाश ताखर, हरि प्रसाद बल्लीवाल ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की मां हीराबेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस मौके भाजपा पदाधिकारियो व कार्यकर्ताओं सहित भाजपाई मौजूद रहे।

अवैध हथियार तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अवैध हथियार तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी सवाई सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की जयपुर ग्रामीण एसपी मनीष अग्रवाल ने अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त करने वाले लोगों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये थे। जिसकी पालना में थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर नौजवान युवाओं को अवैध हथियार उपलब्ध करवाने के आरोप में अंकित उर्फ मोनू पुत्र मुखराम यादव निवासी ग्राम खेड़ा श्यामपुरा, बानसूर हाल निवासी ढ ाणी खागाली, नई सडक बानसूर को बानसूर ईलाके से ही दस्तयाब करते हुए आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है।

अलाव की व्यवस्था कराने की मांग

सांभरझील, (निसं)। पब्लिक राइट एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाललाल नोगिया ने शीत लहर से बचाव के लिए स्थानीय प्रशासन से जगह पर अलाव की व्यवस्था करवाने की मांग की है। इसके लिए उनकी ओर से उपखंड अधिकारी जयंत चौधरी को इस आशय का एक पत्र सौंपा गया है। प्रशासन से मांग की गई है कि नगरपालिका की तरफ से नया बस स्टैंड, पांच बत्ती चौराहा, तेली दरवाजा, धानमंडी, छोटा बाजार, रेलवे स्टेशन के आसपास जितने भी चौराहे हैं वहां पर अलाव की व्यवस्था की जाए जिससे बेसहारा लोगों व लावारिस जानवरों को ठंड के प्रकोप से बचाया जा सके। अल सुबह काम पर आने जाने वाले आम आदमी को भी इस से राहत मिलेगी।

बीपीसीएल डिपो में फायर मॉक ड्रिल कर सुरक्षा को जांचा

बोराज, (निसं)। कस्बे के भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के जोबनेर संस्थापन में आपदा नियंत्रण प्रबंधक योजना के तहत फायर मॉक ड्रिल का प्रदर्शन किया गया। फायर मॉक ड्रिल के दौरान प्रोडक्ट पाइप लाइन के गैसकिट रेपचर में लीकेज और बाद में आग लगने के कारण हुई दुर्घटना को विभिन्न अग्निशामक यंत्रों के उपयोग से आग बुझाने का अभ्यास किया गया।

इस मॉक ड्रील में विभिन्न अग्निशामक यंत्रों का कुशलतापूर्वक प्रयोग करते हुए आग पर काबू पाया गया। उपरोक्त अभ्यास में बीपीसीएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दर्शाया कि यदि कभी वास्तविक रूप में ऐसी दुर्घटना घटती है तो हम अपने उच्च संसाधनों में निपुणता का प्रयोग करते हुए किसी आपदा पर नियंत्रण करने की क्षमता रखते हैं। सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक जुल्फीकार खान एसएचओ दूदू जयप्रकाश, एचपीसीएल बगरू से अमित कुमार गंगवार, आइओसीएल चाकसू से फतेह कुमार सोलंकी, एलपीजी प्लांट जयपुर से तेजस्वी सिंह राठौड अपने विभाग के प्रतिनिधि के रूप में पहुंचे। इस दौरान सभी अधिकारियों ने अपने अपने सुझाव दिए एवं मार्गदर्शन किया। मुख्य प्रबंधक गुरिंदर दुआ ने सभी आगंतुकों को धन्यवाद किया और संस्थापन के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को निपुणता पूर्वक कार्य के लिए बधाई दी तथा निरंतर प्रयास व अभ्यास की आवश्यकता पर बल दिया।

- विभिन्न अग्निशामक यंत्रों का कुशलतापूर्वक प्रयोग कर आग पर काबू पाया

आपदा नियंत्रण प्रबंधक योजना के तहत फायर मॉक ड्रिल का प्रदर्शन किया गया।

25वीं पदयात्रा में उमड़े श्रद्धालु

निवाई, (निसं)। पीपलू में स्थित श्रीचारभुजानाथ मंदिर से भैरवनाथ बाबा के दर्शनों के लिए धूमधाम से 25वीं बार पैदलयात्रा रवाना हुई। पदयात्री शिवराज विजयवर्गीय ने बताया कि श्रीजी मंदिर में पूजा अर्चना एवं दर्शन कर झांकी के साथ पैदलयात्रा रवाना हुई। पैदलयात्री हाथों में धर्म ध्वजा, नारियल, अगरबत्ती, प्रसाद, लड्डू, बाटी-बाकला लेकर भैरव बाबा के दर्शनों के लिए रवाना हुए।

यात्रा में डीजे पर चल रहे भजन रींगस का भैरूंजी थारो देवरो, बनी का भैरवनाथ, थारी महिमा है अपार, भैंरू मतवाला, भैरूजी नाना रे नाना थारे बाजे रे घुघरा सहित कई भैरव देव के भजनों पर बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं- पुरुष एवं युवकों ने उत्साह के साथ जमकर नृत्य किया। करीब तीन घंटे में नाचते-गाते, जयकारें लगाते हुए 3 किमी पैदल चलकर भैरव बाबा के दरबार में पहुंचे।

जहां श्रद्धालुओं ने महाआरती करके कतारबद्ध होकर बाबा की फूलों से श्रृंगारित झांकी के दर्शन कर मन्नोतियां मांगी साथ ही निशान ध्वज चढ ाए। इस दौरान भैरवनाथ सेवा समिति की ओर से पौषबडा महोत्सव का आयोजन भी हुआ। समिति अध्यक्ष राजाराम चौधरी ने बताया कि पुजारी हरिओम पाराशर ने प्रसादी का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को वितरित की। इस दौरान राधेश्याम पाराशर, राजेश गौड, महेन्द्रसिंह, सौरभ, रवि, दिनकर विजयवर्गीय, सौरभ शर्मा, जगदीश आचार्य आदि शामिल हैं।

शिविर में 253 रोगियों की जांच

खैरथल, (निसं)। स्थानीय अग्रवाल समाज की ओर से सामाजिक सरोकार के तहत नववर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को लगाए गए मेगा निशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर में 253 रोगियों को जांच, उपचार व दवाएं दी गई तथा 6 रोगियों का आपरेशन होगा।

संस्था के सचिव प्रमोद सिंघानिया ने बताया कि अग्रवाल भवन मातौर रोड पर सुबह 11 बजे से शुरू हुए शिविर में रोग विशेषज्ञ डाक्टरों डॉ दीपेंद्र शेखावत, डॉ संदीप तंवर, डॉ भगवान सिंह चौधरी, एव उनकी टीम द्वारा 253 रोगियों की निशुल्क जांच एवं परामर्श के साथ दवाईयां भी दी गई। जबकि 6 रोगियों को आपरेसन के लिए जयपुर भेजा गया। प्रारंभ में अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल के साथ समाज के लोगों व अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में मुख्य रूप से नाक कान गला, मूत्र रोग, हड्डी रोग, हर्निया, पाइल्स, अपेंडिक्स गुर्दे में पथरी आदि के साथ जनरल फिजिशियन डाक्टर दूरबीन व आधुनिक यंत्रों से जांच की गई।

इस अवसर पर समाज के संस्थान के दामोदर गोयल, महावीर गर्ग, ओमप्रकाश गोयल पाटन वाले, ओमप्रकाश अग्रवाल, चिंतामणि अग्रवाल, रमेशचंद गोयल, अशोक बंसल, सुरेश चंद कमानिया, दिनेश गर्ग, घनश्याम गोयल, पूर्णचंद गर्ग, कैलाश जी आदि शामिल रहे।

सट्टा लगाते एक गिरफ्तार

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने कस्बे के बानसूर रोड स्थित धर्म कांटा के पास कार्यवाही करते हुए सट्टा लगाते एक युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकरी के अनुसार अमन (20) पुत्र सुरेश चंद आर्य निवासी वार्ड नं. 29 मौहल्ला बडाबास बिना किसी लाईसेंस के सट्टा लगा रहा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके पास से 370 रूपये की नकदी, जुआ सामग्री, सट्टा पर्ची व एक डायरी में लगा सट्टे का हिसाब भी बरामद किया है।

भक्तों ने भगवान की झांकी सजाकर पौष बड़ा का आनंद लिया

चाकसू, (निसं)। नववर्ष के उपलक्ष में उपखंड क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में रविवार को भक्तों ने भगवान की झांकी सजाकर भजन कीर्तन कर पौष बडा का आनंद लिया। उपखंड क्षेत्र के टोंक रोड स्थित शिवदासपुरा के प्राचीन लक्ष्मी जगदीश मन्दिर के प्रांगण में श्री श्याम सेवा संस्था के सानिध्य में श्याम भजन कीर्तन का किया गया।

आयोजन में हजारों की तादाद में श्याम प्रेमियों ने श्याम भजनामृत का आनंद लिया जहां श्याम के भजनों का जादू भक्तों को नाचने झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान शिवदासपुरा के व्यापारी मंडल द्वारा स्वेच्छा से अपने सभी दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। पुजारी रामशरण पंडा एवं ओमप्रकाश पंडा द्वारा लक्ष्मी जगदीश की बडी मनमोहक झांकी सजाई गई जो भक्तों के अंतर मन तक छू गयी।

भजन कीर्तन के बाद महापौष बडों का भगवान को भोग लगाया गया। इसके बाद हजारों की संख्या में भक्तों ने पौष बडों का पंगत प्रसादी का आनंद लिया। इस दौरान सरपंच उदयनारायण मीना सहित कई जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। वही कस्बे के नीलकंठ रोड स्थित श्री नीलकंठ हनुमान मंदिर हनुमान महाराज का विशेष श्रृंगार कर भजन कीर्तन के कार्यक्रम हुए। भगवान को भोग लगाकर षौष बडा पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया। इसमें उपखंड क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने भागीदारी निभाई।

- हजारों भक्तों ने पाई प्रसादी व लिया भजनामृत का आनंद

हजारों की संख्या में भक्तों ने पौष बड़ा पंगत प्रसादी पाई।

नववर्ष पर चाय एवं बिस्किट वितरण किये

टोंक, (निसं)। आल इण्डिया पैगाम में इंसानियत फोरम शाखा टोंक की ओर से नववर्ष के प्रथम दिवस पर रविवार को केन्द्रीय बस स्टेण्ड टोंक पर चाय एवं बिस्कीट वितरण का कार्यक्रम आमजन हेतु आयोजित किया गया।

फोरम के जिला संयोजक मौलाना वसीम नदवी ने बताया कि इस अवसर पर पैगाम इंसानियत फोरम टोंक की ओर से बस स्टेण्ड से विभिन्न स्थानों पर आने जाने वाले यात्रिगणों एवं आमजन को नि:शुल्क चाय एवं बिस्किट का वितरण कर आमजन की सेवा की गई। इस अवसर पर मौलाना वसीम ने अपने विचार अभिव्यक्त करतें हुये कहा कि महात्मा गांधी के विचारों को दृष्टिगत रखते हुये संस्था आमजन की सहायतार्थ 2017 से कार्य कर रही है एवं इंसानियत की सेवा कर रही है। मौलाना वसीम नदवी ने कहा कि आज के युग में अपना भला तो हर कोई देखता है, पर जो दूसरों का भला भी देखता हुये चले वही सही मायनें में भला इंसान है। अपनीं यात्रा के दौरान कार्यक्रम में शामिल हुये जहाजपुर के पण्डितजी नें संस्था द्वारा आयोजित किये गये कार्यक्रम की तारीफ की एवं सभी को एकता एवं भाईचारे से रहनें का संदेश दिया। उन्होनें अपनें संदेश में कहा कि इंसान से इंसान का भाईचारा यही पैगाम है हमारा।

कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन रईस अहमद एडवोकेट द्वारा किया गया। इस अवसर पर नफीस अंसारी, अब्दुल रशीद भाई, मोहम्मद जावेद, शाकिर भाई, नासिर भाई एडवोकेट, अहमद एडवोकेट, सत्यनारायण जाट रा.रा.प.प.नि., मोहम्मद आदिल रा.रा.प.नि., शाहिद भाई नेशनल ई मित्र, अदनान, अताउल्लाह नदवी, शाहिद मिर्जा, वसीम आदि संस्था के वालेन्टियर्स मोजूद रहे।

आल इण्डिया पैगाम इंसानियत फोरम शाखा टोंक की ओर से नववर्ष के प्रथम दिवस चाय एवं बिस्किट वितरण कार्यक्रम हुआ।

सावित्री बाई की जयंती तीन को

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित सैनी सभा भवन में रविवार को सैनी विकास संगठन व महात्मा ज्योतिबा फुले जन जागृति विकास मंच के तत्वाधान में बैठक आयोजित हुई। जिसमें आगामी 3 जनवरी मंगलवार को सावित्री बाई फुले की जयंती बडे ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर पौषबडा कार्यक्रम का आयोजन भी किया जायेगा। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष बबलू बबेरवाल, मंच के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र सैनी, जगदीश प्रसाद सैनी, पूरणमल भगतजी, रामजीलाल सैनी, पूर्व पार्षद भीखाराम सैनी, पप्पूराम बायलान, रामस्वरूप, दौलतराम मुनीम, रामावतार मिस्त्री, लीलाराम, ओमप्रकाश व राधेश्याम सैनी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

हेमू कालाणी जन्मशताब्दी जन जागरण यात्रा पहुंची किशनगढ़बास

किशनगढ बास, (निसं)। भारतीय सिंधु सभा राजस्थान की ओर से निकाली गई हेमू कालाणी जन्म शताब्दी वर्ष जन-जागरण रथ यात्रा रविवार को किशनगढ बास पहुंची। रथ यात्रा का संत कंवर राम हरि मंदिर में पूज्य सिंधी पंचायत सोसायटी के पदाधिकारियों व महिलाओं ने स्वागत किया। इसके पश्चात कस्बे के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, अलवर रोड पर भी लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

यात्रा में आए रथ की खास बात यह थी उस पर सिन्धी समाज के 26 क्रांतिकारियों के फोटो भी प्रदर्शित किए गए। रविवार को दोपहर करीब 2 बजे यात्रा खैरथल रोड महावर भवन के बाहर पहुंची यहां सिंधी समाज के प्रतिनिधियों ने अगवानी की एवं हेमू कालानी अमर रहे के नारे लगाए।

स्वागत के दौरान किशनगढ बास सिंधी पंचायत के मुखी श्रीचंद भूटानी, बाबा बाबू लाल , परमानंद लखयाणी दौलत भारती, कमलेश पमनानी, दिलीप भगत, पार्षद ज्योति बत्रा, रूपचंद, प्रभु दयाल, मुरलीधर, जनेश भूटानी, डॉ भोजपुरी गोस्वामी, जतिन लालवानी, लक्ष्मण दास, गोकुलदास, धारी, राजेश कामदार, मनीष गनवानी, हीरू हरवानी, नरेश, सुरेश, लोकेश, राजा, बसंत, राजू अनिल कामदार, दीपक, सुनील, कन्हैया मनीष समाज गणमाय लोग मौजूद थे।

इस अवसर पर रैली में हेमू कालाणी का जीवन परिचय, फोल्डर, रंगीन स्टीकर टोपी, दुपट्टा महामंडलेश्वर हंसराम साहिब की प्रेरणा से सिंधु चिन्ह के रंगीन स्टिकर व ध्वज का वितरण किया गया रैली में एक झांकी हेमुकालाणी व भारत माता की भी साथ चल रही थी। यात्रा के साथ चल रहे सिंधू सभा के राष्ट्रीय मंत्री महेंद्र कुमार तीर्थनी ने बताया 31 मार्च 2023 को भोपाल में राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें राष्ट्रीय श्रम संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत शिरकत करेंगे वही किशनगढ बास से गुजर रही यात्रा प्रदेश के 28 जिलों में 5000 किलोमिटर का सफर करेगी। राष्ट्रीय मंत्री महेंद्र कुमार तीर्थनी ने ने बताया कि युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ ाने के लिए प्रेरित किया प्रशासनिक परीक्षा की तैयारी के लिए भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास की ओर से जयपुर में सिंधू धाम बनाया जाएगा। यात्रा के साथ महेन्द्र कुमार तीर्थाणी राष्ट्रीय मंत्री भारतीय सिंधु सभा, ईश्वर मोरवाणी, प्रदेश महामंत्री, मूलचंद बसंताणी प्रदेश प्रचार प्रभारी,कमल राजवाणी उपाध्यक्ष जयपुर मौजूद रहे।

- सिंधी समाज ने किया भव्य स्वागत, सिंधु चिन्ह व ध्वज का वितरण
- मुख्य मार्गों से निकाली गई रथ यात्रा

हेमू कालाणी जन्म शताब्दी जन जागरण यात्रा के दौरान सिंधु चिन्ह व ध्वज का वितरण किया।

सार-समाचार

अक्षय का आईईएस में 16वां स्थान

चौमूं, (निसं)। यूपीएससी की ओर से हाल ही में जारी इंजीनियरिंग सर्विस के परिणाम में मुरलीपुरा जयपुर निवासी अक्षय कुमार ने देशभर में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में 16वां स्थान प्राप्त करने पर चौमूं नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष अर्चना कुमावत ने अक्षय का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया व मुंह मीठा करवाया। अक्षय वर्तमान में बीएसएनएल में जेटीओ के रूप में महाराष्ट्र में कार्यरत है। अक्षय ने मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल से अपनी इंजीनियरिंग की पढ ाई पूरी की है। इनके पिता महेश चंद्र चेजारा राजस्थान सरकार के कृषि विभाग में उप निदेशक के पद पर कार्यरत हैं व भाई डॉ. अजय कुमावत राजस्थान सरकार के चिकित्सा विभाग में मेडिकल ऑफिसर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनकी मां राधा देवी व पत्नी नेहा कुमावत ग्रहणी है। इस मौके पर जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी में डिप्टी एचओडी के रूप में कार्यरत डॉ. जितेंद्र कुमावत, किड्स इडन अकैडमी के डायरेक्टर तुलसी राम कुमावत, अंजू कुमावत व निक्की कुमावत सहित काफी लोग मौजूद थे।

ईमानदारी का परिचय दिया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे में किसी महिला का पर्स गिर गया जो राह चलते भीम आचार्य पुत्र लक्ष्मण आचार्य वार्ड नंबर 27 को सिनेमा हॉल वाली गली के चौराहे पर मिला। वहीं पति पत्नी पर्स को ढूंढ ते हुए निकल रहे थे कि राह चलते भीम आचार्य ने बताया कि किसी का पर्स गिर गया जिस पर लोग इकट्ठे हो गए। तभी उधर से पवन कुमार कुमावत वार्ड नंबर 12 मंगल कॉलोनी ने बताया कि मेरी पत्नी बाजार जा रही थी तभी पर्स कहीं गिर गया की सूचना दी। इसमें 1150/रु नगद व अन्य कागजात थे। जिनको भीम आचार्य ने कुमावत को लौटा कर ईमानदारी का परिचय दिया है।

दो जैन सन्तों का केशलोचन

निवाई, (निसं)। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में रविवार को सन्त निवास नसियां जैन मंदिर में राष्ट्रीय सन्त आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं जैन मुनि चिन्मय सागर महाराज का केंशलोचन समारोह आयोजित किया गया। इसमें राष्ट्र गौरव सहित दो जैन सन्तों का केंशलोचन किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व पवन बोहरा ने बताया कि रविवार को सन्त निवास पर जैन समाज के श्रद्धालुओं के बीच जैन संतो ने अपने हाथों से सिर एवं दाडी मूछे के बालों को उखाडकर फेंक दिया गया जो एक संयम एवं वैराग्य का प्रतीक है। केंशलोचन समारोह में श्रद्धालुओं ने णमोकार महामंत्र पूजा अर्चना एवं महावीर चालीसा का पठन किया। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने संबोधित करते हुए कहा कि दिगम्बर साधु वही बन सकता है जो निर्ममत्व भाव को जगाता है। जो अंतरंग और बहिरंग दोनों प्रकार के परिग्रह से रहित होता है वह ही नगनत्व को धारण करने में समर्थ होता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान ध्यान की साधना में रत रहते हुए अपने अठ्ठाइस मूलगुणों का पालन करते हैं जिसमें से केंशलोचन भी एक है केंशलोचन का तात्पर्य है अपने हाथों से अपने सिर दाढ ी व मुंछ के बालों को उखाडकर फेंक देना वैराग्य व शरीर के प्रति निर्ममता का अनूठा उदाहरण है।

पोषबड़ा महोत्सव का आयोजन

निवाई, (निसं)। शहर में घाटी वालों के मोहल्ले में स्थित श्री घास भैरूजी महाराज के मंदिर में रविवार को श्री घास भैरूजी नवयुवक मंडल एवं मोहल्लावासियों द्वारा विशाल पोषबडा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड पडा। समिति के सदस्य लोकेश बैरवा ने बताया कि घास भैरूजी की कृपा से विशाल पोषबडा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी व अध्यक्षता कर रहे राकेश जैन व पार्षद नितिन छाबडा द्वारा भैरूजी महाराज के पोष बडों का भोग लगाकर किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि पोषबडा महोत्सव सहित कई धार्मिक अनुष्ठानों से आपस में भाईचारा बढ ता है। पोषबडा महोत्सव को लेकर घास भैरूजी महाराज के चौला चढ ाकर आकर्षक झांकी सजाई गई। इस दौरान अनेक धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन करके भैरूजी के पोषबडा का भोग लगाकर महाआरती कर प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर एससी मोर्चा अध्यक्ष लोकेश बैरवा, कमलेश बैरवा, हेमराज, मनीष, रामबाबू, धर्मराज, कमलेश व कमल सहित समस्त वार्ड वासी मौजूद थे।

दौसा सांसद से शिष्टाचार भेंट

चाकसू, (निसं)। श्री राजपूत सभा जयपुर के अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल लोकसभा क्षेत्र दौसा सांसद जसकौर मीणा से शिष्टाचार भेंट की एवं महाराणा प्रताप का स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर विशेष चर्चा की गई। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष हेम सिंह राठौड, चंदलाई सरपंच अनिरुद्ध सिंह, अर्जुन सिंह हिंगोनिया एडवोकेट राजस्थान भाजपा विधि प्रकोष्ठ जयपुर जिला दक्षिण संयोजक मौजूद रहे।

नववर्ष की दी शुभकामनाएं

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा कस्बे में नववर्ष पर जगह-जगह अनेक कार्यक्रम आयोजित कर धूमधाम से मनाया गया। वहीं 31 दिसंबर 2022 की रात्रि 12 बजे वर्ष 2022 को विदा करते हुए सब ने पटाखे चलाकर नववर्ष 2023 का अभिनंदन किया। एक दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही अपने-अपने सामर्थ्य के अनुसार नये साल का अभिनंदन किया। जिसके अंतर्गत किसी ने होटल, चर्च, तो किसी ने अपने कॉलोनियों में एकत्रित होकर केक काटकर नववर्ष का जश्न मनाया, साथ ही एक-दूसरे को शुभकामनाएं दी। नई उर्जा नये जोश के साथ संकल्प लेकर नव वर्ष का स्वागत किया।

अंजलि यादव का स्वागत किया

बहरोड/मुंडावर, (निसं)। अलवर जिले की मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के शाहजहांपुर कस्बे के नजदीकी ग्राम दाधिया में आयोजित 21वीं बाबा जोहड वाला क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची महिला नेत्री डॉक्टर अंजली यादव का क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने डीजे सहित बाइक रैली निकालकर महिला नेत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र फौजी तथा कार्यक्रम अध्यक्ष समाजसेवी मास्टर गिर्राज एवं विशिष्ट अतिथि यादव समाज मुंडावर उपाध्यक्ष जगदीश मास्टर, जिला पार्षद संदीप फौलादपुरिया, सरपंच मेहर चंद शर्मा गादुवास, प्रिंसिपल रामफल का प्रधानाचार्य गादूवास, मुकेश दाधिया, महेंद्र पाल ट्रांसपोर्टर, पीएनबी मैनेजर चंद्रभान, प्रधानाचार्य सुधीर एवं सरपंच अजीत यादव यादव समाज अध्यक्ष मुंडावर एवं कमेटी के समस्त लोगों का आभार प्रकट किया। वहीं क्रिकेट प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 21000 रुपए का इनाम प्राणपुरा की टीम को तथा द्वितीय पुरस्कार 11000 रुपए रनर अप मिर्जापुर की टीम को देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के गणमान्य लोगों सहित क्षेत्र के समाजसेवी, जनप्रतिनिधि तथा ग्रामवासी एवं क्रिकेट कमेटी सहित क्रिकेट टीमों के खिलाडी उपस्थित रहे।

मुख्य रास्ते में हो रहे कीचड़ से परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुण्डावरा में रैगरों के मोहल्ले में मुख्य रास्ते में हो रहे कीचड को लेकर रविवार को दर्जनों पुरुष और महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि काफी समय से एससी मोहल्ले के रास्ते में कीचड होने से ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी हो रही हैं। सरपंच को कई बार समस्या से अवगत कराने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई हैं। जबकि यह रास्ता अजबपुरा, कानपुरा, चोलिया की ढाणी, खारिया की ढाणी, सालिया की ढाणी को जोडता हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा अभी तक वार्ड 5 में कोई विकास कार्य नहीं कराया गया, जिससे वार्डवासियों में रोष बना हुआ हैं। वही रास्ते में गंदा पानी और कीचड जमा होने से मच्छर पनप रहे हैं। इससे मोहल्लेवासियों में बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि नाला निर्माण का कार्य शुरू हो उसके लिए मोहल्ले का गंदा पानी सडक पर न फैले इसके लिए करीब एक माह पहले ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा 13 फीट गहरा गड्ढा भी खुदवाया था और नाला और सीसी सडक निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से खोदे गए गड्डे में आये दिन मवेशी गिर कर घायल हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जल्दी सीसी व नाला निर्माण नहीं किया गया तो ग्राम पंचायत कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया जायेंगा।

रास्ते में गंदा पानी और कीचड़ जमा होने से परेशान ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया।

■ सरपंच को कई बार समस्या से अवगत कराने के बाद भी स्थिति जस की तस

इधर सरपंच दयाराम सैनी ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा नाला और सीसी सडक निर्माण कार्य स्वीकृत करा दिया गया लेकिन ग्रामीणों द्वारा घरों का गंदा पानी नहीं रोकने के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा रहा। इस मौके पर रोहिताश बलाई, सीताराम रैगर, दुष्यंत रैगर, प्रदीप बलाई, ओमप्रकाश रैगर, महेश बाकोलिया, राजेन्द्र प्रसाद, गीता, सरिता देवी, कोशल्या देवी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त

ट्रेक्टर-ट्रोली पलटी, चालक की मौत

मालपुरा, (निसं)। जयपुर भीलवाडा स्टेट हाईवे के मालपुरा केकडी सडक मार्ग पर शनिवार की देर रात इंदोली प्रतापपुरा के पास सिमेन्ट से भरी एक ट्रेक्टर-ट्रोली अनियंत्रित हो सडक किनारे गड्ढे में पलटी खा जाने से चालक की दर्दनाक मौत हो गई। शनिवार की रात हुए हादसे के दौरान केकडी से मालपुरा आ रहे पूर्व संसदीय सचिव शत्रुघ्न गौतम ने अपनी गाडी रोक मानवता का परिचय देते हुए मालपुरा थाना पुलिस को सुचित कर मौके पर क्रेन मंगवा ट्रेक्टर-ट्रोली को गड्ढे से निकाल सिमेन्ट के कट्टो के निचे दबे चालक को गंभीर हालत में मालपुरा अस्पताल मे भर्ती करवाया। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर घायल ट्रेक्टर चालक बैजनाथ गुर्जर निवासी तांतिया को मृत घौषित किया। रविवार की सवेरे पोस्टमार्टम कर शव परिजनो को सौंपा गया।

सर्दी ने दिखाया रंग, जलने लगे अलाव

निवाई, (निसं)। पिछले 3 दिनों से शीत लहर के चलने से ठिठुरन बढ गई है। सर्दी के बढ ने के साथ ही दिन व रात के तापमान में भी भारी गिरावट आ गई है। दिनभर शीत हवा चलती रहती रही। जिसके चलते लोगों को दिन में भी ऊनी कपडे पहनने पडे। किसानों ने बताया कि सर्दी के बढ ने से तापमान में गिरावट आ गई है जिससे फसलों को फायदा होगा। सर्दी के बढ ने से रात के तापमान में भारी गिरावट हो गई है और रात के समय ओस भी गिरने लगी है जिसके चलते जमीन में नमी बढ ने लगी है जो फसलों के लिए काफी फायदेमंद है। सर्दी की ठिठुरन मिटाने के लिए जगह-जगह लोग अलाव जलाकर बैठे नजर आने लगे है। सर्दी के बढ ने के साथ ही ठिठुरन मिठाने के लिए लोग शहर में स्थित चाय की होटलों पर चाय की चुस्कियां लगाते नजर आए। सर्दी के मेवे गजक, मूंगफली, पिण्ड खजूर, चीक्कू जैसे गर्म खाद्य पदार्थो की बिक्री परवान पर रही।

सामुदायिक भवन का लोकार्पण

चौमूँ, (निसं)। ग्राम पंचायत हस्तेडा के विजयनगर जोगियों की ढ ाणी में विधायक कोष से 500000 की लागत से बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण विधायक रामलाल शर्मा और पंचायत समिति गोविंदगढ प्रधान रामस्वरूप यादव ने किया। स्थानीय निवासियों द्वारा लोकार्पण समारोह में पधारे अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। इस मौके पर भाजपा देहात मंडल कालाडेरा अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा, पूर्व प्रधान महेश मीणा, किसान मोर्चा अध्यक्ष अमरचंद निठारवाल, कानाराम देवनदा, सीताराम योगी, अशोक कुमार योगी, सुनील पारीक, सुवालाल योगी, माल नाथ, जग्गू नाथ, नाथू नाथ, हरीनाथ, सीताराम, जोरूनाथ सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रामकुंवार मालुणी ब्लॉक अध्यक्ष

मालपुरा, (निसं)। सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था के मालपुरा ब्लॉक अध्यक्ष चयन के लिए हुए चुनाव में रामकुंवार मालुणी को सर्वसम्मति से सैनी समाज कर्मचारी एवं विकास संस्था का ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया तो जगदीश सैनी भास्कर को सचिव मनोनीत किया गया। भागचन्द सैनी को कोषाध्यक्ष, खेमराज सैनी, रामनिवास गढ वाल, बालकिशन सैनी व जगदीश सैनी को संरक्षक मनोनीत किया गया। संगठन के चुनाव समिति के सभी पदाधिकारियों ने एवं सदस्यों ने नवमनोनीत अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों को माला व साफा पहना स्वागत किया। राजेन्द्र सैनी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

पोषबड़ा महोत्सव में उमड़े भक्त

निवाई, (निसं)। निकटवर्ती गांव खेडा शुक्लपुरा में स्थित बालाजी के मंदिर में रविवार को श्री बालाजी समिति एवं समस्त ग्रामीणों द्वारा विशाल पोषबडा महोत्सव का आयोजन किया गया। समिति के सदस्य बी.एल. शर्मा ने बताया कि बालाजी की कृपा से विशाल पोषबडा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसको लेकर बालाजी महाराज की आकर्षक झांकी सजाई गई। इस दौरान रामधुनी सहित अनेक धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन करके बालाजी के पोषबडा का भोग लगाकर महाआरती कर भंडारे का आयोजन किया गया।

सांभरलेक के अनेक मंदिरों में पोष बड़ा प्रसादी में उमड़े भक्त

सांभरझील, (निसं)। पोष माह के अवसर पर इन दिनों क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में जगह-जगह पोस बढा प्रसादी का आयोजन लगातार जारी है। इसी क्रम में राजपथ स्थित ढ ाडो की गली के बालाजी मंदिर, लंबी गली स्थित गणेश मंदिर, दादू द्वारा के सामने मनकामेश्वर मंदिर, पुरानी धानमंडी स्थित बाबा रामदेव मंदिर, देवयानी स्थित तपस्वी जी का आश्रम भगवान राम दरबार व ग्राम पंचायत बरडोटी के शिव बालाजी मंदिर में पौष बडा प्रसादी का आयोजन बडी धूमधाम से किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक निर्मल कुमावत ने शिरकत की। बडा कार्यक्रम में विधायक व पधारे हुए विशिष्ट अतिथियों का स्वागत समिति के द्वारा किया गया। समिति के सचिव ने बताया कि कार्यक्रम में सराहनीय कार्य करने वाले सभी लोगों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। पौष बडा समिति द्वारा एक मांग पत्र विधायक को सौंपा जिस पर उन्होंने स्वामी की ढ ाणी श्मशान में खुला बरामदा निर्माण कार्य करवाने के लिए 7.50 लाख की घोषणा की गई और कहा गया कि बरडोटी की जनता मेरे मन में है। पौष बडा कार्यक्रम में अतिथि सम्मान समारोह के बाद पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें गांव के हजारों लोगों ने पंगत प्रसादी का लुफ्त उठाया। कार्यक्रम में संत शंकरपुरी महाराज ,सुखदेव महाराज, रामपुरी महाराज, सुदर्शन महाराज, धर्मचंद महाराज के अलावा मनकामेश्वर महादेव मंदिर में पार्षद गौतम सिंघानिया, पूर्व पार्षद विष्णु कुमार, आरएसएस के मनीष सूंटवाल, ढाडो की गली हनुमान मंदिर में पार्षद पति सत्यनारायण स्वामी, पार्षद सुशीला, कैलाश, हितेंद्र स्वामी, राकेश स्वामी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी रही।

मकानों के ताले तोड़ चोरों ने पानी की मोटर व सामान पार किये

टोंक, (निसं)। टोंक शहर के कंकाली माता मन्दिर क्षेत्र में अम्बिका कॉलोनी से दो मकानों के ताले तोड अज्ञात चोर दो पानी की मोटरे व दोंदे और टेबिल रोल चोरी कर ले गए।

जानकारी के अनुसार कंकाली माता मन्दिर के समीप अम्बिका कॉलोनी में बीती रात्रि को मंजू देवी कुमावत के मकान के गेट के ताले तोडकर मकान में घुस गए और दो पानी भरने की मोटरे चोरी कर ले गए। जिसका पता सुबह मकान मालिक के परिजन पहुंचे तो पता चला, क्योंकि इस मकान का निर्माण कार्य जारी था और कोई रहता नहीं था।

जिस पर पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लिया। इसी प्रकार अम्बिका कॉलोनी में ही अनिल विजयवर्गीय के गोदाम के ताले तोड कर वहां रखे पतल दोंदो, टेबिल रोल के सामान में से दोंदे बंडल व टेबिल रोल के बंडल चोरी कर ले गए। जिस पर पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने मौका मुआवना कर पुलिस कार्यवाही शुरु की।

अम्बिका कॉलोनी में गोदाम के ताले तोड़कर हुई चोरी के बाद पुलिस ने जायजा लिया।

जनाक्रोश महासभा के लिए रत्ना कुमारी सहित भाजपाइयों ने जनसंपर्क किया

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधानसभा की 4 जनवरी को विराटनगर में जन आक्रोश महासभा आयोजित होगी। महासभा में भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया सभा को संबोधित करेंगे। जन आक्रोश महासभा को सफल बनाने के लिए भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी शाहपुरा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर, गांव-गांव जनसपर्क कर कांग्रेस का जंगलराज, कुशाषित सरकार से त्रस्त जनता भाजपा की जन आक्रोश महासभा में बढ-चढकर भाग लेने के लिए पीले चावल बांटे।

■ जन आक्रोश महासभा में बढ-चढ़कर भाग लेने का आव्हान

भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी शाहपुरा द्वारा बादशाहपुर, देवली, सोठाणा मोड, माहसिंहकाबास में जन संपर्क कर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया की जन आक्रोश महासभा में ज्यादा से ज्यादा शामिल होकर कांग्रेस की इस निर्दयी सरकार को उखाडकर फेकने की अपील की। वही जन आक्रोश महासभा को लेकर जनता द्वारा मिल रहा साथ एवं विश्वास भाजपा कार्यकर्ताओं को अति उत्साहित कर रहा है। इस दौरान रत्ना कुमारी शाहपुरा ने कहा कि अब इस कांग्रेस के जंगलराज से मुक्ति पाने का समय आ गया है। पूरी जनता को एक साथ आवाज उठाकर इस कांग्रेस की सरकार को उखाड फेकने की जरूरत है। वह दिन दूर नहीं जब पूरे भारत से कांग्रेस का नामो निशान मिट जायेगा। भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी शाहपुरा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों में सपर्क कर लोगों से महासभा में ज्यादा से ज्यादा संया में आने का निमंत्रण दिया। कांग्रेस सरकार की विफलताओं के बारे में ग्रामीणों से चर्चा की। ग्रामीण क्षेत्रों में जन समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। इन सभी समस्याओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश में जन आक्रोश महासभा आयोजित की जा रही है।

भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी सहित भाजपाइयों ने दर्जनों गांवों में सपर्क कर महासभा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में आने का निमंत्रण दिया।

80 वर्ष से अधिक आयु वाले सैनी समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान

अलवर, (निसं)। सैनी समाज वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति अलवर द्वारा अति वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह एवं पोष बडा कार्यक्रम मनु मार्ग अलवर स्थित सैनी स्कूल प्रांगण में आयोजित किया गया। एडवोकेट टेकचन्द सैनी ने बताया कि सम्मान समारोह में 80 वर्ष से अधिक आयु वाले सैनी समाज के वरिष्ठजनों का माला व साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

जिसमें पूर्व जिला सैनी महासभा अध्यक्ष सुवालाल (95 वर्ष) एवं खेमचन्द (92) पूर्व सचिव सैनी शिक्षा समिति एडवोकेट मामराज (85) अध्यक्ष सैनी शिक्षा समिति अलवर के.एल.सैनी जी आई.एफ.एस. (85) पूर्व अध्यक्ष सैनी शिक्षा समिति अलवर जत्ती राम सैनी (85) पूर्व कोषाध्यक्ष सैनी समाज सामूहिक विवाह समिति अलवर प्रहलाद स्वरूप (84) सम्मानित किया गया। मंच संचालन सैनी महासभा महामंत्री लक्ष्मण सिंह सैनी ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिला सैनी महासभा अध्यक्ष मनमोहन सैनी ने कहां कि वरिष्ठ नागरिकों को समाज में बहुत योगदान रहा है उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन का समाज को उपयोग में लेना चाहिये। ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिये जिससे युवाओं को वरिष्ठजनों से प्रेरणा मिल सके।

सम्मान सम्मारोह के पश्चात् पोष बडा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस महासचिव अशोक सैनी, सदस्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान एवं पूर्व प्रत्याशी कांग्रेस शहर अलवर श्रीमती श्वेता सैनी, दिपेन्द्र सैनी, जिलाध्यक्ष सैनी महासभा पूर्णमल सैनी, उपाध्यक्ष भगवत बायलाण, महामंत्री लक्ष्मण सिंह सैनी, महात्मा मोहनदास सेवा समिति अध्यक्ष खन्ना सैनी, सैनी समाज सामुहिक विवाह समिति अध्यक्ष प्रताप सैनी (धाराभाई) एवं महामंत्री पदम चन्द सैनी, रामरतन सैनी, हरिओम सैनी, मास्टर कैलाश चन्द सैनी, ए.ई.एन. कैलाश चन्द सैनी, भौरेलाल सैनी, प्रकाश चन्द, सुरेश तेनगरिया, पी.आर. सैनी, हुकमाराम सैनी, शिवलाल सैनी, दिनेश सैनी, हरिओम, रधुवीर दयाल, ओमप्रकाश सैनी पत्रकार, सत्यनाराण सैनी, कमल सैनी, जे.पी. सैनी, झम्मल लाल सैनी, कैलाश सैनी आई.टी.आई. सहित काफी संख्या में सैनी समाज के गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

बालाजी क्लब बना मालपुरा प्रीमीयर लीग का चैम्पियन

मालपुरा, (निसं)। राजकीय सीनियर हायर सैकेण्डरी स्कूल मालपुरा के खेल मैदान पर आयोजित मालपुरा प्रीमीयर लीग राज्य स्तरीय डे-नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत खेले गये फाईनल मैच में बालाजी क्लब ने प्रतियोगिता का खिताब जीत चैम्पियन बनने का अवसर प्राप्त किया।

आयोजन समिति के दीपक शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में खेले गये क्रिकेट के फाईनल मुकाबलों में बालाजी क्लब व हरियाण झज्जर झारली को 39 रनों से पराजित किया। खेल मैदान पर आयोजित प्रतियोगिता के समापन समारोह में मौजूद अतिथियों ने शनिवार की रात 1 बजे चैम्पियन बनी बालाजी क्लब को 1 लाख 11 हजार रूपये का नगद पुरस्कार व चैम्पियन ट्रॉफी सौंप उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में उपविजेता हरियाण झज्जर को 51 हजार रूपये का पुरस्कार दिया गया। मैन ऑफ दा मैच राजेन्द्र चौधरी को घौषित कर एलईडी दी गई तो वही लगातार तीन छक्के लगाने वाले खिलाडी नीरज शर्मा को मैन ऑफ दा मैच का खिताब दिया गया। सात दिन तक खेल मैदान पर चली डे-नाईट राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान हजारों की संख्या में खेल प्रेमियों ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया।

बालाजी क्लब ने राज्य स्तरीय मालपुरा प्रीमीयर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब जीता।

■ एक लाख ग्यारह हजार का पुरस्कार जीता

पालिका अध्यक्ष आशा महावीर नामा सहित पालिका पार्षदों ने विजेता खिलाडियों को प्रतीक चिन्ह व मेडल पहना ट्रेक सूट का उपहार दिया। रमाकान्त पाठक ने समारोह का सफल मंच संचालन किया। आयोजन समिति के गणेश जाट,भंवर सैनी, कमल सैनी, अमित शर्मा, दीपक, राकेश, राधे सहित खेल प्रेमियों ने विजय रहा व उपविजेता रही दोनो ही टीमों का स्वागत सम्मान किया। प्रतियोगिता के समापन पर नगरपालिका अध्यक्ष आशा नामा, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक राकेश कुमार बैरवा, अम्बेडकर विचार मंच अध्यक्ष पूजा लोकेश लोदी के आतिथ्य में पालिका की और से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर खेल मैदान पर खिलाडियों व खेलप्रेमियों को नववर्ष की शुभकामनाए दी।

सार-समाचार

बच्चों को जर्सी बांटी

अलवर, (निसं)। तथागत गौतम बुद्ध सेवा समिति को राम चरण वर्मा जयपुर संभाग अध्यक्ष राजस्थान अंबेडकर शिक्षक संघ व सरिता राज जिला परिषद सदस्य जिला परिषद सदस्य व पंचायत राज प्रकोष्ठ जिला संयोजक भाजपा अलवर ने तथागत गौतम बुद्ध सेवा समिति मेटसो कंपनी के सामने गेट नंबर 1 उद्योग नगर एमआईए में बच्चों को जर्सी वितरण किया। इस मौके पर तथागत गौतम बुद्ध सेवा समिति के अध्यक्ष जयराम बैरवा समिति उपाध्यक्ष श्याम बिहारी चौधरी कोषाध्यक्ष पत्रकार बीरू कुमार ने जिला परिषद सदस्य व पंचायत राज प्रकोष्ठ जिला संयोजक भाजपा सरिता राज को शॉल भेंट कर स्वागत किया। व राम चरण वर्मा जयपुर संभाग अध्यक्ष राजस्थान अंबेडकर शिक्षक संघ व सुरेश का साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य सरिता राज ने छोटे-छोटे बच्चों को जर्सिया पहनाई। समिति अध्यक्ष जयराम बैरवा व उपाध्यक्ष श्याम बिहारी चौधरी ने अतिथियों का स्वागत व धन्यवाद व्यक्त किया।

एमएम स्कूल खेल टीम का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा में संचालित एमएम पब्लिक स्कूल के खेल प्रतियोगियों का सीबीएसई द्वारा आयोजित स्किपिंग रोप व एथलेटिक्स खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन मनोज मित्तल ने सभी खिलाडियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रबंध निदेशक अखिलेश्वर मिश्रा ने खिलाडियों को उत्साहित करते हुए उन्हे विद्यालय, समाज व परिवार का नाम देशभर में रोशन करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक कैलाश चन्द यादव ने बताया कि पठानिया पब्लिक स्कूल रोहतक में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता दिनांक 2 जनवरी से 4 जनवरी तक आयोजित की जायेगी। इसमे चयनित खिलाडी चेतन सिंह, सचिन सैनी, कृष यादव, सीताराम जाट, नैना कुमावत, आशा सैनी, सोनू तथा एथलेटिक्स में लॉन्ग जप में संदीप सैनी राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

टेबल टेनिस में दो खिलाड़ी शामिल

निवाई, (निसं)। टेबल टेनिस लीग प्रतियोगिता के लिए शनिवार को टोंक लांसर्स टीम ने 2 ओर प्लेयरों को टीम में शामिल किया है। जिसमे वीरेन्द्र पारीक नागौर एवं मनीषा आनंद नागौर को टीम में शामिल किया। यह जानकारी टीम मैनेजर अरुण जाट ने दी है।

समर्थ लाल मीणा की जयंती मनाई

राजगढ , (निसं)। क्षेत्र के ठेकडीन ग्राम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व भाजपा नेता समर्थ लाल मीणा की 88वी जयंती मनाई गई। मंडल अध्यक्ष एडवोकेट राहुल दीक्षित ने बताया कि इस मौके पर स्वर्गीय समर्थ लाल मीणा के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित कर गोष्ठी का आयोजन किया गया। भाजपा नेता प्रभु दयाल शर्मा एवं भगवान सहाय बोहरा ने उनके राजनीतिक जीवन से सीख लेने की बात कहते उनके आदर्शों पर चलने का आव्हान किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पद दंगल व राजस्थानी गीतों की मनमोहक प्रस्तुति स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा दी गई। कार्यक्रम के अंत में भाजपा प्रत्याशी रहे विजय समरथ लाल मीणा ने सभी का आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में अलवर विधायक संजय शर्मा, गोपाल सिंह नरुका, राजेन्द्र जैन, प्रेमनाथ धामानी, अशोक गुप्ता, दिनेश गुप्ता, सुखवंत सिंह, सुदेश खाम्बरा व नगर पालिका चेयरमैन सतीश दुहारिया ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में भाजपा नेता बन्नाराम मीणा, भाजपा नेता सुनीता मीणा, प्रदीप शर्मा, विश्वास मित्तल पूर्व मंडल अध्यक्ष सतेंद्र सैनी, किशन बटवाडा, अशोक बजाज, संजय राजस्थानी, प्रमोद शर्मा, सुखराम मीना, तरुण राठिया एवं नंदकिशोर सैनी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेंशनर्स समाज की बैठक सम्पन्न

निवाई, (निसं)। राजस्थान पेंशनर कर्मचारी संघ उपशाखा की बैठक आदर्श विद्या मंदिर में सूरजमल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में खिडगी, सिंदरा, देवपुरा, कीवाडा, नोहटा, करिरीया, बारेडा, बस्सी सहित कई गांव के पेंशनरों ने भाग लिया। बैठक में पिछली मिटिंग में लिए गए प्रस्तावों की समीक्षा कर चर्चा की गई। मीटिंग में संघ के पदाधिकारियों ने जीवित प्रमाण पत्र एवं आयकर बनवाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। जिला पेंशनर भवन हेतु 21 हजार की राशि देने की जानकारी देते हुए बताया कि पेंशनर समाज का प्रदेश नेतृत्व पेंशनरो की समस्याओं का निराकरण करवाने के लिये सजग व जागरूक है तथा पूरी तरह प्रयासरत है। इस दौरान पेंशनरों को आने वाली समस्याओं का निराकरण करवाया जाएगा तथा पेंशन जमा, स्टेटमेंट डाउनलोड आदि की व्यवहारिक जानकारी उपलब्ध करवाई। पेंशनर कर्मचारियों को मार्च तक जीवित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना है। जिसके लिए ई-मित्र या व्यक्तिगत रूप से जिला कोष कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त ने तहसीलदार जगदीश जांगिड, रामधन खंगार, महावीर दरोगा, जगदीश गुनाडिया, रमेश जैन, राधामोहन पारीक, रामेश्वर पोसवाल, शिवनारायण गुर्जर, देवा गुर्जर, इसक मोहम्मद, रणजीत सिंह राजावत, रघुनाथ बैरवा सहित कई पेंशनर मौजूद थे।

सिर पर पलटा मारकर हत्या

अलवर, (निसं)। न्यू ईयर पार्टी मनाकर घर लौट रहे दो भाइयों पर 10-12 बदमाशों ने हमला कर दिया। इस दौरान एक के सिर पर पलटा मारने से वह गंभीर घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला अलवर के बगड थाना इलाके के मीणापुरा गांव का है। परिजनों ने बताया कि यादराम (44) अपने भाई के साल नए साल का जश्न मनाने मूडपुरी गांव गया था। शनिवार देर रात दोनों मीणापुरा गांव लौट रहे थे। इस दौरान गांव के पास 10 से अधिक युवकों ने यादराम और उसके भाई पर हमला कर दिया। यादराम के सिर पर एक युवक ने पलटा मार दिया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। इस मर्डर के बाद रविवार सुबह परिजनों ने जिला अस्पताल के बाहर जाम लगा दिया। बगड तिराहा थाना पुलिस पर भी परिजनों ने बदमाशों की मदद करने के आरोप लगाए। कोतवाली पुलिस ने समझाइश कर जाम खुलवा दिया।

कैंडल मार्च निकाली गई

टोंक (निसं)। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन राजस्थान के तहत कर्मचारियों ने रविवार को शाम कैंडल मार्च निकाल कर कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। भामस जिलाध्यक्ष कमलेश चौधरी, जिला कार्यकारी अध्यक्ष रईस मियां, आरवीटीका जिलाध्यक्ष विनोद नायक, एनएमओपीएस के संयोजक अनवर चिश्ती के नेतृत्व में कर्मचारियों ने पटेल सर्किल से पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कैंडर मार्च शुरु किया, जो कलेक्ट्रेट होकर घंटाघर पहुंच कर सम्पन्न हुआ।

स्पष्टता होनी चाहिये चयनकर्ताओं और इन खिलाड़ियों के बीच अच्छा संवाद होना चाहिये। अगर चयनकर्ताओं ने इन लोगों से आगे देखने का फैसला किया है तो ठीक है। मुझे लगता है कि बहुत सारे देशों ने ऐसा किया है। - गौतम गंभीर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, श्रीलंका के विरुद्ध टी-20 श्रृंखला में कोहली, राहुल और रोहित को शामिल नहीं करने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **निक किर्गियोस**

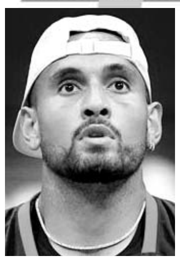

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और विम्बल्डन 2022 के उपविजेता निक किर्गियोस ने खुलासा किया है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए यूनाइटेड कप के पहले सीजन से अपना नाम वापस लिया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने किर्गियोस के हवाले से कहा, लोग साल की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में से एक का हिस्सा बनने के दबाव और घबराहट को कम आंकते हैं। इसमें एक चोट जोड़ दीजिये। यह जानना कि आपने खुद को सबसे अच्छा मौका नहीं दिया, आपके ऊपर दबाव के पहाड़ को और बढ़ा देता है।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी 1971 को एलन शेफर्ड नाम के अंतरिक्ष यात्री ने चन्द्रमा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

ओडीआई वर्ल्ड कप के लिए 20 प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट

रिव्यू मीटिंग में द्रविड़-रोहित और चेतन शर्मा से -20 हार पर हुए सवाल

नई दिल्ली 1 जनवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने साल के पहले दिन मुंबई में मीटिंग की। इसमें हेड कोच रोहित शर्मा, राहुल द्रविड, चीफ वीवीएस लक्ष्मण, प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी, सेक्रेटरी जय शाह और पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा शामिल हुए। मीटिंग में एशिया कप और टी-20 वर्ल्ड कप में हार की वजहों पर मंथन किया गया। साथ ही 2023 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए 20 प्लेयर्स को शॉर्टलिस्ट भी किया गया। रिव्यू मीटिंग के 3 पॉइंट्स रखे इमर्जिंग प्लेयर्स को टीम इंडिया का हिस्सा बनने के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट खेलना जरूरी होगा।

टीम इंडिया में सिलेक्शन के लिए यो-यो टेस्ट और डेक्सा (बोन स्कैन टेस्ट) जरूरी होंगे। इन्हें पास करने के बाद ही प्लेयर्स टीम इंडिया का हिस्सा बन सकेंगे। इसके अलावा वनडे वर्ल्ड कप, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और टीम इंडिया के फ्यूचर टूर प्रोग्राम को ध्यान में रखते हुए सभी फ्रेंचाइजी के साथ प्लेयर्स के वर्कलोड मैनेजमेंट को मॉनिटर करेगी।

20 प्लेयर्स ही ट्राय करेंगे:-न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए जिन 20 प्लेयर्स को शॉर्टलिस्ट किया गया है। उन्हें ही वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया में ट्राय किया जाएगा। इनमें से ही वर्ल्ड कप के 15 मेंबर्स का स्क्वॉड तैयार किया जाएगा। वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया 5 सीरीज खेलेगी। सभी में 3-3 मैच होंगे। 50 ओवर का एशिया कप भी खेला जाएगा।

20 प्लेयर्स के पास खुद को साबित करने के लिए 15 से ज्यादा वनडे मैच रहेंगे। इस बार का वनडे वर्ल्ड कप पूरी तरह से भारत में खेला जाएगा। इसका आयोजन अक्टूबर-नवंबर के बीच होगा। हालांकि शॉर्टलिस्ट किए गए 20 प्लेयर्स के नाम अब तक जारी नहीं किए गए हैं।

4 घंटे तक हुई मीटिंग:-रोहित शर्मा, राहुल द्रविड, नेशनल क्रिकेट एकेडमी के चीफ वीवीएस लक्ष्मण और टीम इंडिया के पूर्व सिलेक्टर चेतन शर्मा के साथ मुंबई में हुई मीटिंग करीब 4 घंटे तक चली। 2023 में टीम इंडिया के टारगेट पर भी ब्रेनस्टॉर्मिंग की गई। 2023 में भारत को वनडे वर्ल्ड कप खेलना है। साथ ही इस साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी होना है। अगर भारत फरवरी-मार्च के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट की सीरीज जीत लेता है तो टीम लगातार दूसरी बार का फाइनल खेल सकती है। पिछली बार भी हम फाइनल खेले थे, लेकिन वहां हमें न्यूजीलैंड के खिलाफ 8 विकेट से हार मिली थी।

इंटरनेशनल क्रिकेट को प्राथमिकता:-प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग अटैंड की। मीटिंग में तय हुआ कि टीम इंडिया आने वाले दिनों में इंटरनेशनल क्रिकेट और बाइलैट्रल सीरीज को तवज्जो दी जाएगी। के सूत्रों ने बताया कि इस दौरान इंडियन प्रीमियर लीग पर भी ध्यान दिया जाएगा।

में प्लेयर्स पर नजर रखेगा:-मीटिंग में तय हुआ कि नेशनल क्रिकेट एकेडमी फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर भारतीय खिलाड़ियों के खेल और फिटनेस को मॉनिटर करेगी। खिलाडियों के वर्कलोड मैनेजमेंट को भी मॉनिटर करेगी। जसप्रीत बुमराह और दीपक चाहर की फिटनेस को लेकर अकसर सवालिया निशान लगते रहे हैं।

फिटनेस पर सख्ती बरतेंगे:-मीटिंग में एक बार फिर यो-यो टेस्ट को ही फिटनेस टेस्ट का पैमाना बताया गया ने डिसाइड किया कि खिलाडियों की फिटनेस बहुत जरूरी है। टीम इंडिया का हिस्सा बनने के लिए उन्हें डेक्सा स्कैन और यो-यो टेस्ट पास करना भी जरूरी है। डेक्सा हड्डियों का स्कैन टेस्ट होता है और यो-यो टेस्ट में खिलाडियों को 20-20 मीटर के स्प्रिंट लगाने होते हैं।

कोहली ने दुबई में मनाया न्यू ईयर

नई दिल्ली 1 जनवरी। नए साल का आनंद लेने के लिए टीम इंडिया के स्टार्स भी पीछे नहीं रहे। महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली फैमिली के साथ दुबई में रहे और उन्होंने वहीं न्यू ईयर सेलिब्रेट किया। रोहित शर्मा पत्नी के साथ मालदीव में मौजूद हैं। उन्होंने नया साल वहां के खूबसूरत माहौल में मनाया।

पिछले हफ्ते श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज की कप्तानी हासिल करने वाले हार्दिक पंड्या भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने नया साल सेलिब्रेट किया और इसके फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किए। लोकेश राहुल एक्ट्रेस अथिया शेट्टी के साथ नजर आए।

इस स्टोरी में जानते हैं टीम इंडिया के प्लेयर्स ने किस तरह न्यू ईयर सेलिब्रेट किया। साक्षी ने पोस्ट किया आतिशबाजी से भरा वीडियो धोनी ने दुबई के द पाम होटल में नए साल का जश्न मनाया। पत्नी साक्षी ने रविवार सुबह ए स्काई फुल स्टार्स लिखते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। जिसमें धोनी बेटी जीवा को गोद में लिए रात के आसमान में आतिशबाजी का लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं।

टी-20 से ब्रेक पर चल रहे विराट कोहली ने पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ फोटो शेयर कर नए साल की शुभकामनाएं दीं। अनुष्का ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर विराट के साथ एक तस्वीर शेयर की। विराट के साथ दुबई में उनके भाई-बहन भी है। कोहली श्रीलंका के खिलाफ 3 जनवरी से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। वो 3 मैचों की वनडे सीरीज के जरिए क्रिकेट मैदान पर वापसी करेंगे। श्रीलंका दौरे के लिए टी-20 टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या ने पत्नी नताशा स्टेनकोविक के साथ फोटो शेयर का शुभकामनाएं दी। यह फोटो किसी होटल में पार्टी से पहले का है।

भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल और सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी एक साथ दिखे। रविवार को केएल राहुल ने आथिया के साथ 31 दिसंबर की पार्टी का फोटो शेयर किया। वहीं आथिया ने भी इंस्टाग्राम पर राहुल के साथ स्टोरी शेयर की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 2023 में दोनों साथ फेरे भी ले सकते है। सूर्यकुमार यादव 2023 के पहले दिन पहुंचे सिद्धिविनायक मंदिर सूर्यकुमार यादव साल के पहले दिन रविवार को सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे।

इंस्टाग्राम पर उन्होंने स्टोरी अपलोड की। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज में सूर्यकुमार यादव को उप-कप्तान बनाया गया है। वो इस साल वनडे टीम में भी दिखेंगे।

घायल पंत का विकल्प खोज रहा बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेल पाएंगे, घुटने-टखने और कलाई की चोट बनी वजह

नई दिल्ली 1 जनवरी। कार एक्सीडेंट में घायल विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज में नहीं खेल सकेंगे। फरवरी में होने वाली इस सीरीज के लिए टीम सिलेक्शन कमेटी को पंत का विकल्प खोजना होगा। फिलहाल जो नाम रेस में आगे माने जा रहे हैं, वे हैं केएस भरत, संजू सैमसन, ईशान किशन और उपेंद्र कुमार। पंत की फिटनेस को लेकर स्पोर्ट्स मेडिसिन एक्सपर्ट डॉ. रजत जांगिड़ ने शनिवार को कहा कि पंत की रिकवरी में एक साल भी लग सकता है। उन्होंने कहा, "अगर हड्डी की चोट होती तो रिकवर करने में 2-3 महीने और लिगामेंट फटने पर ठीक होने में 6 से 9 महीने लग जाते हैं। कार एक्सीडेंट में ज्यादातर एक या कई लिगामेंट टूटते हैं। इन्हें ठीक होने में कभी-कभी साल भर भी लग जाता है।"

पंत का विकल्प बन सकते हैं चार खिलाडी :-मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिलेक्शन कमेटी के पास संजू सैमसन, ईशान किशान और केएस भरत और उपेंद्र कुमार विकल्प के तौर पर मौजूद हैं। भरत और उपेंद्र कुमार भारत ए टीम के सदस्य हैं। ईशान किशन और संजू सैमसन भारत के लिए वनडे और टी-20 में डेब्यू कर चुके हैं। नीचे संभावित दावेदारों के प्रदर्शन का ब्यौरा देख सकते हैं।

संजू सैमसन ने 11 वनडे मैचों में 66.0 की औसत से 315 रन बनाए हैं। जबकि 16 टी-20 मैचों में उन्होंने 21.14 की औसत से रन बनाए हैं।

ईशान किशन ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच में डबल सेंचुरी मारी थी। उन्होंने 10 वनडे मैचों में 53 की औसत से 426 रन बनाए हैं। वहीं 21 टी-20 मैचों में उनका रन रेट 29.45 है। केएस भरत और उपेंद्र कुमार को टेस्ट स्पेशलिस्ट माना जाता है। हालांकि, दोनों अभी डेब्यू नहीं कर पाए हैं। भरत ने 84 फर्स्ट क्लास मैचों में 37.46 की औसत से 4533 रन बनाए हैं। वहीं उपेंद्र कुमार यादव ने 32 फर्स्ट क्लास मैचों में 44.83 की औसत से 1390 रन बनाए हैं।

शुक्रवार को पंत के चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी हुई:-पंत का इलाज कर रहे देहरादून के मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत खतरे

से बाहर है। शुक्रवार को उनके चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी हुई। वहीं ब्रेन और स्पाइन रिपोर्ट नॉर्मल आई है। घुटने और टखने में दर्द और सूजन के चलते इन अंगों की रविवार को होगी।

दिल्ली से रुड़की जाते समय हुआ था एक्सीडेंट:-पंत का गुरुवार को दिल्ली से अपने घर रुडकी जाने के दौरान एक्सीडेंट हो गया था। वह खुद अपनी मर्सिडीज ड्राइव कर रहे थे। इस दुर्घटना में वे बाल-बाल बचे। उन्हें 5 जगह चोटें आई हैं। इनमें माथा, दाहिने हाथ की कलाई, दाहिने पैर का घुटना, टखना और अंगूठा शामिल हैं। घुटने, टखने और कलाई की चोट अहम हैं, क्योंकि इन जगहों का इस्तेमाल विकेट कीपिंग के लिए अहम है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत होनी है सीरीज:-ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से शुरू होने वाले 4 टेस्ट मैचों की सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में जगह बनाने की दृष्टि से टीम इंडिया के लिए काफी महत्वपूर्ण है। टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप रैंकिंग में अभी दूसरे नंबर पर है। जबकि ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया का फाइनल में जगह बनाना लगभग तय है। वहीं साउथ अफ्रीका अभी चौथे नंबर पर है।

अगर ऑस्ट्रेलिया अपने घर में खेले जा रहे तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के आखिरी मैच में साउथ अफ्रीका को हरा देता है, तो भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ घरेलू सीरीज को ड्रॉ कराना जरूरी होगा। अगर वह ऐसा नहीं कर पाता है, तो उसे अन्य देशों के टेस्ट सीरीज के रिजल्ट पर निर्भर रहना पडेगा।

'भारत में अभ्यास मैच की जरूरत नहीं, खिलाड़ियों के पास पर्याप्त अनुभव'

सिडनी, 1 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड का मानना है कि उन्हें भारत में होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास मैच की जरूरत नहीं है और उनकी टीम के कई खिलाड़ियों के पास इस देश में खेलने का पर्याप्त अनुभव है।

सिडनी हेराल्ड ने रविवार को मैकडॉनल्ड के हवाले से कहा, "अभ्यास मैच न खेलना कुछ ऐसा है जो हमने पिछले कुछ विदेशी दौरों पर किया है। हमें लगता है कि हमें इसकी कोई खास जरूरत नहीं है। हम अपने पहले मैच से करीब एक हफ्ता पूर्व भारत पहुंचेंगे। हम तैयारी में बहुत ज्यादा समय नहीं देना चाहते थे।"

उन्होंने कहा, "हम कुछ परिदृश्यों के अनुसार प्रशिक्षण करने के लिये भारत में एक मध्य पिच पसंद करेंगे। हमें लगता है कि इस अनुभवी टीम के साथ जो पहले भी वहां जा चुके हैं, उन्हें परिस्थितियों के अनुकूल होने में अधिक समय नहीं लगेगा।"

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से पहले चार मैचों की टेस्ट शृंखला खेलने के लिये भारत आना है। सीरीज का पहला टेस्ट नौ फरवरी से नागपुर में खेला जायेगा, जिसके लिये ऑस्ट्रेलिया करीब एक हफ्ता पहले यहां पहुंचेगी। कंगारू जब पिछली बार भारत आये थे तब उन्हें विराट कोहली की टीम ने 2-1 से मात दी थी। साल 2017 में खेली गयी उस सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया ने दुबई में 10 दिनों तक विशेष पिच पर अभ्यास किया था। इस बार ऑस्ट्रेलिया ने भारत दौरे से पहले सिडनी में तीन दिवसीय शिविर की योजना बनायी है। मैकडॉनल्ड ने कहा, "हमें लगता है कि तैयारी के लिये और पूरी चार टेस्ट मैचों की शृंखला के दौरान ताजगी बनाये रखने के लिये सात दिन का समय पर्याप्त है। हमने पाकिस्तान (2022) जाने से पहले भी यह योजना अपनायी थी जिसमें हमें सफलता मिली। हमने वहां मैदान पर कम समय बिताया।" ऑस्ट्रेलिया ने मार्च 2022 में पाकिस्तान का दौरा कर दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीती थी।

इस सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न में विशेष पिच तैयार करके अभ्यास किया था। उन्होंने कहा, हम अपनी परिस्थितियों में रचनात्मकता के साथ काम कर सकते हैं। हमने पाकिस्तान दौरे से पहले भी मेलबर्न में ऐसा किया था।

स्थानीय मैदानों की देखरेख करने वालों के साथ काम करके वांछित परिणाम हासिल किये जा सकते हैं। हमें लगता है कि हम अभ्यास मैच के बिना भी उसके (भारतीय परिस्थितियों) करीब पहुंच सकते हैं।" ऑस्ट्रेलिया ने भारत में आखिरी बार टेस्ट सीरीज 2004-05 में एडम गिलक्रिस्ट की कप्तानी में जीती थी, जबकि भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में पिछली दो टेस्ट शृंखलाओं में हराया है। भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिये फरवरी और मार्च में होने वाली यह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतनी होगी।

भारत में टेस्ट खेलने की इच्छा रही है : एगार

सिडनी, 1 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के लेग-स्पिन गेंदबाज ऐश्टन एगार ने फरवरी में शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारत में टेस्ट क्रिकेट खेलने की मंशा जाहिर की है। सिडनी हेराल्ड अखबार ने रविवार को यह जानकारी दी।

सिडनी हेराल्ड ने एगार के हवाले से कहा, "यह (भारत दौरा) मेरे दिमाग में है। मुझे वहां टेस्ट मैच देखना पसंद है, और शायद मुझे हमेशा से भारत में टेस्ट मैच खेलने की इच्छा रही है।" एगार को यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउण्ड पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार जनवरी से होने वाले तीसरे टेस्ट के लिये चयनित 14-सदस्यीय स्क्वाड में शामिल किया गया है। नेथन लायन की उपस्थिति में एगार का यह मैच खेलना फिलहाल सुनिश्चित नहीं है, लेकिन वह भारत में होने वाली शृंखला के लिये उत्साहित हैं जहां ऑस्ट्रेलिया को कम से कम दो स्पिन गेंदबाजों की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा, "टेस्ट क्रिकेट को टीवी पर देखना बहुत रोमांचक रहा है क्योंकि हाल के दिनों में पिचें कमाल की रही हैं। (पिच पर) गेंद तिरछी स्पिन हो रही है, और मुझे लगता है कि वे वहां भी थोडा बहुत घूमेगी। यह एक ऐसा दौरा है जिस पर मुझे जाना अच्छा लगेगा, लेकिन हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि क्या होता है।" एगार ने अपने करियर में सिर्फ चार टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें से दो मैच उन्होंने बंगलादेश में खेले थे, जहां एगार ने 23 की औसत से सात सफलताएं हासिल की थीं।

द्रविड की बीसीसीआई सचिव से मुलाकात

मुंबई, 1 जनवरी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड रविवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह से मिलकर टीम की भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

क्रिकबज़ ने इसकी सूचना देते हुए कहा कि यहां होने वाली बैठक में पूर्व चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा को भी आमंत्रित किया गया है। इस बैठक में भारत में इसी साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप 2023 पर चर्चा होने की संभावना है। बीसीसीआई के अध्यक्ष और 1983 में विश्व कप जीतने वाली टीम के खिलाडी रॉजर बिन्नी विदेश में होने के कारण बैठक में उपस्थित नहीं होंगे, हालांकि वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इसमें जुड सकते हैं। बैठक में भारतीय टीम के हालिया प्रदर्शन पर भी चर्चा हो सकती है।

गौरव को रजत पदक

नई दिल्ली 1 जनवरी। हाल ही में आयोजित राजश्री भर्तृहरि मत्स्य विश्विद्यालय के तत्वाधान में अन्तरमहाविद्यलय शूटिंग राइफल प्रतियोगिता 2022-2023 में प्रतिभागी गौरव पारीक ने रजत पदक हासिल कर अपना व अपने परिवार का नाम रोशन किया व ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी शूटिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया जो कि फरीदाबाद में आयोजित होगी पारीक ने अपनी सफलता का श्रेय जयपुर स्थित दी लिजेंड शूटिंग रेंज के कोच गजेंद्र सिंह राणावत को दिया।

अमेरिका में गिर रही बेसबॉल की लोकप्रियता

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अमेरिका में पिछले कई सालों से कोशिश की जा रही है कि देश में क्रिकेट को बेहतर किया जाए। इसके लिए कई प्रयास भी किए गए, लेकिन अमेरिका में जहां बेसबॉल को बेहतर माना जाता रहा है। वहां अचानक से क्रिकेट को प्राथमिकता क्यों दी जा रही है? दरअसल, अमेरिका में कई दशकों से बेसबॉल की लोकप्रियता में कमी दर्ज की जा रही है। गैलप के अनुसार, 2017 में केवल 9 प्रतिशत अमेरिकी ने बेसबॉल को पसंदीदा खेल बताया था। जबकि, 1937 में 34 प्रतिशत अमेरिकी बेसबॉल को पसंद करते थे। केवल 7प्रतिशत युवा आबादी बेसबॉल को अपना पसंदीदा खेल मानती है। 2019 से 2021 के बीच मेजर लीग बेसबॉल (एमएलबी) की दर्शक संख्या में 12 प्रतिशत की गिरावट आई है।

बेसबॉल में घटती रुचि की सबसे बडी वजह बेसबॉल का समय बढ़ना है। 1937 में बेसबॉल मैच 2 घंटे में खत्म हो जाता था। अब एक गेम खत्म होने में औसतन 3 घंटे का समय लगता है। पिचर और बैटर मैच के दौरान काफी समय जाया करते हैं। दूसरी ओर, क्रिकेट में पांच दिन के खेल के साथ 3 घंटों का खेल भी होता है। अमेरिका में क्रिकेट की बढती लोकप्रियता का कारण अमेरिका में भारतीयों और अन्य क्रिकेट खेलने वाले देशों के लोगों की आबादी का बढना भी है। अमेरिका में 46 लाख भारतीय रहते हैं। 10 लाख अन्य लोग क्रिकेट प्रेमी देशों से आते हैं। साथ ही, यहां भारतीय आबादी समृद्ध भी है, जो क्रिकेट में निवेश भी कर रही है। 2022 में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेलों की

सूची में क्रिकेट दूसरे नंबर पर है। आंकडों के अनुसार, क्रिकेट को दुनियाभर में 250 करोड दर्शक देखते हैं। वहीं, बेसबॉल इस सूची में 8वें स्थान पर है। बेसबॉल की दर्शक संख्या 50 करोड है, जो क्रिकेट की दर्शक संख्या का केवल 20 प्रतिशत है।

अमेरिका में भारतीय मूल के टेक्नोलॉजी दिग्गज और बिजनेसमैन क्रिकेट में पैसा लगा रहे हैं। इनमें माइक्रोसॉफ्ट और एडोब के सीईओ भी शामिल हैं। जुलाई 2023 में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में छह टीमों के बीच मैच खेले जाएंगे। लीग की शुरुआत पर 364 करोड़ रुपए खर्च होंगे। बाद में 625 करोड़ रुपए और लगाए जाएंगे। एमएलसी अमेरिका में युवाओं को ट्रेनिंग देगी। अमेरिका में लाखों भारतीयों सहित दक्षिण एशियाई और वेस्टइंडियन मूल के लोगों की वजह से लीग को कामयाबी मिलने की उम्मीद है। लीग का पहला सीजन 13 जुलाई से 30 जुलाई 2023 तक होगा।

यूएसए क्रिकेट के अनुसार, अमेरिका में दो लाख लोग 400 स्थानीय लीग में क्रिकेट खेलते हैं। अमेरिका की पुरुष, महिला और अंडर 19 टीमों के अधिकतर खिलाडी द. एशियाई और वेस्ट इंडियन मूल के हैं। एमएलसी का अनुमान है कि लीग को घरेलू टेलीविजन और स्ट्रीमिंग में 50 लाख से अधिक दर्शक मिलेंगे। उम्मीद है कि भारतीय दर्शक भी इससे जुडेंगे।

कोलकाता, अबु धाबी और त्रिनिदाद-टोबेगो नाइट राइडर्स टीमों के सीईओ वेंकी मैसूर का कहना है कि जब त्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेलती है, तब लाखों भारतीय उसके मैच देखते हैं। अब नाइट राइडर्स की चौथी टीम लॉस एंजिलिस होगी। एमएलसी छह मेजर लीग टीमों तक सीमित नहीं रहेगी। उसमें 26 टीमों की माइनर लीग क्रिकेट भी शामिल है। एमएलसी युवाओं को ट्रेनिंग देने और स्कूलों में क्रिकेट को आगे बढाने के लिए अकादमियों में पैसा लगा रही है।

नॉर्थ वेल्स नाटकीय और खूबसूरत लैंड स्केप नजारों से भरा है, जो पुराने जमाने की याद दिलाते हैं। इस क्षेत्र की विशाल झीलों के चारों तरफ नजर आने वाले पथरीले पहाड़, चारागाह भूमि, पत्थर के कासल आदि देखकर लगता है मानो यह जगह लॉर्ड ऑफ द रिंग्स या गेम ऑफ थ्रोन्स जैसी किसी महागाथा से निकली है। यहाँ पर ऐसी ही एक बेहद रोचक इमारत है, सिववान चर्च, जिसे ''लिटिल चर्च इन द सी'' भी कहते हैं। मौजूदा चर्च 12 वीं सदी का है। माना जाता है कि जहां यह चर्च है, वहां सातवीं सदी से ही किसी न किसी रुप में चर्च विद्यमान था। वर्तमान चर्च सेंट कैविन (आयरिश भाषा में सिववान) के लिए बनाया गया था। उन्होंने आयरिश सी के पार आयरलैण्ड में एक मठ बनाया था। सिववान चर्च का कई बार नवीनीकरण और पुनर्निर्माण हो चुका है। चर्च की दक्षिणी दीवार का एक भाग ही बचा है जो 12 वीं सदी में बने चर्च का अवशेष है। सन् 1800 में तो चर्च को लगभग पूरी तरह से दोबारा बनाया गया था। लेकिन लम्बे समय तक उपेक्षित रहने के कारण चर्च एकदम जर्जर हो चुका था और इसकी नींव भी कमजोर हो गई थी। फिर एक स्थानीय आर्किटैक्ट हैरल्ड ह्यूज ने चर्च की मरम्मत की मुहिम शुरु की और फंड एकत्रित किया और वर्ष 1893 में चर्च का पूरी तरह नया निर्माण हुआ। पूर्व में यह चर्च सिववान और चाइना के बंदरगाहों के बीच एक प्रायद्वीप पर स्थित था। पर सदियों के लगातार क्षरण की वजह से चर्च शेष प्रायद्वीप से अलग हो गया और अब अपने स्वयं के एक छोटे से द्वीप पर स्थित है। अब इसे सिर्फ तब देखा जा सकता है जब समुद्र में भाटा आता है।

न्यू ईयर सैलिब्रेशन से लौटते वक्त युवती को टक्कर मारी, चार किलोमीटर तक घसीटते रहे

दिल्ली के कांझावाला क्षेत्र की घटना: लहूलूहान युवती सड़क पर पड़ी रही और दम तोड़ दिया, उसके कपड़े तक फट चुके थे

- **पुलिस ने मामले में 5 युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। कार भी जब्त कर ली गई है।**

नई दिल्ली, 1 जनवरी। नए साल के जश्न के बीच राजधानी दिल्ली से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दिल्ली के कंझावला इलाके में कार सवार कुछ युवकों ने एक युवती को टक्कर मार दी। हादसे के बाद युवक कार लेकर भागने लगे। लड़की कार के नीचे फंसी रही और करीब 4 किलोमीटर तक सड़क पर घिसटती रही। उसके कपड़े तक फट चुके थे। लहूलूहान युवती सड़क पर पड़ी रही और दम तोड़ दिया।

आउटर दिल्ली के डी.जी.पी. हरेन्द्र सिंह ने बताया कि शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे पुलिस को खबर मिली कि कंझावला इलाके में एक लड़की सड़क किनारे बिना कपड़ों के पड़ी है। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो लड़की का शव पड़ा दिखा। पुलिस ने मामले में 5 युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। कार भी जब्त कर ली गई है।

शुरुआती जांच के मुताबिक, 23 साल की लड़की शादी व अन्य इवेंट में पार्ट टाइम काम करती थी। शनिवार-रविवार की रात वह ऐसे ही एक फंक्शन से लौट रही थी। वह स्कूटी से अपने घर जा रही थी। उसी दौरान आरोपी पांचों युवक भी अपनी कार से उसी रास्ते पर थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, कार से स्कूटी का एक्सीडेंट हो गया और युवती कार के नीचे फंस गई। युवक इसके बाद तेजी से भागे और लड़की सड़क पर करीब 4 किलोमीटर तक घिसटती हुई सुल्तानपुर से कंझावला इलाके तक पहुंच गई। वह बीच सड़क पर तड़पती पड़ी रही। उसके कपड़े भी फट चुके थे। पुलिस के आने तक उसकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कार को भी कब्जे में ले लिया है। आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। आरोपियों का मेडिकल टैस्ट कराया जा रहा है, जिससे पता चले कि क्या वह नशे में थे। फिलहाल घटना से जुड़ा कोई सी.सी.टी.वी. पुलिस के हाथ नहीं लगा है।

डी.जी.पी. हरेन्द्र सिंह ने आरोपियों के मुताबिक बताया कि, उनकी कार पीड़िता की स्कूटी के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, उसके बाद वे आगे भागने लगे। लेकिन वे इस बात से बिल्कुल अनजान थे कि उनकी कार में स्कूटी समेत लड़की फंस गई है और सड़क पर कई किलोमीटर तक घसीटकर ले आए हैं। इस मामले पर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीवाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा- दिल्ली के कंझावला में एक लड़की की नग्न अवस्था में लाश मिली, बताया जा रहा है कि कुछ लड़कों ने नशे की हालत में गाड़ी से उसकी स्कूटी को टक्कर मारी और उसे कई किलोमीटर तक घसीटा। ये मामला बेहद भयानक है, मैं दिल्ली पुलिस को हाजिरी समन जारी कर रही हूँ। पूरा सच सामने आना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने न्यू ईयर को लेकर दिल्ली पुलिस की तैयारियों पर भी सवाल उठाए हैं।

इस्तीफा प्रकरण में मुख्यमंत्री खेमे की स्थिति कमजोर हुई है!

भले ही दावा 91 विधायकों के इस्तीफे का हो, लेकिन असल संख्या 70 के आसपास ही थी

- **इन 70 में से भी कई विधायकों ने इस्तीफे के बाद कहा था कि, उन्हें इस्तीफा दिलाए जाने की जानकारी नहीं थी और वह आलाकमान के फैसले के साथ हैं।**
- **यही कारण रहा कि, 3 महीने से ज्यादा समय तक इस्तीफा देने वाले विधायकों की वास्तविक संख्या छुपाई जाती रही।**
- **इस्तीफे भले ही वापस ले लिए गए हों, लेकिन विपक्ष के सवाल फिर भी सरकार को डरा रहे हैं।**

जयपुर, 1 जनवरी (का.प्र.)। राजस्थान में 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर समानांतर बैठक बुलाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ.सी.पी. जोशी के पास जाकर इस्तीफा देने वाले विधायकों को लेकर कहा जा रहा है कि, सभी के इस्तीफे वापस हो रहे हैं। इस पूरी कहानी के पीछे अब जो बात निकल कर सामने आ रही है, वह यह है कि, इस पूरे प्रकरण में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमा मजबूत होने के बजाय कमजोर नजर आया है।

इसका कारण यह है कि, जितने विधायकों के इस्तीफे दिए जाने की बात प्रचारित की गई, वह बिल्कुल भी सही नहीं है। दरअसल इस्तीफा प्रकरण के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमे की ओर से जो दावा किया जा रहा था कि, उनके पास 100 से ज्यादा विधायकों का समर्थन है, वह दावा अब फेल हो चुका है।

दरअसल 25 सितंबर से लगातार यह बात प्रचारित की जा रही है कि, 91 विधायकों ने उस दिन इस्तीफा दिया था, लेकिन दूसरी ओर तथ्य यह है कि, राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस के 108, भाजपा के 71, 13 निर्दलीय, तीन आरएलपी, दो सीपीएम, दो बीटीपी और एक आरएलडी का विधायक है। अब इनमें से ना तो बीजेपी के विधायक इस्तीफा देने गए, ना आरएलपी के, ना सीपीएम और बीटीपी के। यानी यह सारी संख्या हटा दी जाए तो बाकी सदस्यों की संख्या 122 बचती है। इन 122 में से विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री निवास पर 25 सितंबर को खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, सचिन पायलट डॉ रघु शर्मा, डॉ जितेंद्र सिंह, परसराम मोरदिया, रीटा सिंह, दिव्या मदेरणा, राजेंद्र गुढ़ा, खिलाड़ी बैरवा, हरीश मीणा, इंद्राज गुर्जर, राकेश पारीक, दीपेंद्र सिंह शेखावत, मुकेश भाकर, अमर सिंह जाटव, रामनिवास गावड़िया, वेदप्रकाश सोलंकी, सुरेश मोदी, मुरारी मीणा, जी.आर.खटाणा, हेमाराम चौधरी, बृजेंद्र ओला सहित करीब 30 से ज्यादा विधायक मौजूद थे। ऐसे में बाकी संख्या बचती है 92 की। इनमें से 8 से 10 विधायक ऐसे हैं, जो ना तो मुख्यमंत्री निवास पर मौजूद थे और ना ही समानान्तर बुलाई गई बैठक में शांति धारीवाल के निवास पर। ऐसे में यह 10 विधायक भी इस्तीफा देने नहीं गए, तो यह संख्या बचकर रह जाती है 82 की। अब यहां यह भी तय नहीं है कि जितने लोग शांति धारीवाल के निवास पर मौजूद थे, उन सभी ने व्यक्तिगत रूप से विधानसभा अध्यक्ष डॉ.सी.पी. जोशी को इस्तीफा दिया हो।

वहीं 13 निर्दलीय विधायकों में से आधे निर्दलीय भी विधानसभा अध्यक्ष के निवास पर नहीं पहुंचे थे। ऐसे में यह संख्या घटकर 70 के आसपास ही रह जाती है।

अब यह मान भी लिया जाए कि इन सभी 70 के लगभग विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपा था, तो भी एक बात तो तय हो जाती है कि, मुख्यमंत्री खेमे की ओर से जिन 100 विधायकों के समर्थन का बार-बार दावा किया जा रहा था, वह दावा अब स्वत: ही 25 सितंबर के घटनाक्रम के बाद समाप्त हो चुका है। वैसे भी 25 सितंबर को इस्तीफा प्रकरण के बाद रात को एक मंत्री ने भी अनौपचारिक रूप से यही कहा था कि, इस्तीफा देने वालों की संख्या 70 के आस पास ही है। वहीं यह भी तय है कि इस्तीफा देने वाले कई विधायकों, जिनमें इंदिरा मीणा, गंगा देवी सहित अन्य विधायक शामिल हैं, कह चुके थे कि उन्हें जानकारी नहीं थी कि इस्तीफे दिलवाए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री खेमे के विधायकों की संख्या 70 से भी कम हो जाती है।

वही महत्वपूर्ण बात यह भी है कि इस्तीफा देने के बाद एक दर्जन से ज्यादा विधायकों ने खुले आम यह कहा था कि जो भी फैसला कांग्रेस आलाकमान करेगा, वह उसके साथ हैं। इस बात को माना जाए तो फिर जो ताकत मुख्यमंत्री खेमे की बताई जाती है वह दरअसल कांग्रेस आलाकमान की ताकत है।

वैसे भी कई बार जुलाई 2020 के घटनाक्रम का हवाला देकर कहा जाता है कि मुख्यमंत्री के पास में 100 से ज्यादा विधायकों का समर्थन हासिल है, लेकिन उस समय की और आज की परिस्थितियों में रात-दिन का फर्क आ चुका है और जो विधायक उस समय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली बाड़ाबंदी में बैठे थे, उनमें से कई मंत्री और विधायक इस समय सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने को लेकर मुखर नजर आ रहे हैं। जिनमें राजेंद्र गुढ़ा, खिलाड़ी लाल बैरवा प्रमुख रूप से शामिल है।

ऐसे में 2 जुलाई को राजस्थान हाईकोर्ट में उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की याचिका पर होने वाली सुनवाई से पहले जिस तरह से सभी विधायकों से इस्तीफे वापस करवाए गए हैं। उससे तय हो गया है कि यदि इस्तीफे वापस नहीं होते तो सरकार के पक्ष को आशंका थी कि हाईकोर्ट इस्तीफा प्रकरण में स्टेटस पूछ सकता है, या कह सकता है कि कितने विधायकों ने इस्तीफे दिए और इतने दिनों तक उनको मंजूर क्यों नहीं किया गया। यह आशंका सही साबित होने पर सरकार बहुत अटपटी स्थिति में आ सकती थी।

वहीं दूसरी ओर आगामी विधानसभा सत्र में भले ही सरकार की ओर से कहा जाए कि सभी विधायकों ने इस्तीफे वापस ले लिए हैं, लेकिन फिर भी प्रतिपक्ष की ओर से यह सवाल तो पूछा ही जाएगा कि क्या वास्तव में इस्तीफे दिए गए थे और यदि इस बात को स्वीकार किया जाता है, तो फिर यह सवाल उठेगा कि विधानसभा अध्यक्ष की ओर से 3 महीने से ज्यादा होने के बावजूद इस्तीफे स्वीकार क्यों नहीं किए गए।

हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप

एफ.आई.आर दर्ज होने के बाद मंत्री ने पद से इस्तीफा दिया

- **एथलैटिक्स कोच ने आरोप लगाते हुए कहा कि, उन्होंने मंत्री संदीप सिंह को कई बार मना किया, लेकिन उनकी हरकतें जारी रहीं। आखिर कब तक कोई इंसान चुप रहेगा?**
- **इधर खेल मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि, उन्हें इस मामले में जबरन फंसाया जा रहा है।**

नई दिल्ली, 1 जनवरी। हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह पर छेड़छाड़ और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगे हैं तथा इस मामले में हरियाणा पुलिस ने एफ.आई.आर. भी दर्ज कर ली है। मंत्री पर आरोप लगाने वाली जूनियर एथलेटिक्स कोच ने रविवार को राज्य के गृह मंत्री अनिल विज से मुलाकात की और कहा कि अगर खेल मंत्री को गिरफ्तार किया जाता है तो ऐसी और भी महिलाएं सामने आएंगी जिनका उत्पीड़न किया गया है।

कोच ने आरोप लगाते हुए कहा कि उसने संदीप सिंह को कई बार मना किया, लेकिन उसकी हरकतें जारी रहीं। आखिर कब तक कोई इंसान चुप रहेगा?

कोच ने कहा कि खेल मंत्री ने फरवरी से उन्हें बार-बार परेशान किया। उन्होंने कहा, ''एक समय आता है जब आपको अपनी आवाज उठानी पड़ती है। खेल मंत्री ने आधिकारिक तौर पर मुझे मानसिक रूप से परेशान किया है।'' उन्होंने कहा कि उनकी शिकायत के बाद खेल मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उन्हें विश्वास है कि उन्हें न्याय मिलेगा।

हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने शिकायतकर्ता से मुलाकात के बाद कहा कि वे खेल मंत्री और मुख्यमंत्री से भी बात करेंगे और इस मामले की पूरी निष्पक्षता से जांच कराएंगे।

चंडीगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को जूनियर एथलेटिक्स कोच की शिकायत के आधार पर हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी का मामला दर्ज किया है। मंत्री ने पहले तो आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया था और स्वतंत्र जांच की मांग की थी। मगर, मुकदमा दर्ज होने के बाद खेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

आज संदीप सिंह ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा, ''मेरी छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि मुझ पर लगाए गए झूठे आरोपों की गहन जांच होगी। जांच रिपोर्ट आने तक मैं मुख्यमंत्री को खेल विभाग की जिम्मेदारी सौंपता हूं।''

जूनियर एथलेटिक्स कोच ने विपक्षी पार्टी इंडियन नेशनल लोकदल (आई.एन.एल.डी.) के कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और राज्य सरकार से सुरक्षा की मांग करते हुए कहा था कि मनोहर लाल खट्टर सरकार संदीप सिंह को तुरंत बर्खास्त करे और मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन करे।

जूनियर एथलेटिक्स कोच ने कहा कि संदीप सिंह ने पहले उसे एक जिम में देखा और फिर इंस्टाग्राम पर उससे संपर्क किया। बाद में मंत्री उससे मिलने के लिए जोर देने लगे। कोच ने कहा, ''संदीप सिंह ने मुझे इंस्टाग्राम पर मैसेज किया और कहा कि मेरा राष्ट्रीय खेल प्रमाणपत्र लंबित है और इस संबंध में वह मिलना चाहते हैं।''

महिला ने कहा कि, इस पर वह उनके आवास-सह-कैंप कार्यालय में अपने दस्तावेजों के साथ मिलने के लिए गईं। आरोप है कि जब वह वहां गईं तो मंत्री ने यौन दुराचार किया।

दिसम्बर में जी.एस.टी कलैक्शन 1.49 लाख करोड़ रु. के पार हुआ

- **दिसम्बर लगातार 10वां महीना है, जब जी.एस.टी. कलैक्शन 1.40 लाख करोड़ रु. से अधिक रहा है।**
- **वर्तमान जी.एस.टी. कलैक्शन दिसंबर 2021 के जी.एस.टी. राजस्व 1,29,780 करोड़ रुपये की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है।**

नई दिल्ली, 1 जनवरी (वार्ता)। माल एवं सेवाकर कर (जी.एस.टी.) का दिसंबर 2022 में सकल राजस्व संग्रह 1,49,507 करोड़ रुपये रहा है जो दिसंबर 2021 के जी.एस.टी. राजस्व 1,29,780 करोड़ रुपये की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। यह लगातार 10 वां महीना है जब जी.एस.टी. राजस्व संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। वित्त मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में केंद्रीय जी.एस.टी. (सी.जी.एस.टी.) 26,711 करोड़ रुपये, राज्य जी.एस. टी. (एस.जी.एस.टी.) 33,357 करोड़ रुपये, एकीकृत जी.एस.टी. (आई.जी. एस. टी.) 78,434 करोड़ रुपये जिसमें आयात पर संग्रहित 40263 करोड़ रुपये का कर भी शामिल है। उपकर 11,005 करोड़ रुपये रहा है जिसमें आयातित वस्तुओं संग्रहित कर 850 करोड़ रुपये भी शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि केंद्र ने नियमित निपटान के रूप में आई.जी. एस. टी. से सी.जी.एस.टी. में 36,669 करोड़ रुपये और एस.जी.एस.टी. में 31,094 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। दिसंबर 2022 में नियमित निपटान के बाद केंद्र और राज्यों का कुल जी.एस.टी. राजस्व क्रमश: सी.जी. एस.टी. 63,380 करोड़ रु. और एस.जी.एस.टी. 64451 करोड़ रुपये रहा।

सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया के करीब एक आइलैण्ड पर मनता है न्यू ईयर का जश्न

- **भारतीय समयानुसार 31 दिसम्बर की दोपहर तीन बजे ही किरीमाती आइलैण्ड में न्यू ईयर का आगमन हो गया।**

नई दिल्ली, 1 जनवरी (वार्ता)। दुनिया ने नव वर्ष 2023 का स्वागत शुरू कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पास प्रशांत क्षेत्र के किरिबाती गणराज्य के किरीतिमाती द्वीप के लोगों का नये साल का जश्न ग्रीनविच मध्याह्न समय (जी.एम.टी.) के अनुसार सुबह 10 बजे (भारतीय समयानुसार अपराह्न 3.30 बजे) शुरू हो गया।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के लोगों ने भी नव वर्ष का धूमधाम से स्वागत शुरू कर दिया है। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में आतिशबाज़ी और लेज़र शो से नये साल का अभिनंदन किया गया। न्यूजीलैंड से पहले टोंगा और सामोआ में भी पहली जनवरी पर नव वर्ष के आगमन की आतिशबाज़ी होने लगी।

धरती की घूर्णन गति के कारण धरा पर अलग-अलग जगह, सूर्योदय का समय अलग-अलग है। टोंगा, समोआ और किरिबाती जैसी जगहों पर जहां साल का प्रथम दिन सबसे पहले शुरू होता है, वहीं अमेरिका के पश्चिमी तट पर स्थित निर्जन द्वीप हाउलैंड और बेकर आईलैंड में नव वर्ष का पहला क्षण उस समय आयेगा जब भारत में रविवार को शाम साढ़े पांच बज रहे होंगे। भारत में, और खासकर मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता जैसे महानगरों में नव वर्ष के स्वागत के लिये होटलों, क्लबों और बाज़ारों में रौनक बढ़ गयी। शाम से ही ऐसी जगहों पर विशेष रोशनी के इंतजाम दिखने लगे। शिमला, मसूरी और दार्जिलिंग जैसे पर्वतीय सैरगाहों पर भी बड़ी संख्या में लोग 2023 का स्वागत करने के लिये पहुंचे।

पांच युवाओं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुगनाराम मेघवाल की थी। हादसे में अशोक पुत्र रामकुमार आचार्य गंभीर घायल हो गया।

गांव के सरपंच प्रतिनिधि आदराम मुहाल ने बताया कि सभी युवक आपस में दोस्त थे। सभी की उम्र तीस वर्ष के आसपास थी। एक साथ गांव के पांच युवाओं की मौत से पूरे गांव में मातम छा गया है। सभी गांव वाले साल के पहले दिन से नए नए अरमानों को लेकर सोए थे और सुबह ही जब गांव में पांच युवकों की मौत की खबर मिली तो पूरा गांव सदमे में आ गया। हमारे गांव में किसी ने नहीं सोचा था की नया साल इतनी दर्दनाक खबर लेकर आयेगा जिसको पूरा गांव कभी भुला नहीं पायेगा। सड़क हादसे में मारे गए पांचों युवकों के शव पूरी रात सीएचसी पल्लू की मोर्चरी में रखे गए। सुबह होते ही गांव के प्रमुख व्यक्तियों और परिजनों ने शवों को पल्लू से लिया और गांव पहुंचे। शवों के गांव में पहुंचने तक कोहराम मच गया। गांव में ई-मित्र संचालक आसीन खां ने बताया कि दानाराम पुत्र बीरबल मीणा उम्र लगभग 38 साल और नरेश पुत्र सुगनाराम 33 साल के दो-दो बच्चे हैं।

हल्दीघाटी की रज का तिलक कर डॉ. पूनिया व अर्जुनराम मेघवाल ने जन आक्रोश सभा का शंखनाद किया

स्वाभिमानी धरती हल्दीघाटी की मिट्टी प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में लेकर जाएंगे, 2023 में कांग्रेस सरकार को हमेशा के लिए विदा करेंगे : डॉ. पूनिया

- **अर्जुनराम मेघवाल ने की घोषणा, पांच करोड़ की लागत से हल्दीघाटी में बनेगा महाराणा प्रताप का संग्रहालय।**
- **कांग्रेस राज में बार-बार पेपर लीक से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा : दीया कुमारी।**

जयपुर/उदयपुर/राजसमंद, 1 जनवरी (का.सं.)। वीरता एवं शौर्य की धरती मेवाड़ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने मिशन-2023 को लेकर हल्दीघाटी रक्ततलाई, वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप को नमन कर और हल्दीघाटी की रज का तिलक कर जन आक्रोश सभा का शंखनाद किया।

डॉ. सतीश पूनिया ने मेवाड़ संस्थापक बप्पा रावल को नमन और भगवान एकलिंगनाथ महादेव की पूजा-अर्चना कर हल्दीघाटी में जन आक्रोश सभा का आगाज किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की खुशहाली एवं तरक्की की कामना की। वहीं शाम को नाथद्वारा में डॉ. सतीश पूनिया एवं अर्जुनराम मेघवाल ने भगवान श्रीनाथजी के दर्शन किए।

पूनिया ने हल्दीघाटी में जन आक्रोश सभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसान कर्जा माफी, भ्रष्टाचार, बिगड़ी कानून-व्यवस्था, पेपर लीक प्रकरण, माफियाओं का बढ़ता आतंक इत्यादि तमाम जनहित के मुद्दे हैं, जिनसे कांग्रेस सरकार के कुशासन में पूरे प्रदेश की जनता पीड़ित है।

उन्होंने कहा कि वीरता एवं शौर्य की ऐतिहासिक भूमि मेवाड़ एवं हल्दीघाटी की इस पवित्र धरा से संकल्प लेते हैं कि 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में प्रचंड बहुमत की भाजपा की सरकार बनाएंगे।

डॉ. पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2023 में भाजपा का सूरज उदय होगा, प्रचंड कमल खिलेगा, तीन चौथाई बहुमत के साथ राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर हल्दीघाटी में चैत्री गुलाब की जो खेती होती है उसको बढ़ावा देने का कार्य भी किया जाएगा। जापान के प्रधानमंत्री को जब हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवद् गीता भेंट की जो भारत का पवित्र ग्रंथ है और उसी तरह हल्दीघाटी की पवित्र धरती हमारे लिए अमूल्य उपहार है, जिसका तिलक लगाकर हमने जनविरोधी कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया है और इस पत्रित धरती से इस मिशन का आगाज किया है। स्वाभिमानी धरती हल्दीघाटी की रज को यहां से लेकर जा रहा हूं जो प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में लेकर जाएंगे और कार्यकर्ता इस मिट्टी का तिलक कर विजय संकल्प के साथ राजस्थान से हमेशा के लिए 2023 में कांग्रेस की सरकार को विदा करेंगे।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि, कांग्रेस सरकार के कुशासन में हल्दीघाटी सहित सभी शौर्य स्थलों के विकास कार्यों की उपेक्षा की जा रही है। राज्य सरकार वीर महापुरुषों के स्मारकों एवं शौर्य स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन पर कोई ध्यान नहीं दे रही है।

हल्दीघाटी की इस वीर धरा से घोषणा करता हूं कि केंद्र के संस्कृति मंत्रालय की तरफ से पांच करोड़ की लागत से महाराणा प्रताप के बलिदान एवं शौर्य गाथाओं को लेकर संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा, जिसमें रक्ततलाई, चेतक समाधि सहित महाराणा प्रताप की वीरता से जुड़े हल्दीघाटी के शौर्य स्थलों को विकसित किया जाएगा।

सांसद दीया कुमारी ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के कुशासन में बहन-बेटियां पूरे प्रदेश में असुरक्षित हैं, विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं, किसानों एवं युवाओं के साथ वादा-खिलाफी हो रही है और बार-बार पेपर लीक से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

इस दौरान प्रदेश महामंत्री एवं सांसद दीया कुमारी, सुशील कटारा, प्रदेश उपाध्यक्ष हेमराज मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद सी.पी. जोशी, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, राजसमंद जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहठ, उदयपुर देहात जिलाध्यक्ष चंद्रगुप्त चौहान के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं नेता मौजूद रहे।

गणेशधाम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार खटीक, अनुराधा खटीक पत्नी राकेश जोकि चौमू उपखण्ड के सामोद गांव के रहने वाले थे। वहीं बीरबल पुत्र लक्ष्मण गुर्जर, जानकी देवी पत्नी बीरबल सुन्दरपुरा तहसील दांतारामगढ़ के रहने वाले थे घटना की जानकारी मिलते मृतकों के घर पर चौमू विधायक रामलाल शर्मा भी पहुंचे एवं सांसद सुमेधानंद सरस्वती और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया हॉस्पिटल पहुंचे।

जानकारी के अनुसार पिक-अप में सवार 20 लोग खंडेला में गणेश धाम मंदिर दर्शन कर लौट रहे थे।

युगांडा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हो गये। घायलों को आनन फानन में अस्पताल भेजा गया, लेकिन वहां पर चार अन्य को मृत घोषित कर दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही आपातकर्मी मौके पर पहुंच गये और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। इस घटना के बारे में और जानकारी की प्रतिक्षा की जा रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908